नई दिल्ली
शुक्रवार 3 जुलाई 2026
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष, तृतीया वर्ष : 30, अंक : 75
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 31
न्यून. 27

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिहार, एमपी और गुजरात की 3 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान, 30 जुलाई को वोटिंग

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार, इन सीटों पर 30 जुलाई को मतदान होगा, जबकि 3 अगस्त को मतों की गिनती की जाएगी। संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया को 4 अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा। चुनाव आयोग आगामी 6 जुलाई को इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी करेगा, जिसके साथ ही नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। आयोग द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई निर्धारित की गई है। इसके बाद 14 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच होगी और उम्मीदवार 16 जुलाई तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। जिन तीन सीटों पर उपचुनाव होना है, उनमें बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मांजलपुर ⏩ शेष पेज 5 पर

बिहार की बांकीपुर, मप्र की दतिया और गुजरात की मांजलपुर विस सीट पर चुनाव

राम मंदिर दान घोटाला: लोक लेखा समिति के अध्यक्ष वेणुगोपाल की पाती पीएम मोदी के नाम, सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित दान घोटाले के आरोपों को लेकर राजनीति तेज हो गई है। लोकसभा की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तृत पत्र लिखकर मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले में केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे प्रकरण की सर्वोच्च स्तर पर जांच होनी चाहिए।

पत्र में वेणुगोपाल ने आरोप लगाया है कि राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए नकद दान, सोना-चांदी और अन्य बहुमूल्य वस्तुओं के कथित गबन से जुड़े शुरुआती जांच के निष्कर्ष बेहद गंभीर हैं। उन्होंने लिखा कि यह केवल कुछ कर्मचारियों की करतूत नहीं लगती, बल्कि इसके पीछे एक संगठित तंत्र और संस्थागत संरक्षण की आशंका दिखाई देती है।

उन्होंने दावा किया कि दान की गिनती करने वाले कर्मचारियों ने नियमित निगरानी व्यवस्था को दरकिनार कर नकदी और आभूषणों की चोरी की। साथ ही आरोप लगाया कि 7 से 8 महीने की महत्वपूर्ण सीसीटीवी फुटेज को जानबूझकर नष्ट कर दिया गया,

जिससे सबूत मिटाए जा सकें। उनके अनुसार यह घटना संकेत देती है कि मामला कुछ ‘छोटी मछलियों’ तक सीमित नहीं है।

के.सी. वेणुगोपाल ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि ट्रस्ट के तत्कालीन मुख्य लेखा अधिकारी ने वर्ष 2020-21 में ही वित्तीय अनियमितताओं और सोना-चांदी के आभूषणों के कथित गबन की आशंका जताई थी, लेकिन उनकी शिकायतों पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें पद से हटा दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भी दान की गिनती में अनियमितताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया और संबंधित कर्मचारियों को हटाने की सिफारिश की थी, लेकिन इन चेतावनियों की भी अनदेखी की गई। पत्र में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए हैं। वेणुगोपाल का कहना है कि अब तक केवल ड्राइवरों, क्लर्कों और आउटसोर्स कर्मचारियों जैसे निचले स्तर के लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि यदि किसी उच्च स्तर की भूमिका रही है तो उसकी जांच नहीं हुई। उन्होंने आशंका जताई कि राज्य सरकार की एसआईटी प्रभावशाली लोगों की निष्पक्ष जांच करने में सक्षम या स्वतंत्र नहीं हो सकती। वेणुगोपाल ने अपने पत्र में यह भी कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार की देखरेख में हुआ था और यह सर्वोच्च न्यायालय ⏩ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

फरमान की अग्रिम जमानत खारिज

खरगोन। महाकुंभ से चर्चा में आईं वायरल गर्ल मोनालिसा के पति फरमान खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। खरगोन जिले की मंडलेश्वर विशेष पॉक्सो अदालत ने फरमान की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने माना कि आरोपी फिलहाल फरार है और उसके बाहर रहने से साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की आशंका है। दोनों ने इसी साल 11 मार्च शादी की थी।

कांवड़ मेला 2026: 30 जुलाई से शुरू होगी यात्रा

हरिद्वार। विश्व प्रसिद्ध कांवड़ मेला 30 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होगा। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई। सभी संबंधित विभागों को 25 जुलाई तक तैयारियां हर हाल में पूरी करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

पहली बार दिखा सफेद मोर और गोल्डन सांभर

अलवर। राजस्थान के सरिस्का टाइगर रिजर्व से प्रकृति प्रेमियों के लिए एक अद्भुत खबर आई है। यहां पहली बार दो बेहद दुर्लभ जीव एक सफेद मोर और धूप में सोने की तरह चमकता गोल्डन सांभर देखे गए हैं। प्रदेश में सफेद मोर दिखने का यह पहला मामला है। कभी बाघ विहीन हो चुके सरिस्का में अब बाघों का कुनबा भी बढ़कर 56 हो गया है।

भारत-जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के एक नए अध्याय की हुई शुरुआत

आर्थिक सुरक्षा पर संयुक्त रोडमैप से रणनीतिक क्षेत्रों में मजबूत होगी लचीली सप्लाई चेन: प्रधानमंत्री मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती चीन की आक्रामकता के बीच गुरुवार को राजधानी के हैदराबाद हाउस में आयोजित किए गए ‘16 वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन’ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के साथ भाग लिया। इस दौरान हुई वार्ता में शीर्ष नेताओं ने दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी से जुड़े हुए विभिन्न क्षेत्रों जैसे व्यापार, निवेश, आर्थिक सुरक्षा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर, क्वांटम, ऊर्जा, तकनीक, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच आपसी संपर्क की व्यापक रूप से समीक्षा की है। साथ ही दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्थाओं के रूप में पीएम मोदी और ताकाइची ने चीन का नाम लिए बिना उसे दिए गए स्पष्ट संकेत में एक खुले हुए, समृद्ध और नियम आधारित हिंद-प्रशांत को लेकर भी अपनी साझा प्राथमिकता जताई। सम्मेलन के बाद कुल 16 परिणाम दस्तावेज (संयुक्त घोषणापत्र, संयुक्त बयान, एमओयू शामिल हैं) निकलकर सामने आए हैं। दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा पर संयुक्त घोषणा, एआई के क्षेत्र में सहयोग पर संयुक्त बयान और ऊर्जा लचीलेपन पर संयुक्त बयान नामक तीन महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेजों को भी अपनाया है। विदेश मंत्रालय द्वारा दिए गए बयान से यह जानकारी ⏩ शेष पेज 5 पर

- ⏩ एक खुले हुए, समृद्ध और नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर दोनों देशों ने जताई साझा प्राथमिकता
- ⏩ 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद दिए संयुक्त प्रेस बयान में बोले पीएम
- ⏩ दोनों देशों के बीच सामने आए 16 परिणाम दस्तावेज, जिनमें से 3 ऐतिहासिक हैं

क्षेत्र में शांति-स्थिरता संग लौटेगी प्रगति

सम्मेलन के बाद दिए संयुक्त प्रेस बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने हुए उथल-पुथल भरे माहौल में भारत और जापान के साझा विश्वास को सबसे बड़ी रणनीतिक संपत्ति बताया है। उन्होंने गर्व जताते हुए कहा कि हमारी यह साझेदारी इस कसौटी पर पूरी तरह से खरी उतरती है। क्षेत्र की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और बाजार अर्थव्यवस्थाओं के रूप में हमने कई महत्वपूर्ण पहल ही हैं। जिनके जरिए हम एकजुटता से समूचे क्षेत्र में शांति, स्थिरता और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे। बीते कई दशकों ⏩ शेष पेज 5 पर

रक्षा समझौते, मेडिकल साझेदारी का सार

पीएम ने बयान में रक्षा, फार्मा तथा मेडिकल क्षेत्र में हुए समझौतों के मायने समझाए। जिसमें उन्होंने बताया कि रक्षा क्षेत्र में हमने भारत-जापान की पहली सह-विकास परियोजना को लेकर समझौता किया है। जिसका संबंध नौसैन्य रेडियो एंटीना से है और यह हमारी रक्षा तकनीक भागीदारी में एक नए अध्याय का आगाज करेगा। समझौते के जरिए अब हम ऐसी रक्षा तकनीकों को साथ मिलकर विकसित करेंगे। जो क्षेत्रीय शांति, समुद्री सुरक्षा और नियम के मुताबिक चलने वाली व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगी। जबकि फार्मा, मेडिकल उपकरण व बायोटेक क्षेत्र में किए गए समझौतों से हम ग्लोबल हेल्थ सिक्योरिटी में योगदान देंगे। भारत की व्यवस्था और जापान की गुणवत्ता को जोड़कर हम सुलभ, भरोसेमंद और उन्नत स्वास्थ्य समाधानों को दुनिया तक ⏩ शेष पेज 5 पर

वैश्विक एआई विकास को मिलेगी नई गति

उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि तकनीक साझेदारी हमारे सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी। इसी विजन को साकार करने के लिए हमने एआई क्षेत्र में एक संयुक्त बयान जारी किया है। देश के एआई इकोसिस्टम के कई प्रमुख संस्थानों ने अपने जापानी भागीदारों के साथ समझौते किए हैं। जापान की सुस्पष्ट तकनीक और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम अंतरराष्ट्रीय एआई विकास को नई गति और शक्ति देगा।

भारत-जापान बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

विश्वास से भरी साझेदारी से आपसी विकास संग प्रशस्त होगा वैश्विक भलाई का मार्ग

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के साथ गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किए गए भारत और जापान बिजनेस फोरम में शिरकत की। दोनों देशों के उद्योग जगत की कई कंपनियों के प्रमुखों ने इस आयोजन में भाग लिया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में दोनों देशों के संबंधों को बेहद खास बताते हुए कहा कि हमारी साझेदारी विश्वास और आशाओं से भरी हुई है। ऐसे में इसमें न केवल हमारे साझा विकास बल्कि अंतरराष्ट्रीय भलाई का भी मार्ग प्रशस्त करने की पूरी क्षमता मौजूद है। उन्होंने इस संबंध में टोयोटा कार कंपनी का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे वो कहते हैं, आइए मिलकर ‘लेट्स गो प्लेसिस’। फोरम से जुड़े नए साथियों को पीएम ने बधाई दी और सभी भागीदारों के साथ एक ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। इस जानकारी को एक बयान के जरिए विदेश मंत्रालय ने मीडिया से साझा किया है।

दुनिया को देखने का नया विजन

उन्होंने दुनिया को देखने का एक विजन भी दोनों देशों की व्यापार जगत की कंपनियों के प्रतिनिधियों के समक्ष रखा। जिसमें कहा कि जापान की तकनीक और भारत की बाजार क्षमता मिलकर सेमीकंडक्टर, फार्मा और दुलर्भ खनिजों के क्षेत्र में दुनिया को एक लचीली सप्लाई चेन दें। जापान की पूंजी और हमारी आकांक्षाएं मिलकर जहाज निर्माण, गतिशीलता और स्वच्छ ऊर्जा में नया वैश्विक नेतृत्व तैयार करें। दोनों देशों के स्टार्टअप से एआई, क्वांटम और बायोटेक में दुनिया के अगली पीढ़ी के समाधान निकलकर सामने आएं। इतना ही नहीं दोनों देश एयरोस्पेस, रक्षा में अभूतपूर्व सहयोग से ⏩ शेष पेज 5 पर

40 फीट ऊंचाई से चट्टान का टुकड़ा गिरा

मप्र के 5 मजदूर दबे कुल 7 की मौत इनमें छग व कर्नाटक के दो

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

कर्नाटक के बेंगलुरु में गुरुवार सुबह पत्थर खदान ढहने से 7 प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। 5 मजदूर मध्य प्रदेश, एक छत्तीसगढ़ और एक कर्नाटक के यादगीर का रहने वाला था। घटना के दौरान 17 मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, साउथ तालुक इलाके में मौजूद कावेरी क्रशर कंपनी की खदान में खनन चल रहा था। इसी दौरान 40 फीट ऊंचाई से चट्टान का बड़ा टुकड़ा मजदूरों पर आ गिरा।

हादसे में 5 मजदूर भी घायल हो गए। पांचों खतरे से बाहर हैं। सभी मृतक व घायल दिहाड़ी मजदूर थे और वहां स्टोन क्रशर साइट पर काम कर रहे थे। एक्सकेवेटर चला रहे परशुराम ने बताया कि काम शुरू करने के लिए जैसे ही मैं मौके पर पहुंचे और मशीन चालू की, तभी पहाड़ी ⏩ शेष पेज 5 पर

फिलहाल नए फीचर पर पाबंदी

व्हाट्स एप के नए फीचर पर केंद्र सख्त, मेटा को भेजा नोटिस, 3 दिनों में मांगी सफाई

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरिभूमि फॉलो-अप

केंद्र सरकार ने भारत में व्हाट्स अप के नए यूजर नेम फीचर को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। सूत्रों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस फीचर के संबंध में व्हाट्स अप की कंपनी मेटा को नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के भीतर विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही मंत्रालय ने परामर्श प्रक्रिया पूरी होने तक इस फीचर को भारत में लागू नहीं करने के निर्देश भी दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय ने व्हाट्स अप की उस सार्वजनिक घोषणा का संज्ञान लिया है, जिसमें ⏩ शेष पेज 5 पर

क्या है नया यूजर नेम फीचर?

व्हाट्स अप के इस नए फीचर के तहत, यदि उपयोगकर्ता चाहे तो वह अपने मोबाइल नंबर के साथ एक यूज़रनेम भी सेट कर सकेगा। इसके बाद पहली बार संपर्क करने वाले व्यक्ति को उपयोगकर्ता का मोबाइल नंबर दिखाई नहीं देगा और उसकी ⏩ शेष पेज 5 पर

एलजी मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी

- ⏩ ऑपरेशन शिवा देगी यात्रियों को सुरक्षा
- ⏩ दोनों यात्रा मार्गों की कड़ी निगरानी के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की 670 कंपनियां तैनात

अमरनाथ यात्रा पर बम-बम भोले के जयकारों के साथ पहला जत्था रवाना

एजेंसी ⏭ जम्मू

पवित्र अमरनाथ यात्रा 2026 का शंखनाद हो चुका है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) और श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के चेयरमैन मनोज सिन्हा ने गुरुवार सुबह जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को हरी ⏩ शेष पेज 5 पर

भारतीय रेल ने राउरकेला-बोंडामुंडा खंड के लिए बोंडामुंडा में 135 करोड़ रुपये की रेल फ्लाईओवर परियोजना को मंजूरी दी

⏩ ***4.59 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर माल ढुलाई और यात्रियों के आवागमन को अलग करेगा, क्षमता बढ़ाएगा और प्रति वर्ष अतिरिक्त 8 मिलियन टन माल ढुलाई को सक्षम करेगा***

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारतीय रेल ने माल ढुलाई क्षमता और परिचालन दक्षता को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, दक्षिण पूर्वी रेल में बोंडामुंडा 'ए' केबिन से बोंडामुंडा लिंक 'बी' केबिन तक 4.59 किलोमीटर लंबे रेल फ्लाईओवर के निर्माण को 135 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दे दी है। इस परियोजना का उद्देश्य राउरकेला-बोंडामुंडा के महत्वपूर्ण खंड पर भीड़भाड़ को कम करना है, जो एक महत्वपूर्ण औद्योगिक गलियारा है तथा खनन और इस्पात उत्पादन की गतिविधियों के विस्तार के कारण माल ढुलाई यातायात में तेजी से वृद्धि करने की सख्त आवश्यकता है। एसएआईएल के बारसुआ-ताल्डीह-काल्टा खनन परिसर के विस्तार, राउरकेला स्टील प्लांट में बढ़े हुए उत्पादन और इस उच्च-घनत्व नेटवर्क (एचडीएन) मार्ग ⏩ शेष पेज 5 पर

बोंडामुंडा यार्ड में भीड़ कम करना और माल ढुलाई दक्षता में सुधार करना

प्रस्तावित फ्लाईओवर भारी मालगाड़ियों को यात्री ट्रेनों से अलग करेगा, जिससे बोंडामुंडा यार्ड में भीड़भाड़ काफी कम हो जाएगी। इस अलगाव से देश के महत्वपूर्ण औद्योगिक माल ढुलाई गलियारों में से एक पर लाइन की क्षमता, परिचालन दक्षता, ट्रेनों की विश्वसनीयता और समग्र नेटवर्क प्रदर्शन में सुधार होगा। परियोजना के चालू होने पर, इससे प्रति वर्ष अतिरिक्त 8 मिलियन टन (एमटीपीए) माल ढुलाई ⏩ शेष पेज 5 पर

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण के साथ आंध्र प्रदेश से किया 'विकसित भारत जी राम जी योजना' का राष्ट्रीय शुभारंभ

कहा, अब मजदूर के पसीने की पूरी कीमत, देर से मज़दूरी पर ब्याज समेत भुगतान का कानूनी प्रावधान

मनरेगा से आगे बढ़कर वीबी- जी राम जी, अब 125 दिन तक रोज़गार की पक्की गारंटी: शिवराज

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के तिरुपति ज़िले के मुक्कावरिपल्ली गाँव से “विकसित भारत– जी राम जी योजना” का बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय शुभारंभ हुआ। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण,केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी और कमलेश पासवान तथा सांसद विधायक और हजारों की संख्या में जनसमुदाय उपस्थित रहे।

मनरेगा से आगे वीबी- जी राम जी– 100 से 125 दिन रोजगार की छलांग

शिवराज सिंह चौहान ने याद दिलाया कि यूपीए सरकार के समय शुरू हुई मनरेगा में सिर्फ 100 दिन रोज़गार की गारंटी दी जाती थी। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी की नई रणनीति के तहत विकसित भारत- जी राम जी योजना में मजदूरों के लिए पूरे 125 दिन तक काम की पक्की गारंटी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ दिनों की बढ़ोतरी नहीं, बल्कि सोच में बदलाव है, अब लक्ष्य यह है कि कोई हाथ खाली न रहे। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि नई योजना के लागू होते ही पहले दिन ही देशभर में लाखों मजदूरों को काम मिला है ⏩ शेष पेज 5 पर

आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क से जुड़े चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित आतंकी और हथियार नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से तीन आरोपियों को पंजाब और एक को दिल्ली से पकड़ा। आरोपी अपने आकाओं ने दिल्ली में धार्मिक स्थलों और पुलिस थानों की रेकी करने का काम सौंपा था।

डीसीपी प्रवीण कुमार त्रिपाठी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के नाम शुभदीप सिंह उर्फ विशाल (23), गुरजंत सिंह उर्फ ऋषि (22), साजन सिंह उर्फ हनी (28) और गगनप्रीत (24) हैं। आरोपी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट शहजाद भट्टी और उसके सहयोगियों के इशारे पर दिल्ली में आतंकी गतिविधि को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पकड़े जाने से बचने के लिए आरोपी अपने पाकिस्तानी आकाओं द्वारा मुहैया कराए गए विदेशी नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सशस्त्र कानून की प्रासंगिक धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक जिगाना पिस्तौल, एक .30 बोर पिस्तौल, नौ कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। दरअसल स्पेशल सेल को खुफिया जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान स्थित आईएसआई एजेंट शहजाद भट्टी अपने सहयोगियों के साथ दिल्ली-एनसीआर में आतंकी घटना को अंजाम देने की साजिश रच रहा है और इसके लिए उसने पंजाब के युवाओं को भर्ती किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद एक टीम ने दिल्ली और पंजाब में कई छापे मारे। पहली गिरफ्तारी अमृतसर के मजीठा रोड से शुभदीप सिंह की हुई, जिसके पास से एक सेमी ऑटोमेटिक पिस्तौल, पांच कारतूस और दो मोबाइल मिले। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह शहजाद भट्टी नेटवर्क के पाकिस्तान स्थित आकाओं के संपर्क में था और ड्रोन के जरिए हथियार व मादक पदार्थ प्राप्त कर रहा था। इसके बाद पंजाब से उसके दो सहयोगियों गुरजंत सिंह और साजन सिंह को पकड़ा गया, जिनसे एक जिगाना पिस्तौल, चार कारतूस और दो मोबाइल मिले। बाद में दिल्ली से चौथे आरोपी गगनप्रीत को गिरफ्तार किया गया। उसके मोबाइल से कई आपत्तिजनक सबूत मिलने की बात सामने आई हैं।

28 वर्षीय युवक के सीने में चाकू घोंप उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

समयपुर बादली थाना एरिया के सिरसपुर में 1-2 जुलाई की दरमियानी रात 28 वर्षीय युवक का सीने में चाकू घोंप कत्ल कर दिया गया। पुलिस ने 12 घंटे के भीतर इस ब्लाइंड मर्डर के मामले को सुलझाने का दावा किया है। इस सिलसिले में दो नाबालिगों को पकड़ा गया। इनसे अपराध में इस्तेमाल हथियार भी बरामद कर लिया गया। हत्या लूटपाट के चलते की गई थी।

पुलिस के अनुसार स्थानीय थाने को एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें बताया गया कि सिरसपुर के जीवन पार्क की गली नंबर 6 में एक व्यक्ति खून से लथपथ हालत में पड़ा है। मौके पर पहुंचने पर पुलिस को एक अज्ञात पुरुष मिला, जिसकी उम्र लगभग 28 साल थी। वह मकान नंबर 139 के बाहर एक नाले के पास पड़ा था और उसके सीने पर चाकू का जख्म था। तलाशी के दौरान एक मोबाइल फोन, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज भी उसके पास से बरामद हुए, जिनसे उसकी पहचान आदेश कुमार पुत्र राम बाबू, निवासी गली नंबर 5, जीवन पार्क, सिरसपुर के तौर पर हुई। अपराध स्थल की जांच करने पर गली नंबर 22 की ओर खून के निशान मिले। आसपास की जगहों से इकट्ठा किए गए कैमरा फुटेज में दो संदिग्ध पीड़ित पर हमला करते हुए दिखे, जिसमें से एक ने उसके सीने में चाकू घोंप दिया। जख्मी होने के बावजूद पीड़ित लगभग 500 मीटर तक भागा और फिर अपने घर के पास गिर गया। क्राइम और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जरूरी सबूत इकट्ठा किए। घायल व्यक्ति को बुराड़ी के अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। टीम ने 200 से ज्यादा कैमरा फुटेज का विश्लेषण करके बड़े पैमाने पर स्थानीय पूछताछ और ह्यूमन इंटेलिजेंस यानि मुखबिरों से जानकारी जुटाकर गहन जांच की। आखिरकार एक संदिग्ध की पहचान की गई। उसके ठिकाने पर तुरंत छापा मारकर उसे पकड़ा। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया गया। उसके खुलासे के आधार पर दूसरे आरोपी को भी पास के इलाके से पकड़ लिया गया। दोनों आरोपी नाबालिग है। इनमें से एक गत वर्ष भी हत्या के एक मामले में शामिल रहा था। पुलिस का कहना है कि पीड़ित को अकेले देखकर नाबालिगों ने उसे पकड़ लिया था। उसका मोबाइल फोन और कीमती सामान लूटने की कोशिश की गई। जब पीड़ित ने विरोध किया और शोर मचाया, तो एक आरोपी ने चाकू से उसके सीने पर वार कर दिया था। इसके बाद दोनों आरोपी मौके से भाग गए थे।

कुख्यात अपराधी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी दिल्ली के नरेला क्षेत्र में हत्या की कोशिश, झपटमारी व लूट समेत 39 मामलों में शामिल एक कुख्यात अपराधी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। अपराधी इरशाद अली उर्फ शंकर अली मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हुआ है। पुलिस के अनुसार बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात में नरेला औद्योगिक क्षेत्र के सन्नोठ गांव के पास अली को रुकने का इशारा किया गया तो उसने पुलिस पर फायर खोल दिया। बदमाश ने पुलिस कर्मियों पर दो गोलियां चलाईं। इसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में चार गोलियां चलाईं जिसमें से एक गोली अली के पैर में लगी और उसे काबू कर लिया गया। घटना में कोई पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि अली को जख्मी हालत में नरेला के राजा हरिशचंद्र अस्पताल ले जाया गया जहां से उसे बाद में रोहिणी के डॉ बीएसए अस्पताल भेज दिया गया। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उसके पास से चोरी की एक बाइक बरामद की गई है जो नरेला इलाके से चुराई गई थी। उनके मुताबिक, अली अदातन अपराधी है और उसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। वह झपटमारी, लूट, हत्या की कोशिश, सरकारी कर्मी पर हमला और आर्म्स एक्ट समेत 39 मामलों में शामिल रहा है।

बम की फर्जी धमकी वाले ईमेल भेजने का आरोपी गाजियाबाद से पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने एनआईए, इसरो, डीआरडीओ सहित कई महत्वपूर्ण संगठनों और एअर इंडिया के एक विमान में बम रखे होने की फर्जी धमकी वाले ईमेल भेजने के आरोप में गाजियाबाद के एक व्यक्ति को पकड़ा है। आरोपी शख्स का नाम 36 वर्षीय निशांत त्यागी बताया गया है। इसका 2008 से मानसिक बीमारी का इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 29 जून को भेजे गए ईमेल में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) के मुख्यालय सहित कई उच्च-सुरक्षा वाले प्रतिष्ठानों में बम रखे होने का दावा किया गया था। इसके अलावा नई दिल्ली से न्यूयॉर्क जाने वाली एअर इंडिया की एक उड़ान के लिए भी धमकी भरा ईमेल भेजा गया था, जिससे तत्काल सुरक्षा जांच शुरू की गई और कई एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया था। पुलिस ने कहा कि सभी संबंधित संगठनों और सुरक्षा एजेंसियों को सूचित किया गया और मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया। जांच में धमकियां फर्जी पाई गईं। घटना के बाद पुलिस ने छानबीन शुरू की और तकनीकी जांच के दौरान दो ईमेल खातों का विश्लेषण किया गया। ईमेल रिकॉर्ड की विस्तृत जांच से जांचकर्ताओं को खातों से जुड़ा एक मोबाइल नंबर मिला। तकनीकी निगरानी का उपयोग करते हुए पुलिस टीम को 30 जून को पता चला कि संदिग्ध उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के संयोग नगर में है। पुलिस ने उक्त जगह पहुंचकर निशांत त्यागी नामक संदिग्ध को उसके घर से हिरासत में लिया। पूछताछ में धमकी भरे ईमेल भेजने की बात पुख्ता हुई। पुलिस के अनुसार, त्यागी ने अपनी शिक्षा ओपन स्कूलिंग के माध्यम से की थी और 2010 में स्नातक डिग्री कार्यक्रम में दाखिला लिया था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया। प्रारंभिक जांच के दौरान, यह सामने आया कि वह 2008 से कथित तौर पर मानसिक बीमारी से पीड़ित है और वर्षों से विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में उसका इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने कहा कि उसके परिवार के सदस्यों ने पुलिस को उसके लंबे चिकित्सा इतिहास के बारे में भी बताया। जांच के दौरान कोई विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई। ईमेल भेजने के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। पुलिस ने कहा कि जांच के नतीजे के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी ने सीने पर चढ़कर दुपट्टे से पति का गला घोंटा

अवैध संबंधों के शक में मोबाइल छीनने पर ले ली पति की जान

- सास के देखने पर मौके से भाग गुरुद्वारे में छिपी, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

जगतपुरी इलाके में एक महिला ने अपने पति की दुपट्टे से गला घोंट हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी महिला गुरुद्वारे में जा छिपी। तफ्तीश के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में महिला ने बताया कि पति उस पर शक करता था। इसी के चलते उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया था। इसी झगड़े में वारदात को अंजाम दिया गया।

पुलिस के अनुसार गुरुवार तड़के लगभग 3:52 बजे जगतपुरी थाने को एक पीसीआर कॉल मिली कि रशीद मार्केट में एक महिला ने कथित तौर पर अपने पति का गला घोंट दिया है। यह जानकारी तुरंत एएसआई हेमंत को सौंपी गई, जो पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। मुस्तकीम उर्फ साहिल (20) बेहोशी की हालत में मिला और उसे डॉ. हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की मां की शिकायत के आधार पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। अपराध की गंभीरता को समझते हुए जांच टीम ने तुरंत जांच शुरू की। गवाहों के बयान दर्ज किए गए, अपराध स्थल की वैज्ञानिक तरीके से जांच की गई और सभी उपलब्ध सबूतों का विश्लेषण किया गया। लगातार पूछताछ के दौरान मृतक की पत्नी अलीशा (20) ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उसने बताया कि उसके पति को शक था कि उसका किसी और के साथ अफेयर है और सबूत खोजने के लिए उसने रात में उसका मोबाइल फोन ले लिया था। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच तीखी बहस हुई, जिसके दौरान मृतक ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की। गुस्से में आकर आरोपी महिला उसके सीने पर बैठ गई और अपने दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। इसके कुछ ही देर बाद मृतक की मां कमरे में आ गई, जिस पर आरोपी मौके से भाग गई और गिरफ्तारी से बचने के लिए एक गुरुद्वारे में छिप गई। पुलिस ने उसे गुरुद्वारे से गिरफ्तार कर लिया।

बेडशीट खरीदने में 200 प्रतिशत कमीशन लेने के मामले की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दें उपराज्यपाल : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने गुरुवार को सरकारी अस्पतालों के लिए बेडशीट खरीदने में 200 प्रतिशत कमीशन लेने के मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से गुरुवार को मांग की है कि वह तुरंत इस मामले उच्च स्तरीय जांच कराएं। यादव ने कहा कि पिछली आम आदमी पार्टी सरकार और बीजेपी की मौजूदा रेखा गुप्ता सरकार, दोनों ने ही दिल्ली के 28 सरकारी अस्पतालों के लिए कई संदिग्ध खरीद के जरिए टैक्स देने वालों के पैसे को हड़पने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र का इस्तेमाल 'कैश काऊ' (पैसे कमाने का जरिया) के तौर पर किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों के लिए बेडशीट खरीदने में 200 प्रतिशत कमीशन लेने का ताजा खुलासा चौंकाने वाला है। यह मामला सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों द्वारा मेडिकल उपकरण और दवाएं खरीदने में कीमतों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से जुड़े 560-650 करोड़ रुपये के दिल्ली स्वास्थ्य घोटाले के ठीक बाद सामने आया है। उन्होंने कहा कि जांच से पता चला है कि जरूरी सामान बाजार भाव से 200 से 500 प्रतिशत ज्यादा कीमत पर खरीदे गए, जिससे सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) से जनता का पैसा हड़पा गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संदीप** पुत्र उदय राज, निवासी मकान नंबर 305, प्राइमरी स्कूल के पास, मेट्रो विहार, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 51/2023 दिनांक 09.01.2023 धारा 323/342 भा.द.स, थाना नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संदीप** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **संदीप** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **संदीप, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 51/2023 दिनांक 09.01.2023 धारा 323/342 भा.द.स, थाना नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.08.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री साहिल गुप्ता
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-07
उत्तर, कमरा नंबर 6
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/8803/ON/2026

सीएजी ऑडिट बिजली उपभोक्ता और ईमानदार करदाता की जीतः सूद

- पिछली सरकार ने जांच करने के बजाय उसे संरक्षण देने का किया काम

नई दिल्ली। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली के डिस्कॉम्स के सीएजी (कैग) ऑडिट का औपचारिक आदेश दिल्ली के बिजली क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यह दिल्ली के प्रत्येक बिजली उपभोक्ता और प्रत्येक ईमानदार करदाता की जीत है। उन्होंने कहा कि बिजली क्षेत्र के निजीकरण के बाद वर्षों तक अनेक वित्तीय निर्णय, विशेष व्यवस्थाएँ और लगातार बढ़ती देनदारियाँ की सार्वजनिक जांच नहीं हो सकी। सूद ने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली आम आदमी पार्टी सरकार ने व्यवस्था की जांच करने के बजाय उसे संरक्षण देने का काम किया था। जो कार्य वे दस वर्षों में नहीं कर सके, हमारी सरकार ने कुछ ही महीनों में उसकी शुरुआत कर दी है। ऊर्जा मंत्री सूद ने यह भी कहा कि दिल्ली की जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि लगभग 38 हजार करोड़ के रेगुलेटरी एसेट्स लगातार कैसे बढ़ते गए और इसका लाभ किसे मिला, जबकि इसका बोझ दिल्ली के लोगों पर पड़ा। कैग ऑडिट इन सभी तथ्यों को सामने लाएगा। ऊर्जा मंत्री सूद ने आगे कहा कि यह केवल पूर्व सरकार के कामों की जांच नहीं है बल्कि यह ऑडिट तो दिल्ली के बिजली क्षेत्र में व्यापक सुधारों की आधारशिला है। इसकी वास्तविक सफलता उन सुधारात्मक कदमों, अधिक प्रभावी नियमन और मजबूत जवाबदेही से तय होगी जो इसके बाद लागू किए जाएंगे। सूद ने पूरी स्पष्टता के साथ दावा करते हुए कहा कि दिल्ली का कोई भी ईमानदार करदाता किसी के निजी हितों, विशेष कृपा या गलत निर्णयों की कीमत चुकाने के लिए मजबूर नहीं होगा। जनता के धन का प्रत्येक रुपया सुरक्षित रखना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है।

केजरीवाल ने लगाए पीएम मोदी पर चंदा चोरी के असली गुनहगारों को बचाने के आरोप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर श्री राम मंदिर चोरी मामले को लेकर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री प्रभु श्री राम के मंदिर में चंदा चोरी के असली गुनहगारों को बचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने खुद ट्रस्ट बनाया, एक-एक व्यक्ति को खुद चुना और अपने खास चंपत राय को मंदिर का सर्वेसर्वा बनाया। यह पूरा घटनाक्रम तो यही दिखाता है कि मोदी मामले को रफ़ा-दफ़ा करने और दोषियों को बचाने में लगे हैं। यह कैसे संभव है कि मंदिर की जमीन, उसके निर्माण और चंदा चोरी के इतने बड़े-बड़े घोटाले हो गए, लेकिन मोदी को कैसे पता नहीं चला। पीएम को सबकुछ पता था फिर भी धृतराष्ट्र बने रहे, जब देश के सामने सच आने लगा तो फर्जी एसआईटी बना दी। केजरीवाल ने कहा कि जब संजय सिंह ने जमीन घोटाले के सबूत दिए, तब एसआईटी ने कहा कि वह जमीन घोटाले की जांच नहीं कर रही। आखिर एसआईटी क्या कर रही है, पहले भी एसआईटी बनी, कुछ नहीं हुआ, इस बार भी बनी है, कुछ नहीं होगा। केजरीवाल गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के साथ प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि मुझे सूत्रों से पता चला है कि आईबी ने कम से कम 12 रिपोर्ट प्रधानमंत्री को सौंपी हैं। जिसमें उन्होंने बताया है कि किस तरह से कंस्ट्रक्शन में, जमीनों में और चढ़ावे के अंदर बहुत बड़े स्तर पर राम मंदिर में चोरी हो रही है। उन्हें सब कुछ पता था, लेकिन वे धृतराष्ट्र की तरह चुप रहे, आंखों पर पट्टी बांधे रहे। और जब पानी सिर से ऊपर चला गया, जब मजबूरी हो गई और बहुत ज्यादा मुद्दा उठने लग गया, तो उन्होंने लोगों की आंखों में धूल झोंकने के लिए एक एसआईटी बना दी। बिना एफआईआर के एसआईटी बन कैसे सकती है, तब तक एफआईआर ही नहीं हुई थी। बिना एफआईआर के एसआईटी बन ही नहीं सकती।

मानसून के दौरान जलभराव व अन्य समस्याओं से निपटने को सत्या शर्मा ने दिए सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने सभी अधिकारियां को पूरी गंभीरता से कार्य करते हुए मानसून के दौरान राजधानी में जलभराव रोकने के लिए कहा है। उन्होंने सभी संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पंप, मशीनें और कर्मचारियों की तैनाती के सख्त निर्देश देते हुए कहा कि मानसून के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सत्या शर्मा ने निर्देश दिए कि जिन जिन स्थानों को जलभराव की दृष्टि से संवेदनशील अथवा संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है, वहां अतिरिक्त पंप, डी-वॉटरिंग मशीनें तथा आवश्यक उपकरण पहले से ही उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही इन स्थानों पर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि भारी वर्षा की स्थिति में जल निकासी का कार्य तत्काल प्रारंभ किया जा सके और जलभराव को समय रहते नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों की नियमित निगरानी करें तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नालों, ड्रेनों और जल निकासी मार्गों पर विशेष ध्यान दिया जाए। सत्या शर्मा ने नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं जलभराव, पेड़ गिरने अथवा मानसून से संबंधित कोई अन्य समस्या दिखाई दे तो तत्काल एमसीडी 311 ऐप अथवा निगम के कंट्रोल रूम के माध्यम से जानकारी दें जिससे की संबंधित विभाग तुरंत कार्रवाई कर सके। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी पूरी जवाबदेही के साथ कार्य करें।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी कोलिन्स पुत्रः** ओकुवे **पताः** अग्रवाल चौक के पास, चंदर विहार, नई दिल्ली, निहाल विहार, बाहरी जिला, दिल्ली **FIR No. 828/2021, U/s: 14 Foreigners Act, पुलिस थानाः निहाल विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **कोलिन्स** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **कोलिन्स** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **कोलिन्स FIR No. 828/2021, U/s: 14 Foreigners Act, पुलिस थानाः निहाल विहार, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.08.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री कोमल गर्ग
एल.डी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
पश्चिम जिला, कमरा नंबर 292
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/8415/OD/2026
(Court Matter)

एनडीएमसी में पिछले माह सबसे अधिक दर्ज हुईं बिजली सप्लाई और सीवर जाम की शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- जून माह में बिजली सप्लाई की दर्ज हुईं 496 शिकायतें, 495 का हुआ निस्तारण, सीवर जाम की दर्ज हुई 202 शिकायतें

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) में पिछले माह जून में सबसे अधिक बिजली सप्लाई और सीवर जाम की शिकायतें दर्ज हुईं। एनडीएमसी में दर्ज ऑनलाइन शिकायत के आंकड़ों के अनुसार पिछले जून माह में सबसे अधिक बिजली सप्लाई की 496 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 495 शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया है। जबकि 2 शिकायतें लंबित हैं। वहीं कचरा डालने की 158 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 153 शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया। जबकि 5 शिकायतें लंबित हैं। वहीं सड़क मरम्मत की 61 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 54 शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया वहीं 7 शिकायतें लंबित हैं। इसके अलावा पेड़ों की छटाई की 105 शिकायतें दर्ज हुई इनमें से 98 शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया जबकि 7 शिकायतें अभी लंबित हैं। वहीं सड़कों पर नाले बंद की 64 शिकायतें दर्ज हुई इनमें 58 शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया जबकि 6 शिकायतें लंबित हैं। वहीं बागवानी का कचरा हटाने की 102 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 101 शिकायतों को निस्तारण कर दिया गया जबकि 1 शिकायत लंबित है। वहीं एनडीएमसी इलाके में सीवर जाम की शिकायतों की बात करें तो इसकी 202 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 202 शिकायतों को निस्तारण कर दिया गया जबकि 1 शिकायत लंबित है। वहीं सीवर ओवर फ्लो की 37 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें 36 शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया जबकि 1 शिकायत लंबित है। वहीं खराब स्ट्रीट लाइट की 128 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 124 शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया जबकि 4 शिकायतें लंबित हैं।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	पंचायती राज चरखी दादरी	गांव बिरही कलां में आईपीबी सहित रास्ता की पेवमेंट एचजीवीवाई + 5 कार्य।	26.06.2026 13.07.2026	295.55 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9582622008 xenprcharkhidadri@gmail.com
2	पंचायती राज चरखी दादरी	गांच अचीना में अचीना मेन फिरनी से बाबा स्वरूप नाथ मंदिर (नीरू वाला जोहड़) तक रास्ता की पेवमेंट + 1 कार्य।	30.06.2026 13.07.2026	88.84 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9582622008 xenprcharkhidadri@gmail.com
3	पंचायती राज फतेहाबाद	ढांड धरिना रोड से व्यायामशाला तक और जल घर से लोनिवि रोड तक फिरनी की पेवमेंट और अन्य एच + 2 कार्य।	26.06.2026 06.07.2026	307.90 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1667230855 prexeeng.ftb@hry.nic.in
4	पंचायती राज भिवानी	फिरनी से वेदपाल नाई के खेत, ढाणी भाकरा तक ब्रिक-ऑन-एज रास्ता का निर्माण + 1 कार्य।	30.06.2026 06.07.2026	41.13 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1664243927 prexeeng.bhw@hry.nic.in
5	पंचायती राज भिवानी	गांव देवसर में साइड नाला और आईपीबी सहित फिरनी की पेवमेंट।	01.07.2026 07.07.2026	63.98 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1664243927 prexeeng.bhw@hry.nic.in
6	पंचायती राज हिसार	चौधरीवास, हिसार-2, पनिहार रोड से स्टेडियम के साथ-साथ गोरची रोड तक आईपीबी फिरनी की पेवमेंट (एचआरडीएफ) + 6 कार्य।	01.07.2026 15.07.2026	379.38 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8397953040 prexeeng.hsr@hry.nic.in
7	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, करनाल	आरडी 37500 से 42000 तक गांव सलवान के आबादी क्षेत्र में नई नाला ड्रेन की रिमॉडलिंग।	01.07.2026 21.07.2026	605.75 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0184-2255291 knldivn335@gmail.com
8	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, रोहतक	आरडी 0 से 32900 तक कटवाड़ा माइनर की खरपतवार निकालना और किनारा सफाई।	बंद होने की तिथि 06.07.2026	4.53 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9812111077 xenwsdnrtk@gmail.com
9	मोती लाल नेहरू खेल विद्यालय, राई, सोनीपत	बैडशीट और बैडकवर की आवश्यकता।	18.06.2026 09.07.2026	2.90 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8708859410 mnssrai@rediffmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in
पीआरडीएच-11/2027/180/46757/I/88/7 दि. 02.07.26

झमाझम बारिश के साथ दिल्ली में मानसून ने दी दस्तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आखिरकार पांच दिनों की देरी से गुरुवार को दिल्ली में झमाझम बारिश के साथ मानसून ने दस्तक दे ही दी। सुबह सुबह हुई झमाझम बारिश के बाद पूरे दिन मौसम सुहाना बना रहा, जिसका लोगों ने आनंद लिया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पहले ही जुलाई के प्रथम सप्ताह में मानसून के आगमन की भविष्यवाणी की थी जो गुरुवार को सही साबित हुई। ताजा अनुमान में आईएमडी ने अब 3 से 8 जुलाई 2026 तक बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसमें शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट शामिल है। आईएमडी की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 के बाद यह पहली बार है, जब मानसून ने जुलाई महीने में दस्तक दी है। इससे पहले साल में 2021 में मानसून 13 जुलाई को दिल्ली पहुंचा था। पिछले पांच साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2025 में 29 जून, 2024 में 28 जून, 2023 में 25 जून और 2022 में 30 जून को मानसून दिल्ली पहुंचा था।

दिल्ली बनेगी देश की 'सिविक-टेक कैपिटल': रेखा गुप्ता

'युवाओं के तकनीकी समाधानों को सीधे सरकारी व्यवस्था में किया जाएगा एकीकृत'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली देश की 'सिविक-टेक कैपिटल' बनेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में 'दिल्ली नेक्स्ट - कोड, क्रिएट ऐंड चेंज' की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। उन्होंने बताया कि यह देश का सबसे बड़ा सिविक-टेक इनोवेशन प्रोग्राम है।

इसका उद्देश्य युवाओं, स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं, शिक्षण संस्थानों और नवाचारकर्ताओं को एक साझा मंच पर लाकर दिल्ली की वास्तविक नागरिक एवं शहरी चुनौतियों के लिए तकनीक आधारित समाधान विकसित करना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज शासन व्यवस्था केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि तकनीक, इनोवेशन और जनभागीदारी के माध्यम से समस्याओं का प्रभावी एवं स्थायी समाधान विकसित करना समय की आवश्यकता है। 'दिल्ली नेक्स्ट' केवल एक हैकाथॉन नहीं, बल्कि गवर्नेंस और इनोवेशन के बीच एक ऐसा सेतु है, जो युवाओं के विचारों को सीधे सरकारी व्यवस्था से जोड़ेगा। मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज प्रस्तुत किए जा रहे विचार केवल प्रतियोगिता के लिए नहीं, बल्कि दिल्ली के भविष्य को आकार देने वाले समाधान हैं। उन्होंने सभी युवाओं से नवाचार की इस यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने और विकसित दिल्ली के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

देश के युवाओं में है असीम प्रतिभा

मुख्यमंत्री ने युवाओं की क्षमता पर भरोसा जताते हुए कहा कि हमारे देश के युवाओं में असीम प्रतिभा है। अगर उन्हें सही मंच, सटीक मार्गदर्शन और उचित अवसर मिले तो वे प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। दिल्ली सरकार इसी दूरदर्शी सोच के साथ युवाओं को सिर्फ एक प्रतियोगी के रूप में नहीं, बल्कि सुशासन में अपने बराबर के सहभागी के रूप में देख रही है। युवा देश के भविष्य नहीं बल्कि विकसित भारत के महत्वाकांक्षी मिशन को हासिल करने के लिए हमारे सबसे उज्ज्वल वर्तमान है।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में किया जाएगा लागू

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक हैकाथॉन अक्सर पुरस्कार वितरण के साथ समाप्त हो जाते हैं, लेकिन 'दिल्ली नेक्स्ट' की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां चयनित समाधान केवल प्रदर्शित नहीं किए जाएंगे, बल्कि उन्हें संबंधित सरकारी विभागों के सहयोग से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाएगा। सफल मॉडलों को चरणबद्ध तरीके से सरकारी कार्यप्रणाली में एकीकृत किया जाएगा, जिससे नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

वास्तविक नागरिक समस्याओं के समाधान खोजने पर रहा केंद्रित

जानकारी के अनुसार, यह इनोवेशन प्रोग्राम दिल्ली की वास्तविक नागरिक समस्याओं के समाधान खोजने पर केंद्रित रहा। प्रतिभागियों ने अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर, जलभराव, ट्रैफिक प्रबंधन, स्मार्ट पार्किंग, वायु प्रदूषण, कचरा प्रबंधन, इलेक्ट्रिक वाहन इकोसिस्टम, नागरिक शिकायत निवारण, डिजिटल गवर्नेंस और नागरिक सेवाओं जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार आधारित समाधान विकसित किए।

60 टीमों ने सीएम को दिखाया लाइव प्रदर्शन

सरकार से मिली जानकारी के अनुसार, यह कार्यक्रम तीन चरणों में आयोजित किया गया। पहले चरण में जागरूकता और आउटरीच अभियान के माध्यम से देशभर के एक करोड़ से अधिक युवाओं तक इसकी पहुंच बनाई गई। दूसरे चरण में 2.5 लाख से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया। इनमें से प्राप्त 5,000 से अधिक तकनीकी प्रस्तावों का विशेषज्ञों की समिति ने विस्तृत मूल्यांकन किया और अगले दौर के लिए 1,000 प्रतिभागियों का चयन किया। अंतिम चरण में देशभर से चुनी गई शीर्ष 60 टीमों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपने कार्यशील प्रोटोटाइप और नवाचारों का लाइव प्रदर्शन किया।

सीजेपी ने लगाए पुलिस पर बदसलूकी के आरोप

दिपके ने की एसीपी को निलंबित करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के जंतर-मंतर पर चल रहे धरने में गुरुवार को दिल्ली पुलिस पर बदसलूकी करने के आरोप लगे। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने पुलिस पर महापुरुषों की किताबें फेंकने और छात्रों से मारपीट का आरोप लगाते हुए मांग की है कि आरोपी एसीपी को तुरंत निलंबित किया जाए। दिपके ने यह आरोप छात्रों द्वारा पढ़ने के लिए टेबल पर बनाई गई एक अस्थायी लाइब्रेरी को हटाने के मुद्दे पर लगाए।

इससे पहले एक युवक मंच पर पहुंचा और दिपके से कहा कि मेरे साथ पुलिस ने बदसलूकी की है और अस्थाई लाइब्रेरी की किताबों को फेंक दिया है। जिसके बाद दिपके ने तीखा हमला बोलते हुए दिल्ली पुलिस पर जमकर निशाना साधा। दिपके ने बाकायदा इस मामले को लेकर अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, पुलिस अधिकारी शायद भूल गए हैं कि वे खुद भी इन्हीं किताबों को पढ़कर और परीक्षाएं पास करके इस पद तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की धरती पर महापुरुषों का अपमान सहा नहीं जाएगा। उन्होंने पोस्ट को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार को टैग करते हुए अपील की कि वे दिल्ली में हो रहे इस अपमान के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं। दिपके ने दिल्ली पुलिस के रवैये पर राजनीतिक पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस अधिकारी कानून व्यवस्था संभालने के बजाय भाजपा के कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

उन्होंने पुलिस को चुनौती देते हुए कहा कि अगर आपको राजनीति ही करनी है, तो सरकारी वर्दी उतार दीजिए और आधिकारिक तौर पर बीजेपी ज्वाइन कर सीधे मैदान में आकर हमें हटाने की कोशिश कीजिए। इस घटना के चलते धरना स्थल पर सीजेपी कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की।

खबर संक्षेप

एनडीएमसी ने शुरू की आवास आवंटन की प्रक्रिया

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी)ने स्पेशल ड्राइव के तहत ई-आवास पोर्टल के जरिए अपने कर्मचारियों को आवास आवंटन के लिए स्पेशल बिडिंग (क्वार्टर चुनने की प्रक्रिया) शुरू कर दी है। इस संबंध में एनडीएमसी ने एक सकुर्लर जारी किया है। जारी सकुर्लर के अनुसार पालिका धाम, तुगलक क्रिसेंट और ईएसएस मोतीबाग के वह कर्मचारी जिनको पहले क्वार्टर आवंटित नहीं किए गए थे, वह क्वार्टर के लिए आवेदन कर सकते हैं। सकुर्लर के अनुसार कर्मचारी 2 जुलाई से 2026 से 4 जुलाई 2026 तक क्वार्टर चुनने की प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

निगम के शिक्षा विभाग ने शुरू किया शिक्षकों का रेशनलाइजेशन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के शिक्षा विभाग ने बच्चों के हित के लिए शिक्षकों का रेशनलाइजेशन (तर्कसंगतीकरण) की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रक्रिया के तहत समग्र शिक्षा के उन अनुबंधित शिक्षकों का पुन समायोजन किया गया है, जिनकी नियुक्ति वर्षों पहले शिक्षकों की कमी वाले विद्यालयों में की गई थी। शिक्षा विभाग के अनुसार, समय के साथ कई विद्यालयों में डीएसएसएसबी के माध्यम से स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है। वहीं दूसरी तरफ कुछ विद्यालय अब भी शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। ऐसे में इस असंतुलन को दूर करते हुए लंबे समय से एक ही विद्यालय में कार्यरत अनुबंधित शिक्षकों को आवश्यकता वाले विद्यालयों में भेजा गया है। इस प्रक्रिया में विशेष रूप से शाहदरा नॉर्थ जोन और शाहदरा साउथ जोन के विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता को संतुलित करने पर ध्यान दिया गया है। शिक्षा विभाग का मानना है कि इस कदम से छात्र-शिक्षक अनुपात (पीटीआर) में सुधार होगा और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही यह उम्मीद भी जताई जा रही है कि भविष्य में स्थायी शिक्षकों का भी आवश्यकता के अनुसार तर्कसंगतीकरण होगा।

ओमान के प्रतिभाशाली छात्रों से मिले एलजी

'युवा पीढ़ी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाज के निर्माण की मजबूत नींव'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

युवा पीढ़ी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और विश्लेषणात्मक सोच का विकास अनुसंधान, नवाचार और भविष्य के लिए तैयार समाज के निर्माण की मजबूत नींव है। दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने गुरुवार को ओमान के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के एक समूह से मुलाकात के दौरान यह बात कही।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में ज्ञान अर्जित करने की ललक और विज्ञान के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है। ऐसे प्रतिभाशाली युवा भविष्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देकर समाज और मानवता की प्रगति में अहम भूमिका निभा सकते हैं। ये छात्र आईआईटी गांधीनगर में विज्ञान भारती (विज्ञान भारती) द्वारा आयोजित शास्त्र प्रतिभा प्रतियोगिता के विजेता हैं। उपराज्यपाल ने छात्रों की वैज्ञानिक जिज्ञासा, खोजी सोच और सीखने के प्रति उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि तरणजीत सिंह संधू ने विज्ञान भारती के प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संस्था नई पीढ़ी के नवप्रवर्तकों को प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें भारत की समृद्ध वैज्ञानिक विरासत से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रही है। उपराज्यपाल ने सभी विजेता छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल शैक्षणिक भविष्य और वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने ज्ञान, नवाचार और अनुसंधान के माध्यम से वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनाएंगे।

हर मरीज को मिलनी चाहिए समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं: पंकज

स्वास्थ्य मंत्री ने सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

'हर मरीज को समयबद्ध और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए। हमारी सरकार बेहतर आधारभूत ढांचे, पर्याप्त मानव संसाधन, आधुनिक जांच सुविधाओं और मरीज-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से हर सरकारी अस्पताल को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने गुरूवार को क्षेत्रीय विधायक राजकरण खत्री के साथ दिल्ली देहात के नरेला स्थित सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल का औचक निरीक्षण के बाद यह बात कही। इस दौरान मंत्री ने अस्पताल की आधारभूत संरचना, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं और परिचालन व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। वहीं, विधायक खत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने अस्पताल को उपेक्षित समझा और अब हमारी सरकार यहां बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संकल्पित है। मंत्री डॉ. पंकज ने आपातकालीन विभाग, महिला एवं शिशु ऑब्जर्वेशन वार्ड, माइनर ऑपरेशन थिएटर, प्लास्टर वार्ड, हड्डी रोग विभाग सहित अस्पताल की विभिन्न प्रमुख इकाइयों का दौरा किया। चिकित्सा अधीक्षक (एमएस) और वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली की विस्तार से समीक्षा की।

सड़कों से गायब होने लगे सफाई कर्मचारी, कई-कई दिन नहीं लगती झाड़

नई दिल्ली। लक्ष्मीनगर विधानसभा के मंडावली इलाके में सड़कों से सफाई कर्मचारी गायब होने लगे हैं। कुछ दिन पहले सफाई कर्मचारी मंडावली की गलियों की सड़कों पर रोज सफाई करने के लिए आते थे लेकिन अब कई कई दिन हो जाते हैं सड़कों की सफाई नहीं होती है। मंडावली की गली नंबर 2 और 3 और शिव मंदिर सड़कों पर अब रोजाना सफाई नहीं हो रही है। यहां की नालियां भरी पड़ी हैं। नालियां भरी होने के कारण पानी सड़कों पर आ रहा है। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। गुरुवार हुई सुबह बारिश से मंडावली मुख्य मार्ग से लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। दरअसल जरा सी बारिश में ही सड़क पर कई जगह पानी भर गया। वैसे बता दें कि इस सड़क को बनाने का काम पिछले तीन महीने से चल रहा है लेकिन अभी तक नाला बनने का काम भी पूरा नहीं हुआ है। जिससे लोगों को परेशानियां हो रही हैं। सड़क न बनने से सबसे अधिक इस रोड के दुकानदार हैं। उनका कहना है सड़क न बनने से उनका कारोबार ठप हो गया है।

निगमायुक्त ने आदर्श नगर में नालों की डिसिल्टिंग कार्य का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मानसून की दस्तक के साथ ही दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजीव खिरवार ने गुरुवार को सिविल लाइंस क्षेत्र अंतर्गत आदर्श नगर वार्ड में निरीक्षण कर मानसून की तैयारियों और नालों की डिसिल्टिंग (गाद निकालने) के कार्य की समीक्षा करते हुए मौके पर ही कई नए दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर आयुक्त के अलावा आदर्श नगर से विधायक राज कुमार भाटिया, पार्षद मुकेश गोयल, सिविल लाइंस क्षेत्र के उपायुक्त शशि प्रताप सिंह, प्रमुख अभियंता पी.सी.मीणा व पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त खिरवार ने आदर्श नगर मेट्रो स्टेशन के पास स्थित नालों में भरी गाद को देखकर डिसिल्टिंग के लिए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए। आयुक्त खिरवार ने मेट्रो स्टेशन के पास लगने वाली मुर्गा मंडी में अवैध लाइसेंस पर चलने वाली दुकानों पर कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए। वहीं जगह जगह लहसुन प्याज की छंटाई के बाद उनके छिलकों को नाले में बहाने पर नाराज आयुक्त ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश देते हुए छिलकों को नाले से निकलने के आदेश दिए।

दिल्ली में घर खरीदने का सुनहरा मौका

डीडीए ने 25 प्रतिशत छूट के साथ रजिस्ट्रेशन की डेट एक महीना बढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) अपने उपभोक्ताओं को दिल्ली में घर खरीदने का सुनहरा मौका दिया है। प्राधिकरण ने डीडीए फ्लैट्स में 25 प्रतिशत की भारी छूट के साथ रजिस्ट्रेशन की तारीख एक महीना बढ़ाकर 31 जुलाई 2026 कर दी गई है। डीडीए ने अपनी आवास योजना में विभिन्न आय वर्ग के लोगों को 25 प्रतिशत की छूट के साथ पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर फ्लैट खरीदने का मौका दिया है। डीडीए विभिन्न आय वर्ग के लोगों के लिए कम कीमत में फ्लैट उपलब्ध करा रही है। इसी बुकिंग पर 25 प्रतिशत का डिस्काउंट भी दिया जा रहा है। यह योजना उच्च आय वर्ग (एचआईजी), मध्यम आय वर्ग (एमआईजी), निम्न आय वर्ग (एलआईजी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। बता दें, यह योजना 23 जनवरी को शुरू की गई थी, जिसमें नरेला और सिरसपुर में किफायती आवास उपलब्ध कराए है। इनमें से नरेला में कुल 3,245 फ्लैट उपलब्ध हैं, जिनमें से 1,944 मार्च में शामिल किए गए थे। वहीं सिरसपुर में 411 एलआईजी फ्लैट उपलब्ध हैं। एचआईजी फ्लैट की बुकिंग राशि 10 लाख रुपये, एमआईजी फ्लैट के लिए 4 लाख रुपये, एलआईजी फ्लैट के लिए 1 लाख रुपये और ईडब्ल्यूएस फ्लैट के लिए 50 हजार रुपये बुकिंग राशि रखी गई है। आवेदकों को आवास पोर्टल पर 2500 रुपये का एकमुश्त रजिस्ट्रेशन शुल्क देना होगा।

महापौर ने खंडेलवाल के साथ 75 स्वच्छता वाहनों को दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

महापौर प्रवेश वाही ने भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल के साथ केशवपुरम जोन में 75 अतिरिक्त स्वच्छता वाहनों को हरी झंडी दिखाते हुए पुन सफाई व स्वच्छता की प्रतिबद्धता दोहराई है। वाही ने कहा कि दिल्ली नगर निगम राजधानी में स्वच्छता अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए हर हाल में प्रतिबद्ध है। गुरुवार को रानी झांसी स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में केशवपुरम जोन के लिए 75 अतिरिक्त स्वच्छता वाहनों एवं मशीनों को बेड़े में शामिल किया है।

इस अवसर पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल, शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा, केशवपुरम जोन के अध्यक्ष विकेश सेठी, उपाध्यक्ष अजय रवि हंस, कई पार्षद व जोन के उपायुक्त मोहित बंसल आदि मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि केशवपुरम जोन में कुल 75 नए स्वच्छता वाहन एवं मशीनें शामिल की गई है, जिनमें 30 लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी), 8 हाइवा ट्रक, 4 जेसीबी मशीन, 30 थ्री-व्हीलर तथा 3 जेटिंग मशीन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन आधुनिक संसाधनों से कचरा संग्रहण, परिवहन, नालों की सफाई तथा अन्य स्वच्छता संबंधी कार्यों में गति आएगी और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि होगी।

खबर संक्षेप

धमकी के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना डबुआ क्षेत्र में युवक को बंधक बनाकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में थाना डबुआ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिसकी पहचान दिशान उर्फ बोंचा निवासी डबुआ फरीदाबाद के रूप में हुई है। जिसको अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पुलिस ने एक किशोर सहित 2 आरोपियों को पहले ही काबू कर लिया था। पुलिस के अनुसार राहुल निवासी डबुआ कॉलोनी ने शिकायत में बताया था कि 26 जून को बोंचा, चिराग और मोहित तीनों मिलकर उसे तथा उसके साथी जितेंद्र को प्याली चौक के पास स्थित एक खाने की दुकान से स्कूटी पर बैठाकर डबुआ कॉलोनी में अपने एक साथी के घर ले गए। वहां उनको बंधक बनाकर मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत के आधार पर थाना डबुआ में संबंधित धाराओं के तहत मामला किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता राहुल और उसका साथी डबुआ मंडी के बाहर रेहड़ी लगाते हैं। दिशान उर्फ बोंचा और उसका साथी मन्नू उनसे रेहड़ी लगाने के एवज में पैसों की मांग कर रहे थे।

सुनील राय सेवानिवृत्त,दी गई भावभीनी विदाई

गाजियाबाद । नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी सुनील राय सेवा निवृत हो गए सेवानिवृत होने के बाद नगर निगम मुख्यालय में अधिकारियों कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर इस स्नेह प्रेम के लिए सुनील राय ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्हें उपहार भी भेंट किये गए। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र ने कहा कि सुनील राय एक जनप्रिय अधिकारी थे कर्तव्यों का निर्वहन बेहतर ढंग से करते थे। निर्माण एन के चौधरी ने कहा कि सुनील राय एक शानदार अधिकारी थे। इस मौके पर पशु कल्याण अधिकारी डॉ. एके सिंह,जोनल प्रभारी पल्लवी सिंह,विधि अधिकारी गौरव विशाल ,कर्मचारी नेता चोब सिंह, मयूर गिरधर आदि।

नाराज निगम कर्मचारियों ने झाड़ू प्रदर्शन किया

नगर निगम कर्मचारियों ने हाथ में उल्टी झाड़ू लेकर निकाला विरोध जुलूस, तीन दिवसीय हड़ताल की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

13 मई 2026 के हड़ताल के समझौते को लागू न करने से नाराज नगर निगम कर्मचारियों ने नगर निगम मुख्यालय पर भोजन अवकाश के समय किया झाड़ू प्रदर्शन और दी तीन दिवसीय हड़ताल की चेतावनी। नगर निगम मुख्यालय से एकत्रित होकर कर्मचारियों ने हाथ में उल्टी झाड़ू लेकर निकाला विरोध जलूस लगाये सरकार पर गंभीर आरोप।

गुरुवार के विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलबीर सिंह बालगुहेर ने की एवं सचिव महेंद्र कुडिय़ा ने किया। आज के प्रदर्शन में नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सरकार पर लगाए वायदा खिलाफी के आरोप और बताया कि 1 मई से 14 मई तक पूरे प्रदेश की पालिका, परिषद, निगमों के

कर्मचारियों ने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने एवं अन्य 22 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल की हड़ताल के बीच 13 मई 2026 को संघ के प्रतिनिधिमंडल और शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल के बीच वार्ता हुई। वार्ता में 22 मांगो में से 17 पर सहमति बनी और सरकार ने आश्वासन दिया कि 30 जून तक सरकार सभी मानी गई मांगों के पत्र जारी करेगी। शास्त्री ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार हड़ताल के समझौते को ईमानदारी से लागू नहीं कर रही है यह कर्मचारियों के साथ धोखा है। सरकार की वायदा खिलाफी से नाराज पूरे प्रदेश के पालिका, परिषद एवं निगमों के कर्मचारी 6, 7 व 8 अगस्त 2026 को करेंगे। 3 दिवसीय हड़ताल नेताओं ने कहा कि हड़ताल से पूर्व 1 व 2 जुलाई को फरीदाबाद का कर्मचारी करेगा विशाल झाड़ू प्रदर्शन एवं 7 जुलाई से 22 जुलाई तक संघ का राज्य प्रतिनिधि मंडल प्रदेश के सभी जिलों में जिला स्तरीय रैली कर कर्मचारियों को सरकार की वायदा खिलाफी से अवगत करवाएंगे। आगामी 3 दिवसीय हड़ताल को मजबूत करने की करेंगे अपील 14 जुलाई 2026 को जिला फरीदाबाद में संघ के नेता जिला स्तरीय रैली करेंगे। आज के विरोध प्रदर्शन में अन्य के अलावा संघ के राज्य उप महासचिव सुनील चिंडालिया, राज्य उपाध्यक्ष कमला, जिला सचिव अनिल चिंडालिया, सफाई कर्मचारी यूनियन प्रधान बलबीर बालगुहेर, जिला कोषाध्यक्ष रघुबीर चौटाला, जिला उप प्रधान सुदेश जैनवाल, राकेश चिंडालिया, सफाई कर्मचारी यूनियन के वरिष्ठ उपप्रधान श्रीनन्द ढक्कोलिया, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र छाबड़ा, महिला नेता सुरेश देवी, ललिता, कविता, सफाई कर्मचारी यूनियन के जोन प्रधान राजबीर चिंडालिया, प्रेमपाल, नरेश भगवाना, दर्शन सोया, सुरेन्द्र चौटाला, सैनिटेशन स्टाफ यूनियन के प्रधान राहुल चिंडालिया, विशाल पारछा, सीवर मैन कर्मचारी यूनियन के मनोज सौदे, उप प्रधान दिनेश, विशाल सौदे, मास्टर अनिल, वाटर सप्लाई यूनियन के कोषाध्यक्ष महेश शर्मा, बेलदार कर्मचारी यूनियन के जयबीर, चालक यूनियन के प्रधान दान सिंह, सुरेश मैलांदा, हरि सिंह खंडिया आदि।

क्राईम ब्रांच सेक्टर-56 व थाना धौज की टीम ने आरोपी को किया गिरफ्तार

सीआईए को ठिकाना बताने पर युवक पर स्कॉर्पियो चढ़ाई, घर पर भी किया हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सीआईए से बचकर भाग रहे स्कॉर्पियो सवार दो आरोपियों ने एक युवक को कुचल दिया। आरोपियों ने युवक को मारने के लिए करीब 200 मीटर तक उसका पीछा भी किया। जब युवक सडक़ क्रॉस कर भागने लगाए आरोपियों ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही आरोपी कई फीट दूर जाकर गिरा। आरोपियों ने टक्कर मारकर पास के ही एक मकान की दीवार भी गिरा दी। इस वारदात में युवक को गंभीर चोट लगी है।

आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां गंभीर हालत में उसका इलाज चल रहा है। क्राईम ब्रांच ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

उधर, पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी स्कॉर्पियो सवारों का शक था, युवक

ने सीआईए को उनके ठिकाने की सूचना दी है। इस वारदात से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी युवक को टक्कर मारते दिखाई दे रहे हैं। घटना से जुड़ा एक 17 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है। इसमें आरोपी स्कॉर्पियो को खेतों के रास्ते दौड़ाता नजर आ रहे हैं। गाड़ी के आगे-आगे कुछ युवक भी बचकर भागते नजर आ रहे हैं। कुछ युवक दौडक़र साइड हट जाते हैं, वहीं पीड़ित साद्दिक उर्फ शहबाज गाड़ी के आगे दौड़ता रहता है। खेत से निकलते ही गाड़ी रोड पर चढ़ती है।

आरोपियों ने कुचलने के लिए नफीस पर स्कॉर्पियों दौड़ा दी

परवेज को शक था कि नफीस ने ही उसके बारे में सीआईए को जानकारी दी है। कुछ ही देर बाद दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। इसके बाद आरोपी दोनों पक्ष हंगामा करते-करते खेतों की तरफ आ गए। इसके बाद आरोपियों ने नफीस को कुचलने के लिए उसके पीछे स्कॉर्पियो दौड़ा दी। गाड़ी की टक्कर लगते ही नफीस दूर जाकर गिरा। उसके गंभीर चोटें लगी है। परिजनों और आसपास के लोगों ने उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। नफीस के साथ इस घटना में 3-4 अन्य लोग भी घायल हुए हैं। अपराध शाखा सेक्टर 56 व थाना धौज की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, जिसकी पहचान तहसीम निवासी गांव धौज के रूप में हुई है।

331.75 करोड़ रुपए में 4.95 एकड़ जमीन खरीदी

जीपीएल लिमिटेड दो हजार करोड़ की आवासीय परियोजना विकसित करेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

देश की प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड जीपीएल ने नोएडा के सेक्टर-151 में 4.95 एकड़ आवासीय भूमि की ई-नीलामी में सबसे ऊंची बोली लगाकर यह भूखंड 331.75 करोड़ रुपए में हासिल किया है। कंपनी की योजना यहां एक प्रीमियम ग्रुप हाउसिंग परियोजना विकसित करने की है, जिससे 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित आय होने की संभावना जताई गई है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव पांडे ने कहा कि नोएडा बाजार में कंपनी की मौजूदा परियोजनाओं को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। नई परियोजना कंपनी के एनसीआर पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगी तथा प्रमुख शहरों के उभरते माइक्रो-मार्केट्स में विस्तार की रणनीति को गति देगी। इस परियोजना में विभिन्न कॉन्फ़िगरेशन के आधुनिक और प्रीमियम आवासीय अपार्टमेंट विकसित किए जाएंगे। सेक्टर-151 की यह लोकेशन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान करती है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक भी आसान पहुंच उपलब्ध होगी। क्षेत्र में बेहतर सड़क नेटवर्क, शैक्षणिक संस्थान और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी बुनियादी सुविधाएं पहले से मौजूद हैं, एचडीएफसी बैंक के ई-टेंडरिंग पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, गोदरेज प्रॉपर्टीज सेक्टर-151 स्थित 20,050 वर्गमीटर के इस आवासीय भूखंड के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी रही। नोएडा प्राधिकरण कंपनी को आवंटन पत्र जारी करेगा।

क्राईम ब्रांच डीएलएफ ने आरोपी को रिमांड पर लेकर की पूछताछ

पंचशील कॉलोनी में पति ने की थी पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार, दोनों के बीच 25 जून को हुआ था विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बीते 25 जून को थाना पल्ला क्षेत्र के अंतर्गत पंचशील कॉलोनी में पत्नी की हत्या के मामले में अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने आरोपी पति अमित निवासी न्यू प्रियंका कैंप मदनपुर दिल्ली हाल निवासी पंचशील कॉलोनी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। वह, वारदात के बाद से ही फरार चल रहा था, जिसको पुलिस टीम ने 1 जुलाई को वृंदावन से काबू किया गया और न्यायालय में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि अमित का अपनी पत्नी नेहा के साथ मनमुटाव चल रहा था। उसकी पत्नी अक्सर अशोक विहार दिल्ली में रहने वाली अपनी बहन के पास मिलने

जाती थी और कई-कई दिनों तक वहीं पर रहती थी। आरोपी को यह अच्छा नहीं लगता था। जिस बारे उसने अपनी पत्नी को मना भी किया था। 25 जून को दोनों के बीच बहन के घर जाने को लेकर विवाद हुआ था और गुस्से में अमित ने नेहा का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद हत्या को हादसा दर्शाने के उद्देश्य से उसने बाथरूम के अंदर मृतका के सिर को पानी में डुबा दिया और मौका से भाग गया।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार 25 जून को पंचशील कॉलोनी में नेहा कुमारी की हत्या के संबंध में उसके पिता विजय प्रसाद निवासी मुजफ्फरपुर बिहार की शिकायत पर 26 जून को पति अमित के विरुद्ध थाना पल्ला में मामला दर्ज किया गया था।

एके सिंह बने गुरजिंदर कॉलोनी के अध्यक्ष

गाजियाबाद। एक सिंह को गुरजिंदर विहार ए डब्ल्यू एच ओ कॉलोनी ग्रेटर नोएडा का अध्यक्ष चुना गया है। इसके अलावा कम द बेस्ट को उपाध्यक्ष करनल अभय राजवंशी को सचिव तथा विनीता को कोषाध्यक्ष चुना गया।

ग्रो सेफ फ़ूड अभियान के तहत किसानों को सुरक्षित खेती का संदेश

वैज्ञानिकों ने कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग, समेकित कीट प्रबंधन एवं सुरक्षित खाद्य उत्पादन की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

किसानों को सुरक्षित खाद्य उत्पादन, पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलित कीटनाशी उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ग्रो सेफ फ़ूड अभियान अभियान के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, मुरादनगर, गाज़ियाबाद में किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक फसल संरक्षण तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद एवं सब्जेक्ट मैटर स्पेशलिस्ट डॉ. आकांक्षा ने समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम), आर्थिक क्षति

स्तर (ईटीएल), फेरोमोन ट्रैप, येलो स्टिकी ट्रैप, लाइट ट्रैप तथा जैविक एवं वैज्ञानिक फसल सुरक्षा उपायों की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने किसानों से रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम कर वैज्ञानिक एवं पर्यावरण-अनुकूल उपाय अपनाने का आह्वान किया। जिला कृषि रक्षा अधिकारी अमित कुमार ने किसानों को केवल अधिकृत एवं गुणवत्तायुक्त कीटनाशकों के प्रयोग की सलाह देते हुए कहा कि कीटनाशकों के लेबल एवं पर्चे पर अंकित निर्देशों का पालन करना सुरक्षित खेती और गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादन के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संतुलित एवं विवेकपूर्ण कीटनाशी उपयोग पर विशेष बल दिया।

समाज सेवी अरोड़ा ने लिया था संकल्प

अब हर मंदिर में होंगे मोक्षदायिनी मां गंगा के दर्शनः डॉ संजीव अरोड़ा गंगापुत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

इंद्रप्रस्थ संजीवनी के अध्यक्ष, प्रसिद्ध समाजसेवी गंगापुत्र की उपाधि से सम्मानित डॉ संजीव अरोड़ा गंगापुत्र ने जो संकल्प लिया था आज वह पूरा होता दिख रहा है। दिल्ली के लगभग 700 से 800 मंदिरों में मां गंगा के स्वरूप को स्थापित किया गया है। डॉ अरोड़ा ने यह संकल्प गत तीन माह पहले लिया था कि दिल्ली के हर मंदिर में मां गंगा के स्वरूप की स्थापना करेंगे। उनका कहना है कि जब श्रद्धालु मंदिर जाते थे, तो हर भगवान के दर्शन होते थे परंतु मोक्षदायिनी पतित पावनी मां गंगा के दर्शन नहीं होते थे। ऐसे में उन्होंने विचार किया कि मां गंगा न केवल

प्राणियों को मोक्ष देती हैं अपितु उनका जीवनयापन भी करती है। उनकी प्यास बुझाती हैं। यदि जल ना हो तो प्राणियों का कल भी ना हो। जल के बिना जीवन अधूरा है, कुछ भी नहीं। गत तीन माह से डॉ. अरोड़ा इंद्रप्रस्थ संजीवनी के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर मंदिर-मंदिर जाकर मां के स्वरूप को तो स्थापित कर ही रहे हैं।

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-2026 को लेकर फरीदाबाद पुलिस सतर्क

यातायात व्यवस्था के लिए सहायक पुलिस आयुक्त ट्रैफिक की जिम्मेदारी

700 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की रहेंगी परीक्षा केंद्रों पर ड्युटियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा 4-5 जून को राज्य में हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिला फरीदाबाद में भी 14 परीक्षा केंद्रों कॉलेज, स्कूल पर इस परीक्षा का आयोजन तीन सत्रों प्रातःकालीन एवं सायंकालीन में किया जायेगा। परीक्षा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से फरीदाबाद पुलिस द्वारा विशेष सुरक्षा प्रबंध कर लिये गये हैं तथा परीक्षा ड्यूटी के लिये 700 से अधिक पुलिस कर्मचारी नियुक्त किये गये हैं। पुलिस के अनुसार प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर 6 पुलिस कर्मचारियों की सुरक्षा ड्युटियां लगाई गई हैं वहीं निगरानी के लिये छत पर 2 अतिरिक्त पुलिस कर्मचारी तैनात होंगे, साथ यातायात व्यवस्था के लिए प्रत्येक केन्द्र पर अलग से 2 ट्रैफिक कर्मचारी नियुक्त किये गये हैं।

इस प्रकार से एक परीक्षा केन्द्र पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के लिये 10 पुलिस कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। सेंट्रल, बल्लबगढ़ व एनआई टी जोन में मुख्यालय पर एक-एक प्लाटून को रिजर्व रखा गया है। सभी प्रबंधक थाना अपने-अपने क्षेत्र में होटल, धर्मशाला, सराय आदि स्थानों की नियमित रूप से चेकिंग सुनिश्चित करेंगे तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के मिलने पर तुरंत गहनता से जांच कर कार्रवाई करेंगे। इसके साथ ही होटल, धर्मशाला एवं सराय संचालकों द्वारा प्रत्येक ठहरने वाले व्यक्ति के वैध पहचान दस्तावेज का रिकॉर्ड संबंधित द्वारा रखा जाएगा। सभी प्रबंधक थाना व प्रभारी चौकी अपने-अपने क्षेत्र में परीक्षा केंद्रों के आसपास शांति व्यवस्था तथा यातायात के सुचारू संचालन के लिये भी जिम्मेवार होंगे। दिल्ली-बदरपुर बॉर्डर की तरफ से आने वाले मार्ग, पलवल-फरीदाबाद मार्ग, मांगर-पाली बॉर्डर तथा शूटिंग रेंज बॉर्डर दिल्ली की तरफ से आने वाले मार्ग पर अलग से यातायात ड्यूटियां लगाई जाएगी।

गुस्साए परिजनों ने शव सड़क पर रखकर लगाया जाम, आरोपियों का एनकाउंटर करने की मांग

जन्मदिन के बहाने सुनसान जगह बुलाया और कर दी दोस्त की चाकुओं से गोदकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

तीन संदिग्ध पुलिस हिरासत में

थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके के शांतिनगर में बुधवार देर रात दोस्तों ने 22 वर्षीय युवक को जन्मदिन के बहाने अपने पास बुलाकर पहले शराब पिलाई और उसके बाद चाकुओं से गोदकर नृशंस हत्या कर दी। गुस्साए परिजनों ने शव सड़क पर रखकर जाम लगाया। घंटों बाद पुलिस

के समझाने के बाद जाम खोला गया। पुलिस में मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस ने इस मामले में तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। एक आरोपी किसी मामले में जेल में था, जो हाल ही में जमानत पर आया था। मरने वाला युवक 22 वर्षीय मोहित शर्मा है। जो शांतिनगर का निवासी बबलू शर्मा का छोटा पुत्र था। बबलू के दो बेटे व एक बेटी है। सहायक पुलिस आयुक्त प्रिया श्रीपाल ने बताया कि मोहित का मोहल्ले के कुछ युवकों से पुराना विवाद चल रहा था। करीब दो सप्ताह पहले मोहित का उसके दोस्त गौरव, देव व हरि से विवाद हो गया था। मोहित के गौरव को थप्पड़ मार दिया था। लोगों के हस्तक्षेप के बाद समझौता भी हो गया था। पाल ने कहा कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आरोपियों ने बुधवार की रात में उसे जन्मदिन की पार्टी के बहाने घर के पास सुनसान जगह पर बुलाया था। देर रात करीब ढाई बजे तक मोहित और चार-पांच युवकों ने वहां शराब पी। पार्टी के दौरान ही हमलावरों ने मोहित के पेट, छाती और गले पर धारदार हथियार से कई वार किए।

व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए बनाया शिकार, धाताधारक गिरफ्तार

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 95.65 लाख की साइबर ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

थाना साइबर एनआईटी की टीम ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 95.65 लाख की साइबर ठगी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक खाताधारक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहत अंसारी निवासी गांव बंडौहरी, जिला गया (बिहार) के रूप में हुई है। उसे 1 जुलाई 2026 को गया बिहार से गिरफ्तार किया गया। पुलिस प्रवक्ता अनुसार चार्मवुड विलेज, सूरजकुंड निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि 10 फरवरी 2026 को उसके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप संदेश प्राप्त हुआ। संदेश भेजने वाले ने स्वयं को एक प्रतिष्ठित निवेश कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी की सहायक बताते हुए शेयर मार्केट में निवेश का प्रस्ताव दिया। इसके बाद शिकायतकर्ता को कंपनी के नाम से बनाए गए एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया गया।

खबर संक्षेप

अफसर से मैसेज भेजा तब एनकाउंटर हुआ

पटना। बिहार के भोजपुर जिले में पिछले महीने हुए भरत तिवारी एनकाउंटर पर राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सीएम सम्राट चौधरी को आड़े हाथों लेते हुए बड़ा दावा किया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने दावा किया कि एक बड़े अफसर द्वारा मैसेज भेजा गया था, तब एनकाउंटर हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि बिना मुख्यमंत्री की अनुमति से ऐसा करने की किसी हिम्मत नहीं है।

अधिकारियों के प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र

प्रशासनिक क्षमता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र बनकर तैयार, मुख्यमंत्री योगी आज करेंगे लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सुशासन को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह तथा भविष्य की प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की दिशा में योगी सरकार शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण संस्थागत उपलब्धि जोड़ने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के अत्याधुनिक नवीन परिसर का लोकार्पण करेंगे। लगभग 464 करोड़ से अधिक की लागत से 22.5 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित यह परिसर प्रदेश की सात दशक से अधिक पुरानी प्रशासनिक प्रशिक्षण व्यवस्था को आधुनिक अधोसंरचना, उन्नत तकनीक और वैश्विक प्रशिक्षण मानकों से जोड़ते हुए नई दिशा देगा। आईएएस, पीसीएस समेत विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण तथा नेतृत्व विकास का यह केंद्र भविष्य की प्रशासनिक चुनौतियों के अनुरूप उत्तर प्रदेश की शासन व्यवस्था को और अधिक सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रदेश की प्रशासनिक मशीनरी को मिलेगी नई ऊर्जा: यह परिसर केवल एक प्रशिक्षण संस्थान नहीं होगा, बल्कि प्रदेश की प्रशासनिक मशीनरी के सतत क्षमता निर्माण का प्रमुख केंद्र बनेगा। राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित अधिकारियों के अलावा विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पुनर्प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन और विषय-विशेष प्रशिक्षण की भी यहां व्यापक व्यवस्था होगी।

75 वर्षों की प्रशासनिक प्रशिक्षण व्यवस्था को मिलेगा आधुनिक स्वरूप

यूपी की प्रशासनिक प्रशिक्षण व्यवस्था की शुरुआत वर्ष 1951 में ऑफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल (ओटीएस) से हुई थी। पिछले सात दशकों से अधिक समय में इस संस्थान ने भारतीय प्रशासनिक सेवा , प्रांतीय सिविल सेवा , न्यायिक सेवा, राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित ग्रुप 'ए' एवं ग्रुप 'बी' अधिकारियों तथा विभिन्न विभागों के अफसर और कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बदलते समय में शासन की चुनौतियों व प्रशासनिक दायित्वों के विस्तार को देखते हुए इस ऐतिहासिक संस्था को अत्याधुनिक प्रशिक्षण अवसंरचना से सशक्त किया गया है, ताकि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप प्रशासनिक नेतृत्व तैयार किया जा सके।

प्रशासनिक उत्कृष्टता का केंद्र बनेगा नया परिसर

नई प्रशिक्षण अधोसंरचना का उद्देश्य अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ प्रशासनिक कार्य-संस्कृति को अधिक दक्ष, उत्तरदायी और परिणामोन्मुख बनाना है। यहां आईएएस, पीसीएस, न्यायिक सेवा, राज्य सेवाओं तथा विभिन्न विभागों में चयनित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के फाउंडेशन, इंडक्शन और मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसके साथ ही नेतृत्व विकास, नीति क्रियान्वयन, डिजिटल गवर्नेंस, परियोजना प्रबंधन, नवाचार, आपदा प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन और जनसेवा जैसे विषयों पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे बदलती प्रशासनिक चुनौतियों के अनुरूप अधिकारियों की निर्णय क्षमता और कार्यकुशलता को नई मजबूती मिलेगी।

पेज एक का शेष

राम मंदिर दान ...

के फैसले के बाद स्थापित सार्वजनिक ट्रस्ट है। इसलिए इस पर पारदर्शिता और जवाबदेही के सर्वोच्च मानक लागू होने चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था और दानदाताओं के विश्वास की रक्षा के लिए मामले की जांच किसी उच्च स्तरीय स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए तथा पूरी जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो।

बिहार, एमपी और ...

विधानसभा सीट शामिल है। बिहार की बांकीपुर सीट बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के कारण खाली हुई थी, जबकि गुजरात की मांजलपुर सीट विधायक योगेशभाई नारायणदास पटेल के निधन के बाद रिक्त हुई है। वहीं, मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को एक मामले में दो वर्ष से अधिक की सजा मिलने के बाद उनकी सदस्यता स्वतः समाप्त हो गई थी, जिसके चलते यहां दोबारा चुनाव कराए जा रहे हैं। इस बार मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर मुकाबला बेहद दिलचस्प और हाई-प्रोफाइल होने की उम्मीद है। बीजेपी की ओर से प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को इस उपचुनाव के लिए सबसे मजबूत और संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले मुख्य विधानसभा चुनाव में नरोत्तम मिश्रा को इसी सीट पर कांग्रेस के राजेंद्र भारती के हाथों हार का सामना करना पड़ा था, जिससे इस सीट का समीकरण अब काफी रोचक हो गया है।

आर्थिक सुरक्षा पर ...

मिली है। गौरतलब है कि जापान की प्रधानमंत्री बीते बुधवार से भारत की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। जिसके तहत ही उन्होंने पीएम मोदी के साथ इस वार्षिक सम्मेलन में शिरकत की। पूर्व में उनका स्वागत राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में दिए गए गार्ड ऑफ आर्नर के साथ किया गया।

क्षेत्र में शांति-स्थिरता ...

में आटोमोटिव से लेकर इलेक्ट्रानिक्स तक जापान ने भारत की विकास यात्रा का एक अहम हिस्सा बनकर दोस्ती, विश्वास की अमूल्य पूंजी बनाई है। आज प्रधानमंत्री ताकाइची की यात्रा से हम अपनी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं।

रक्षा समझौते ...

पहुंचाने का काम करेंगे।

जापान करेगा 10 ट्रिलियन येन का निवेश : उन्होंने दोनों देशों के लक्ष्य में स्पष्टता का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी निवेश भागीदारी लगातार सुदृढ़ हो रही है। पिछले 12 महीनों में 100 से अधिक नए व्यापार समझौते हुए हैं, जिनकी मदद से भारत में 10 बिलियन डॉलर से अधिक का जापानी निवेश आएगा। आगामी एक दशक में जापान से भारत में 10 ट्रिलियन येन का निवेश के साथ ही देश में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी करने का लक्ष्य तय किया गया है। भारत में लगातार हो रहे सुधारों से व्यापार में सुगमता बढ़ी है। जापान की कंपनियां भी इस स्थिति का लाभ उठा सकती हैं।

यूं मजबूत होगी लचीली सप्लाई चेन: प्रधानमंत्री के मुताबिक, अनिश्चितता से भरे इस युग में भारत और जापान आर्थिक तथा ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को भली भांति समझते हैं। इसी दिशा में आर्थिक सुरक्षा के लिए एक संयुक्त रोडमैप तैयार किया है। साथ ही ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भी कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। दोनों देश आर्थिक सुरक्षा को साझा सुरक्षा और ऊर्जा बदलाव को साझा अवसरों के रूप में देखते हैं। जिनके साथ आगे बढ़ने की दिशा में हम काम करेंगे और उसे परिवर्तित करेंगे। वहीं, आर्थिक सुरक्षा रोडमैप के जरिए हम सेमीकंडक्टर, क्वांटम और उन्नत मटेरियल जैसे सामरिक क्षेत्रों में सप्लाई चेन के लचीलेपन को सशक्त करेंगे।

देश में लगेंगे 1 हजार बायोगैस प्लांट : ऊर्जा सुरक्षा को लेकर लिए गए निर्णयों में इंडिया-जापान बायोगैस कदम के माध्यम से भारत में 1 हजार बायोगैस और आर्गेनिक उर्वरक प्लांट लगाने में सहायता मिलेगी। जिससे हमारी गोवर्धन पहल और अधिक मजबूत होगी। गांवों में संवहनीयता, समृद्धि तथा ग्रामीण जीवन को एक नई ताकत मिलेगी। तेल के झटकों से बचने के लिए भी दोनों देशों ने एक नई पहल की है। इसके अलावा बैटरी, ग्रीन हाइड्रोजन, परमाणु ऊर्जा में हमारा सहयोग दुनिया के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य में अहम योगदान देगा।

तैयार हुआ गतिशीलता साझेदारी फ्रेमवर्क : उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने अगली पीढ़ी का गतिशीलता साझेदारी फ्रेमवर्क भी तैयार किया है। जिससे अब हम ऑटोमोटिव क्षेत्र में अपनी सफलता की कहानी को जहाज निर्माण, विमानन और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में भी दोहराएंगे। संबंधों की बड़ी ताकत लोगों के बीच मौजूद संबंध हैं। हम प्रतिभा गतिशीलता, कौशल और तकनीकी इंटर्नशिप कार्यक्रम के अवसरों में भी इजाफा कर रहे हैं। इतना ही नहीं शोध, शिक्षा व स्टार्टअप सहयोग भी मजबूत हो रहा है। 2027 में दोनों देश अपने कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे और इसके द्वारा दोनों देश अपनी संस्कृति, पर्यटन तथा रचनात्मक आर्थिक सहयोग से आपसी जुड़ाव को और प्रगाढ़ करेंगे।

सोच-अप्रोच में कहीं कोई अंतर नहीं: पीएम ने कहा कि सांस्कृतिक मूल्यों से लेकर आधुनिक तकनीक तक हमारी सोच और अप्रोच में भी समानता है। इससे बढ़कर हमारे संबंधों की नींव अटूट आपसी विश्वास पर टिकी हुई है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि दोनों देशों की यह विशेष साझेदारी सशक्त और समृद्ध जापान के आपके विजन, विकसित भारत के हमारे संकल्प व विश्व की प्रगति को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

जापान की पीएम को बताया छोटी बहनः उन्होंने जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची को अपनी छोटी बहन के रूप में संबोधित करते हुए उनकी पहली भारत यात्रा पर स्वागत करते हुए अत्यधिक प्रसन्नता जताई। साथ ही कहा कि वह एक दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता हैं और वह जापान के नारा प्रीफेक्चर से आती हैं। यह इलाका भारत, जापान की साझा बौद्ध विरासत का एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

16 परिणाम दस्तावेजों में काम की बातें

-आर्थिक सुरक्षा घोषणापत्र-सेमीकंडक्टर, दुर्लभ खनिजों, एआई, स्वच्छ ऊर्जा, फार्मास्युटिकल्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा। संस्थागत सार्वजनिक-निजी साझेदारी प्रगाढ़ होगी और प्राथमिकता के आधार पर प्रमुख परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा, सप्लाई चेन विविधता पर जोर दिया जाएगा।

- एआई सहयोग पर संयुक्त बयान-लचीले एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को सहयोग देने के लिए विकास पर ध्यान दिया जाएगा। उद्योग-अकादमिक साझेदारी, आर-एंड-डी साझेदारी, प्रतिभा गतिशीलता व मानव संसाधन आदान-प्रदान को बढ़ावा देंगे।

-ऊर्जा लचीलेपन से जुड़ा संयुक्त बयान-देश की ऊर्जा सुरक्षा को आगे बढ़ाने, सामरिक रिजर्व-तंत्र को उन्नत बनाने तथा समुद्री ऊर्जा यातायात में संयुक्त निवेश को बढ़ावा दिया जाएगा।

-यूं मनाएंगे कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ- 2027 होगा ईयर ऑफ शेयर्ड होरिजोंस, दोनों देशों के लोगों के बीच निकटता बढ़ेगी।

-बैटरी सहयोग को लेकर हुआ एमओयू- भारत में बैटरी निर्माण और ईवी इकोसिस्टम बढ़ेगा। जिससे विश्वसनीय, लचीली तथा सतत बैटरी सप्लाई चेन को प्रोत्साहित किया जा सकेगा। जापानी निवेश और भारत के साथ सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

-फार्मा, मेडिकल उपकरण क्षेत्र में हुआ एमओयू-भारत में शोध, अनुसंधान, क्षमता विकास, बीटूबी लिंकेज और संयुक्त वेंचर्स एमओयू का हिस्सा हैं। लचीली फार्मा सप्लाई चेन में सहयोग मजबूत होगा।

अन्य समझौते-जियोलाजी, मिनरल एक्सप्लोरेशन, बायोगैस को लेकर एमओयू हुआ है। एआई को लेकर आईआईटी बॉम्बे-भारत जेन टेक फाउंडेशन और जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉर्मेटिक्स के बीच एमओयू हुआ है। इसी विषय पर इंडिया एआई मिशन-मेटी और जापान के बीच एमओयू हुआ। जापान के रिकेन और भारत के सी-सीमैप के बीच अकादमिक-शोध सहयोग के लिए एमओयू हुआ। आईएफएससीए और जेएफएसए के बीच पत्रों का आदान-प्रदान किया गया है। एनआईएक्सआई व जेपीएनआईसी के बीच एमओयू और गतिशीलता सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भी दोनों देशों के बीच एमओयू हुआ है।

दुनिया को देखने ...

वैश्विक सुरक्षा में अपने योगदान को मजबूत करें।

यूं पार होगा 10 ट्रिलियन येन का लक्ष्य: उन्होंने कहा कि दोनों देशों की कंपनियों को साथ मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि कैसे अगले एक दशक में जापान से भारत में 10 ट्रिलियन येन के लक्ष्य को पार किया जाए? साथ ही भारत में जापानी कंपनियों की संख्या भी दोगुनी हो जाए? पीएम ने बताया कि आज मैंने और प्रधानमंत्री ताकाइची ने अपनी साझेदारी को और अधिक गतिशील तथा गहरा करने का फैसला लिया है। दोनों देशों के बीच एआई, आर्थिक सुरक्षा, रक्षा, स्वास्थ्य जैसे कई विषयों पर समझौते किए हैं। जिससे हमारी यह साझेदारी भविष्योन्मुखी और असीमित बन जाएगी। दोनों देशों की सरकारों के बीच रणनीतिक समन्वय, विश्वास के साथ-साथ स्पष्टता का सबसे बड़ा तत्व भी मौजूद है। अब इसे परिणामों में तब्दील करने का दायित्व आप सभी पर है।

मुश्किल हालातों में काम में जुट जाते मजबूत लोग : प्रधानमंत्री के मुताबिक, वर्तमान समय में आर्थिक दुनिया सप्लाई चेन में बाधाओं, व्यापार में अनिश्चितता और वैश्विक मांग में गिरावट से जूझ रही है। लेकिन यहां मैं एक मिसाल का उल्लेख करना चाहता हूं। जिसमें यह कहा जाता है कि जब हालात मुश्किल हो जाते हैं, तब मजबूत लोग काम में जुट जाते हैं। उन्होंने जापानी कंपनियों को भारत की हालिया समय की ग्रोथ स्टोरी से भी रूबरू कराया और कहा कि भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है। बीते वित्त वर्ष में हमारी जीडीपी 7.7% रही है। साथ ही पिछले 12 वर्षों में देश में लगातार सुधार की सोच को अपनाते हुए हम अपने आर्थिक डीएनए को सुधार रहे हैं। कुछ महीने पहले हमने कराधान, प्रशासन और व्यापार सुगमता के लिए अगली पीढ़ी के सुधार किए हैं। हर क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोला जा रहा है। जबकि कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में इंसेंटिव दिए जा रहे हैं। जिनका लाभ आप सभी उठा सकते हैं।

जापान के सर्वे से हुई पुष्टिः उन्होंने बताया कि निरंतर रूप से बीते चार वर्षों से जापान बैंक ऑफ इंटरनेशनल कापरेशन का सर्वे यह दिखाता है कि भारत जापान के व्यापार के लिए सबसे पसंदीदा क्षेत्र रहा है। मैं यहां बताना चाहता हूं कि मेरा कार्यालय यानी पीएमओ एक समर्पित जापान बिजनेस वीक का आयोजन करेगा। जिसमें पीएमओ के वरिष्ठ अधिकारी आपके साथ विचार-विमर्श करेंगे, आपकी समस्याओं को समझने के लिए और व्यापार सुगमता को बढ़ाने के लिए पूरे मन के साथ आपसे चर्चा करेंगे।

भारत से 100 देशों में जाती सुजुकी कारः प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और जापान के संबंध बेहद खास हैं। दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी के कई ज्वलंत उदाहरण हमारे सामने मौजूद हैं। अभी- अभी हमने हरियाणा के खरखौदा में मारुति सुजुकी के एक नए प्लांट का उद्घाटन किया है। आज पूरी दुनिया में सुजुकी की दो तिहाई कारें भारत में बनती हैं और यहां से कुल 100 से ज्यादा देशों को एक्सपोर्ट होने जा रही हैं। पीएम ताकाइची को मोटर बाइक का बहुत शौक है। मुझे बेहद खुशी है कि कावासाकी, यामाहा और होंडा की बाइक भी भारत से पूरी दुनिया में जाती हैं। इस तरह से जब जापान की विशेषज्ञता और निवेश भारत की गति और कौशल से जुड़ता है तो उससे पूरी दुनिया को फायदा होता है।

मप्र के 5 ....

का एक हिस्सा ढह गया। खदान मालिक ने मुआवजा देने पर सहमति जताई है। खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारी रंगप्पा ने बताया कि उन्होंने खदान मालिक से मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए और घायलों को पांच-पांच लाख रुपए देने के लिए कहा, जिस पर उसने सहमति दे दी है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि राज्य में खनन गतिविधियों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। उन्होंने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार हादसा ब्लास्टिंग से नहीं, बल्कि मिट्टी के खिसकने के कारण हुआ है।

व्हाट्स अप के नए ...

कंपनी ने बताया था कि वह अपने यूजर नेम फीचर को चरणबद्ध तरीके से वैश्विक स्तर पर, भारत सहित, शुरू कर रही है।

क्या है नया ...

जगह यूज़रनेम के माध्यम से बातचीत की जा सकेगी। कंपनी का कहना है कि यह फीचर उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता को और मजबूत करने के उद्देश्य से लाया जा रहा है।

सरकार को किन बातों की चिंता?: हालांकि, सरकार को आशंका है कि यह नया फीचर साइबर अपराधों को बढ़ावा दे सकता है। सूत्रों के अनुसार, मंत्रालय को चिंता है कि मोबाइल नंबर छिपने की स्थिति में ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, डिजिटल अरेस्ट स्कैम, फर्जी पहचान और आइडेंटिटी स्पूफिंग जैसी घटनाओं में बढ़ोतरी हो सकती है। मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि यदि अपराधी फर्जी यूज़रनेम बनाकर लोगों से संपर्क करेंगे तो उनकी वास्तविक पहचान का पता लगाना और जांच एजेंसियों के लिए कार्रवाई करना अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

मेटा से तीन दिन में मांगा जवाबः इन्हीं आशंकाओं को देखते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा से इस फीचर की कार्यप्रणाली, सुरक्षा उपायों और संभावित जोखिमों पर तीन दिन के भीतर विस्तृत जवाब मांगा है। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सरकार के साथ परामर्श और समीक्षा प्रक्रिया पूरी होने तक भारत में इस फीचर का रोलआउट न किया जाए।

सरकार की प्राथमिकताः सरकार का मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही जरूरी साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन धोखाधड़ी पर प्रभावी नियंत्रण भी है। इसलिए किसी भी नए फीचर को लागू करने से पहले उसके सुरक्षा पहलुओं और संभावित दुरुपयोग की पूरी तरह समीक्षा की जाएगी। फिलहाल मेटा या व्हाटस एप की ओर से इस नोटिस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

अमरनाथ यात्रा पर...

झंडी दिखाकर कश्मीर घाटी के लिए रवाना किया। इस दौरान पूरा माहौल बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। पहले जत्थे में कुल 4,822 तीर्थयात्री शामिल हुए। श्रद्धालु पारंपरिक पहलगाम और बालटाल, दोनों रास्तों से पवित्र गुफा की ओर बढ़ेंगे। इस बार अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और निर्बाध बनाने के लिए सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं, जिसे ऑपरेशन शिवा नाम दिया गया है। दोनों यात्रा मार्गों की कड़ी निगरानी के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की 670 कंपनियां तैनात की गई हैं। मुख्य रास्तों और लिंक रोड पर सुरक्षा चौकियों के अलावा स्नाइपर्स और वैली कमांडोज को तैनात किया गया है।

57 दिनों तक चलेगी यात्राः यह पवित्र यात्रा आधिकारिक तौर पर 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने खुद भगवती नगर यात्री निवास पहुंचकर सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, ठहरने की व्यवस्था, बिजली-पानी और साफ-सफाई का बारीकी से निरीक्षण किया था। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि भारी भीड़ को देखते हुए स्टाफ मुस्तैद रहे और भगवती नगर व तवी रिवरफ्रंट पर लगातार जरूरी अनाउंसमेंट की जाए।

भारतीय रेल ने ...

को दोगुना करने की योजना के कारण राउरकेला-बोंडामुंडा खंड में माल ढुलाई में काफी वृद्धि होने की उम्मीद है। रेल यातायात में अपेक्षित वृद्धि को देखते हुए, भारतीय रेल ने नए रेल फ्लाईओवर के निर्माण को मंजूरी दे दी है, जो यात्रियों और मालगाड़ियों के बीच क्रॉसिंग संबंधी टकराव को कम करते हुए ट्रेनों की निर्बाध आवाजाही को सुविधाजनक बनाएगा।

बोंडामुंडा यार्ड में...

यातायात को संभालने में सुविधा होने की उम्मीद है, जिससे खनिजों और औद्योगिक उत्पादों की निकासी मजबूत होगी और माल परिवहन में भविष्य की वृद्धि को समर्थन मिलेगा। इस परियोजना को भारतीय रेल के ऊर्जा, खनिज और सीमेंट कॉरिडोर के तहत चिन्हित किया गया है, जो देश भर में औद्योगिक विकास, माल ढुलाई में तेजी लाने और रसद दक्षता बढ़ाने के लिए रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में राष्ट्रीय उद्देश्य को बल देता है।

मनरेगा से आगे...

और मनरेगा को बेहतर स्वरूप में बदलकर वीबी- जी राम जी के रूप में लागू किया जा रहा है।

5 साल में 7.5 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्यः चौहान ने योजना के वित्तीय पक्ष पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि विकसित भारत- जी राम जी योजना के पहले ही वर्ष में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 95,000 करोड़ रु. से अधिक रहेगी और राज्यों की 40% हिस्सेदारी जोड़कर यह वार्षिक व्यय 1.51 लाख करोड़ रु. के आसपास पहुँचता है। उन्होंने बताया कि अगले 5 साल में इस योजना के तहत कुल 7.5 लाख करोड़ रु. खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है। यह धन देश की 2.86 लाख पंचायतों तक पहुँचकर हर पंचायत को प्रति वर्ष औसतन 2 करोड़ रु. से ज़्यादा की राशि देगा जिससे गाँवों में रोजगार भी बढ़ेगा और स्थायी परिसंपत्तियाँ भी बनेंगी।

गाँव का फैसला गाँव में– ग्राम सभा तय करेगी कामः शिवराज सिंह चौहान ने साफ शब्दों में कहा कि किस गाँव में कौनसा काम होगा, यह दिल्ली या अमरावती से तय नहीं किया जाएगा। काम तय करने का अधिकार ग्राम पंचायत और ग्राम सभा के पास रहेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि गाँव की जनता खुद तय करेगी कि उन्हें आंगनवाड़ी बनानी है, स्कूल, अस्पताल या सड़क चाहिए, खेतसड़क बनानी है, एफपीओ के लिए संरचना करनी है, तालाब, जैक डैम, बाँध या प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए कोई सुरक्षा दीवार बनानी है– यह सब निर्णय गाँव में बैठकर ग्राम सभा करेगी। गाँव का फैसला गाँव में होगा, यही जीराम जी योजना की आत्मा है।

पिछड़ी पंचायतों को अतिरिक्त मददः केंद्रीय मंत्री ने राज्यों से कहा कि वे अपनी पंचायतों का ग्रेडेशन कर ए, बी, सी श्रेणियों में बाँट सकते हैं और जो पंचायत विकास में पीछे हैं, उन्हें अधिक राशि देकर तेज़ी से काम करवा सकते हैं। इससे इंटीरियर और पिछड़े इलाकों के गाँवों में विकास की रफ्तार बढ़ेगी। चौहान ने घोषणा की कि अब किसी भी राज्य में मजदूरी 300 रु. से कम नहीं होगी। आंध्र प्रदेश में तो यह दर 312–315 रु. के बीच रखी गई है ताकि मजदूरों को पसीने की पूरी कीमत मिल सके।

बिहार में लागू हो गई वीबीजीरामजी योजना

अब बिहार को 4500 करोड़ देना होगा,पहले यह जीरो था

एजेंसी ▸▸ पटना

विकसित भारत-ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका गारंटी अधिनियम ग्रामीण (वीबीजीरामजी) योजना शुभारंभ के साथ विधिवत लागू हो गया। राष्ट्रीय स्तर पर लागू इस नए अधिनियम की शुरुआत गुरुवार को अधिवेशन भवन में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने किया। शुभारंभ समारोह को संबोधित करते श्रवण ने कहा कि अब इस योजना में श्रमिकों के मजदूरी पर मद में लगभग 45 सौ करोड़ रुपये बिहार को शेयर देना होगा। पहले एक रुपया भी राज्य सरकार को नहीं देना होता था। इसके तहत मजदूरों को अब साल में 125 दिनों का रोजगार मिलेगा और मजदूरी की दर में भी इजाफा हो गया है। पहले इस योजना का नाम मनरेगा था जिसके तहत साल में 100 दिनों तक काम दिया जाता था।

अकुशल मजदूरी मद में भारी-भरकम राशि

इससे पहले शुभारंभ समारोह में योजना से संबंधित कंपेडियम का विमोचन मंत्री श्रवण कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि राज्य बजट में अकुशल मजदूरी मद में भारी-भरकम राशि का प्रावधान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बिहार जैसे राज्य में योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार से 6 हजार 715 करोड़ रुपए का अंतरिम बजट निर्धारित किया गया है। इस नई योजना के मुख्य विजन के तहत ग्राम पंचायतों में स्थायी बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्रों को सुरक्षित बनाने के लिए आपदा प्रबंधन से संबंधित नवीन परियोजनाओं को अपनाने के लिए ग्राम पंचायतों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पार्टी तोड़ने के ट्रेंड पर अखिलेश की चुनौती

लखनऊ। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर विपक्षी दलों को तोड़ने व सांसदों-विधायकों को डराकर राजनीति चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि देश में अगर कोई पार्टी दबाव के बावजूद एकजुट खड़ी है, तो वह सपा है। अखिलेश ने कहा, जो बात वोट से नहीं बनी, वो सांसदों व विधायकों को डराकर-धमकाकर करा रहे हैं। अब तो गब्बर सिंह वाला भी ऐड आ गया।

जोश-जुनून से भरपूर रोमांचक खेल फुटबॉल

बच्चो, इन दिनों सबसे पॉपुलर खेलों में से एक फुटबॉल वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रूप से हो रहा है। 11 जून से शुरू हुआ फीफा वर्ल्ड कप 19 जुलाई को समाप्त होगा। क्या तुम जानते हो कि फुटबॉल की शुरुआत कैसे हुई, यह वर्तमान स्वरूप में कैसे पहुंचा? यहां हम इनके बारे में तुम्हें बता रहे हैं। साथ ही फुटबॉल के महान खिलाड़ियों और इससे जुड़े कुछ रोचक फैक्ट्स के बारे में भी जानकारी दे रहे हैं।

स्पोर्ट्स नॉलेज
शिखर चंद जैन

बच्चो, फुटबॉल दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेलों में एक है। इसे 'द ब्यूटीफुल गेम' भी कहा जाता है। अधिकतर देशों में लोग फुटबॉल बड़े चाव से खेलते हैं। इन दिनों फुटबॉल की चर्चा इसलिए भी हर तरफ हो रही है, क्योंकि बीते 11 जून से फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन किया जा रहा है। अरबों लोग इस खेल टूर्नामेंट को टीवी या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर देख रहे हैं। तुम भी अलग-अलग देशों की फुटबॉल टीमों के रोमांचक मुकाबले देख रहे होगे। हालांकि आज का आधुनिक फुटबॉल खेल हमेशा से ऐसा नहीं था। यह खेल हजारों वर्षों में कई बदलावों से गुजरकर अपने वर्तमान स्वरूप तक पहुंचा है।

प्राचीन काल में हुई शुरुआत: फुटबॉल की शुरुआत लगभग 2,000 साल पहले चीन में खेले जाने वाले 'सु-जू' नामक खेल से मानी जाती है। इसमें खिलाड़ी चमड़े की गेंद को बांस के खंभों के बीच लगे जाल में पहुंचाने की कोशिश करते थे। इसके अलावा प्राचीन ग्रीस और रोम में भी गेंद से खेले जाने वाले कई खेल प्रचलित थे, जिन्हें आधुनिक फुटबॉल का शुरुआती रूप माना जाता है।

फुटबॉल जैसा खेल सु-जू

ऐसे हुई वर्तमान स्वरूप की शुरुआत: आधुनिक फुटबॉल की नींव इंग्लैंड में रखी गई। अक्टूबर 1863 को लंदन में फुटबॉल क्लबों की बैठक हुई, जहां पहली बार इस खेल के आधिकारिक नियम तैयार किए गए। इसी बैठक के बाद 'फुटबॉल एसोसिएशन' की स्थापना हुई। पहले खिलाड़ी हाथ और पैर दोनों से खेलते थे। लेकिन नए नियमों में तय किया गया कि गेंद को मुख्य रूप से पैरों से खेला जाएगा। यहीं से फुटबॉल खेल के वर्तमान स्वरूप की शुरुआत मानी जाती है। बाद में वर्ष 1904 में फीफा की स्थापना हुई, जो आज दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल का संचालन और नियम तय करने वाली सर्वोच्च संस्था है।

फुटबॉल से जुड़े आविष्कार: फुटबॉल का आविष्कार किसी एक व्यक्ति ने नहीं किया, बल्कि यह समय के साथ विकसित हुआ। हालांकि कुछ लोगों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। चार्ल्स गुडईयर ने 1855 में पहली रबर की फुटबॉल तैयार की। इससे पहले गेंद जानवरों के ब्लैडर से बनाई जाती थी, जो ज्यादा टिकाऊ नहीं होती थी। फुटबॉल के शुरुआती नियमों और इस खेल को संरचना को विकसित-व्यवस्थित करने में इंग्लैंड के कई फुटबॉल क्लबों एवं इस खेल से जुड़े प्रशासकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। रॉबर्ट एबट ने फुटबॉल के गोल पोस्ट और इससे संबंधित कई महत्वपूर्ण नियमों को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। *

विश्व के महान फुटबॉल-प्लेयर्स

पेले: ब्राजील के महान फुटबॉल खिलाड़ी पेले को 'किंग ऑफ फुटबॉल' और 'ब्लैक पर्ल' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में 1,000 से अधिक गोल किए। वे ब्राजील को तीन फीफा विश्व कप जिताने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी हैं।

डिएगो मैराडोना: अर्जेंटीना के खिलाड़ी डिएगो मैराडोना भी एक महान फुटबॉलर थे। उनका 'सदी का सबसे शानदार गोल' आज भी याद किया जाता है। फुटबॉल खेलने के दौरान उनकी ड्रिब्लिंग अद्भुत थी।

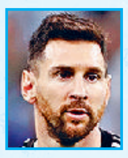
लियोनेल मेसी: मेसी को फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने कई व्यक्तिगत रिकॉर्ड्स बनाए। 2022 में अर्जेंटीना को फुटबॉल विश्व कप जिताने में मेसी का महत्वपूर्ण योगदान था।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो: पुर्तगाल के फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपनी फिटनेस, रफ्तार और हवा में ऊंची छलांग लगाकर हेडर मारने के लिए मशहूर हैं। वे अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

जिनेदिन जिदान: फ्रांस के महान मिडफील्डर जिनेदिन जिदान अपनी शानदार तकनीक, बेहतरीन पासिंग और खेल की समझ के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हें 'मैदान का जादूगर' कहा जाता था।

इंट्रेस्टिंग फैक्ट्स और रिकॉर्ड्स

फुटबॉलर हाकन शुकुर (व्हाइट जर्सी में)

सबसे तेज गोल: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे तेज गोल करने का रिकॉर्ड तुर्की के हाकन शुकुर के नाम है। 2002 फीफा विश्व कप में तुर्की के हाकन शुकुर ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच शुरू होने के सिर्फ 10.8 सेकेंड बाद गोल कर इतिहास रच दिया।

सबसे ज्यादा बार वर्ल्ड कप विजेता: ब्राजील ने अब तक सबसे ज्यादा 5 बार फीफा विश्व कप की ट्रॉफी अपने नाम की है।

सबसे ज्यादा दर्शक: 1950 विश्व कप के ब्राजील और उरुग्वे के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले को रियो डी जेनेरियो के माराकाना स्टेडियम में अब तक के सबसे ज्यादा लगभग दो लाख दर्शकों ने प्रत्यक्ष देखा था।

छोटी कहानी

रवि प्रकाश

किताब का जादू

कबीर कक्षा सात का एक ऐसा छात्र था, जिसे लोग 'नोटिस' ही नहीं करते थे। वह न पढ़ाई में सबसे आगे था, न खेलकूद में। उसे लगता- इस बड़े से स्कूल की भीड़ में वह एक खोया हुआ बच्चा है। जब शिक्षक कोई सवाल पूछते, जवाब पता होते हुए भी कबीर अपना हाथ नहीं उठाता। उसे डर लगता था कि कहीं सब बच्चे उस पर हंस न दें।

एक दिन बाहर मूसलाधार बारिश हो रही थी। खेल का मैदान पानी से लबालब भरा था। कबीर स्कूल के पुस्तकालय के एक शांत कोने में जाकर बैठ गया। खिड़की पर बूंदें 'टप-टप' गिर रही थीं। अंदर पुरानी किताबों की एक सोंधी-सी महक फैली थी।

तभी उसकी नजर रैक के सबसे नीचे दबी एक फटी जिल्द वाली किताब पर पड़ी। उसने उसे बाहर निकाला। किताब का शीर्षक था- 'हौसलों की उड़ानः जिन्होंने दुनिया बदल दी।'

कबीर ने किताब पढ़ना शुरू किया। उसने पढ़ा कि महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन को बचपन में 'मंदबुद्धि' कहकर स्कूल से निकाल दिया गया था। कबीर ने इस किताब में यह भी पढ़ा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन एक नहीं दर्जनों बार चुनाव हारे थे। किताब के बीचों-बीच एक अनमोल वचन लिखा था- 'सूरज की तरह चमकने के लिए, पहले उसकी तरह जलना पड़ता है।' इस एक कथन ने कबीर के भीतर जैसे आत्मविश्वास का कोई सोता खोल दिया। उसे समझ में आ गया- प्रतिभा जन्म से नहीं, जिज्ञासा और मेहनत से आती है। उसने वह किताब पुस्तकालय से जारी करवाई और किसी खजाने की तरह संभालकर घर ले गया।

अब उसका खाली समय फोन या टीवी पर नहीं, प्रयोग करने में बीतने लगा। उसने अपने गांव का गंदा तालाब देखा और एक 'कम लागत वाला जल शोधक' (लो कॉस्ट वाटर फिल्टर) बनाने की ठान ली। घर के स्टोर रूम से पाइप, कोयला, कंकड़ और रेत इकट्ठा किया। कई बार पानी साफ नहीं हुआ। कई बार पाइप टूट गया और कमरे में कीचड़ फैल गया, लेकिन कबीर हारा नहीं, रुका नहीं। जब तब वह इस जादुई किताब के पन्ने पलटते रहता। बहुत कुछ जानता-सीखता। इनके आधार पर प्रयोग करता।

एआई इमेज

विज्ञान प्रदर्शनी के दिन कबीर का स्टाल सबसे पीछे था। बड़े-बड़े स्कूलों के बच्चे अपने महंगे-महंगे साइंटिफिक मॉडल लेकर आए थे। लेकिन जब निर्णायकों ने कबीर के साधारण से फिल्टर से गंदे नाले का पानी कांच जैसा साफ होते देखा-वे दंग रह गए।

जब बेस्ट इनोवेटर का पुरस्कार कबीर के नाम घोषित हुआ, तो मंच पर जाते समय उसका सिर गर्व से ऊंचा था। प्रिंसिपल ने पूछा, 'कबीर, यह प्रेरणा तुम्हें कहां से मिली?'

कबीर मुस्कुराया और बोला, 'सर, मुझे एक जादू की छड़ी मिल गई थी, जो पुस्तकालय की अलमारी में बरसों से मेरा इंतजार कर रही थी, उसी से कुछ कर दिखाने की प्रेरणा मिली।'

***सीखः** अच्छी किताबें केवल छपे अक्षर नहीं होतीं, वे बंद मस्तिष्क के ताले खोलने की चाबियां होती हैं। एक सही किताब हमारी जिंदगी की दिशा बदल देती है।* *

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

सरल-सरस-मनोरंजक बाल कविताएं

कविताएं केवल मनोरंजन ही नहीं करें, गुदगुदाएं भी तो कहने क्या! कुछ इसी तरह का आनंद तुम्हें बाल साहित्यकार डॉ. सुरेश अवस्थी द्वारा रचित बाल कविताओं का संकलन 'बच्चों की फुलवारी' पढ़कर मिलेगा। इस संकलन में छोटी-बड़ी कुल 22 रोचक-मनोरंजक कविताएं हैं। संकलन की पहली कविता 'चूहे' बड़ी मजेदार है, इसमें तुम पढ़ोगे कि कैसे घर में उधम मचाते हुए चूहे पानी से भरे घड़े में गिर जाते हैं, पापाजी की अलमारी से नोट उड़ा ले जाते हैं, लेकिन बिल्ली को आता हुआ देखकर अपनी जान बचाते हुए भागकर बिल में छिप जाते हैं। एक कविता में तुम पढ़ोगे कि बंदर मामा नकली पंडित बनकर ब्याह कराने तो बड़े मजे से आते हैं, लेकिन मंत्र न पढ़ पाने के कारण उन्हें हंसी का पात्र बनकर भागना पड़ता है। 'जलेबी' कविता में तो जलेबी को अन्य कई मिठाइयों की रिश्तेदार बताया गया है। उसे इमरती की बहन, रसगुल्ले की चाची, काला जाम की बुआ बताते हुए नरम-रसभरी कहा गया है। 'मेला' कविता में रंग-बिरंगे गुब्बारे हैं, लड्डू-पेड़ा है, झूलों और खेल-खिलौनों का संसार है। 'बूढ़ी दादी' कविता में एक बच्चा पहले दादी से पके बाल, पिचके गाल और दांत न होने की बातें पूछता है फिर बड़े प्यार से 'करवा दो तुम मेरी शादी, बूढ़ी दादी-बूढ़ी दादी' कहकर कविता में रस घोल देता है। 'मेरी कलम', 'आई रेल', 'गुड़िया की ससुराल', 'रोज सवेरे', 'तितली' और 'छम-छम नाचे वर्षा रानी' जैसी कविताएं इतनी सरल हैं कि पढ़ते-पढ़ते ही तुम्हें याद हो जाएंगी। कौआ और लोमड़ी की कहानी को भी कवि ने कविता में ढालकर फिर से कौए को मूर्ख और लोमड़ी को चालाक बताया है। 'हमारा स्कूल', 'लट्टू' और 'मेरा घोड़ा' जैसी संग्रह की छोटी-छोटी कविताएं भी बहुत प्यारी हैं। *

किताब: बच्चों की फुलवारी (बाल कविता संग्रह), **लेखक:** डॉ. सुरेश अवस्थी, **मूल्य:** 75 रुपए, **प्रकाशक:** ईरा पब्लिशर्स, कानपुर

कहानी
संजीव जायसवाल 'संजय'

कमलापुर गांव में एक बहुत पुराना विशाल बरगद का वृक्ष था। एक दिन अचानक इस वृक्ष से ढोल की आवाजें आने लगीं। गांव वाले दहशत में आ गए कि बरगद के वृक्ष पर जिन्नों का डेरा हो गया है, वही ढोल बजाते हैं। लेकिन मुकुल को यह बात बड़ी अजीब-सी लगी। उसने इस रहस्य का सच सामने लाकर दम लिया।

रहस्यमयी ढोल

कमलापुर गांव के बाहरी हिस्से में एक बहुत विशाल और पुराना बरगद का वृक्ष था। गांव के लोग उसे एक पवित्र वृक्ष मानते थे। इस वृक्ष के नीचे अपने धार्मिक अनुष्ठान और मांगलिक कार्य किया करते थे। लेकिन पिछले कुछ दिनों से उस वृक्ष को लेकर पूरे गांव में अफवाह फैल गई थी कि वृक्ष पर जिन्न रहने लगे हैं। लोगों ने डर के मारे उस तरफ जाना ही छोड़ दिया।

हुआ यह था कि एक रात गांव में बहुत तेज आंधी आई, इस आंधी में अचानक बरगद के वृक्ष की ओर से जोर-जोर से ढोल बजने की आवाजें आने लगीं। अगले दिन पूरे गांव में अफवाह फैल गई कि रात में उस वृक्ष पर 'जिन्नों' का कब्जा हो गया है। वे रात में ढोल बजाकर नाच रहे थे, इसीलिए भयंकर आंधी आई थी।

अगली रात कुछ किसान खेतों में रखवाली कर रहे थे कि अचानक फिर ढोल बजने की आवाजें आने लगीं। किसान घबराकर घर भाग आए। अब तो जितने मुंह उतनी बातें। लोगों ने डर के कारण उधर बरगद के वृक्ष के पास जाना छोड़ दिया। गांव के बच्चे डर के मारे शाम होते ही घरों में दुबक जाते थे।

उसी गांव में चौदह साल का मुकुल रहता था। मुकुल को विज्ञान की किताबें पढ़ना बहुत पसंद था। वह हर बात के पीछे का कारण जानने की कोशिश करता था। उसे 'जिन्न' वाली बात पर बिल्कुल विश्वास नहीं हुआ। उसने अपने विज्ञान के शिक्षक से सीखा था कि भूत-प्रेत-जिन्न सिर्फ भ्रम और अंधविश्वास होते हैं, असलियत में इनका कोई वजूद नहीं होता।

एक दिन वह अपने दोस्तों के साथ बैठा था, तभी राजू ने बताया, 'गांव के लोग वहां एक विशाल यज्ञ करवाने की सोच रहे हैं, ताकि उन जिन्नों को भगाया जा सके।'

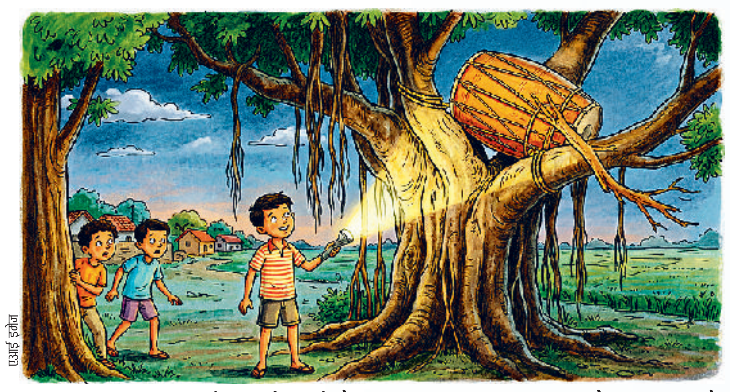
एआई इमेज

'यह तो सरासर अंधविश्वास है, पैसों की बर्बादी भी! जब भूत-प्रेत और जिन्न होते ही नहीं, तो उन्हें भगाने के लिए यज्ञ कैसा? हम सब विज्ञान के छात्र हैं, हमें ऐसी दकियानूसी बातों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।' मुकुल अपनी बात पर जोर देते हुए बोला।

'अगर जिन्न नहीं होते, तो फिर रात के सन्नाटे में ढोल कौन बजाता है?' पिंटू ने उसकी बात काटते हुए पूछा।

'अगर तुम लोग मेरा साथ दो, तो आज रात इस रहस्य का पता लगाया जा सकता है।' मुकुल बोला।

पहले तो राजू और पिंटू डर के मारे तैयार नहीं हुए, लेकिन मुकुल के हौसला बढ़ाने पर वे सब शाम को अंधेरा होने पर बरगद के वृक्ष की ओर चल दिए। चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था। अचानक मौसम बदला और तेज हवा चलने लगी। इसी के साथ बरगद के पेड़ से 'ढम-ढम ढमाक-ढम' की डरावनी आवाजें गूंजने लगीं।

'भागो! जिन्न आ गए!' राजू और पिंटू डर कर भागने लगे।

लेकिन मुकुल अपनी जगह पर खड़ा रहा। उसने राजू और पिंटू को रोका। मुकुल ने अपनी टॉर्च की रोशनी को बरगद की ऊंची डालियों की तरफ घुमाया। वहां का नजारा देख वह खिलखिलाकर हंस पड़ा फिर आवाज लगाई, 'दोस्तों! भागो मत, मैंने जिन्न को पकड़ लिया है!'

राजू और पिंटू ने सहमते हुए मुकुल की तरफ देखा। बरगद की एक मोटी और झुकी हुई डाल के बीच में एक बड़ा-सा ढोल फंसा हुआ था। जब-जब तेज हवा चलती, तो बरगद की एक दूसरी सूखी और भारी टहनी हवा के दबाव से उस ढोल से टकरातीं, जिससे 'ढम-ढम' की आवाज आ रही थी। दिन के शोर-शराबे में यह आवाज दूर तक नहीं जाती थी, लेकिन रात के सन्नाटे में बहुत भयानक लग रही थी।

मुकुल ने पास पड़ी एक लंबी लकड़ी की मदद से उस ढोल को डाल से नीचे गिरा दिया। उसे रोकने के लिए कोई जिन्न सामने नहीं आया। जिन्न का रहस्य तो खुल गया, लेकिन अब बड़ा सवाल यह था कि आखिर यह ढोल इतनी ऊंची डाल पर पहुंचा कैसे?

मुकुल ने जब ढोल को उलट-पुलट कर देखा। उस पर लाल रंग से लिखा था 'गोपाल कीर्तन मंडली, गांव-लक्ष्मीनगर' और नीचे एक मोबाइल नंबर लिखा हुआ था। मुकुल ने तुरंत अपनी जेब से मोबाइल निकाला और उस नंबर पर फोन लगा दिया। फोन लक्ष्मीनगर के गोपाल जी ने उठाया। मुकुल ने जब उनसे बरगद के पेड़ वाले ढोल के बारे में पूछा, तो गोपाल जी चौंक गए और फिर राहत की सांस लेते हुए बोले, 'बेटा! बहुत-बहुत धन्यवाद। पांच दिन पहले हम सपरिवार उसी पेड़ के नीचे अपने पोते का मुंडन कराने आए थे। वहां हमने भजन-कीर्तन भी किया था। कीर्तन के बाद जब सब खाना खाने बैठे, तो छोटे बच्चे ढोल को जोर-जोर से पीटकर ऊधम मचाने लगे। ढोल कहीं फट न जाए, इसलिए एक रिश्तेदार ने उसे ऊपर बरगद के वृक्ष की एक ऊंची डाल के बीच में छिपाकर टांग दिया था। शाम को लौटते समय हम लोग ढोल वहीं भूल आए थे। कल आकर उसे ले लूंगा।' जिन्न का रहस्य खुल चुका था। पिंटू ने उस ढोल को अपने गले में टांग लिया और उसे जोर-जोर से बजाते हुए तीनों दोस्त गांव की ओर लौट पड़े। ढोल की आवाजें करीब आती देख गांव वाले बुरी तरह से घबरा गए, लेकिन बाद में असलियत जान सभी ने राहत की सांस ली और अपने आप पर हंसे भी। मुकुल की बुद्धिमानी ने गांव वालों के अंधविश्वास को दूर कर दिया था। *

कविता
सूर्यकुमार पांडेय

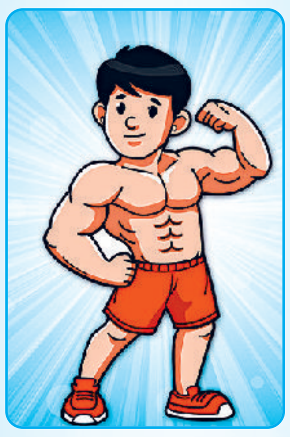

पहलवान

सब मेवे कर गए सफाचट,
और दूध पी गए फटाफट।
दांव-पेंच सब इनको आते,
भांति-भांति के हाथ दिखाते।
मुग्दर-दंड उठाए अब तक,
लगा रहे अब उठक-बैठक।
ये शौकीन बड़े कुश्ती के,
सच में हैं पुतले चुस्ती के।
पहलवान इनसे थर्राते,
लड़ने जल्दी पास न आते।
जीत चुके हैं दंगल सारे,
कल के गामा यही हमारे।

जीके क्विज-212

1. फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी कौन बन गए हैं?
2. क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा देश कौन-सा है?
3. हाल ही में किसे एक बार फिर से भारत का सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया है?
4. भारतीय संसद के उच्च सदन को किस नाम से जाना जाता है?
5. भारत में मौर्य साम्राज्य की स्थापना किसने की थी?
6. सहारा मरुस्थल किस महाद्वीप में स्थित है?
7. यूक्रेन की राजधानी कहां है?
8. भारत का सर्वोच्च न्यायालय कहां स्थित है?
9. मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि (ग्लैंड)कौन-सी है?
10. कंप्यूटर का आविष्कार किसने किया था?

बच्चों, जीके क्विज-212 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-211 का उत्तर : 1.बिहू पेपा, 2.स्मृति मंधाना, 3.ओम बिरला, 4.फुटबॉल, 5.मुंबई, 6. 5 वर्ष, 7.पोखरण (राजस्थान), 8.बहादुर शाह 'जफर', 9.सिक्किम, 10.जापान

जीके क्विज-211 का सही उत्तर देने वाले : संकेत-रायपुर, सुगंधा-बिलासपुर, कृष्णा-रोहतक, भारती-दुर्ग, जिया शिया-रायगढ़, कबीर-हिसार, अभिनीत-ईमेल से, सुमन-महासमुंद, कुशाग्र-दुर्ग, हर्षित-बलौदा बाजार, शिवम-रोहतक

रंग भरो-205

रंग भरो-205 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

दिव्या, बिलासपुर

आशुतोष, उमरिया

आशना, जांजगीर

दिशा, बिलासपुर

यतिका, कोरबा

साक्षी, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आद्या-उमरिया, प्रगति-बिलासपुर, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, रेणुका-बिलासपुर, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, शुभम-रायगढ़, अर्पित-कोरबा, सना-बलौदा बाजार, आशुतोष-दुर्ग, कुसुम-हिसार

रंग भरो 206

बच्चो, यहां दिए गए सुंदर से ब्लैक एंड व्हाइट चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

निमाड़ की धरती संतों, संस्कृति और वृहद लोक परंपराओं से समृद्ध

मुख्यमंत्री ने खाटू श्याम मंदिर तलून (बड़वानी) के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को किया वर्चुअली संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बड़वानी सहित निमाड़ की धरती संतों, संस्कृति और लोक परंपराओं से समृद्ध रही है। भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज को सही दिशा दिखाई है, उनके मार्गदर्शन से समाज में सद्भाव, संयम और सेवा की भावना विकसित होती है। गरीबों, जरूरतमंदों और पीड़ितों की सेवा ही सच्ची भक्ति है, समाज तभी आगे बढ़ता है जब धर्म और सेवा साथ चलते हैं, यही भारतीय संस्कृति का मूल संदेश है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़वानी के समीप तलून में बनने वाला खाटू श्याम मंदिर इस गौरवशाली विरासत को मजबूत करेगा और आने वाली पीढ़ियां भी इस धरोहर से जुड़ेंगी। मुख्यमंत्री तलून में खाटू श्याम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और 21 कुंडीय महायज्ञ कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

बाबा खाटू श्याम का त्याग, वीरता-विनम्रता और समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण

कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते सीएम।

बाबा खाटू श्याम ने धर्म की रक्षा और लोक कल्याण के लिए किया त्याग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का अवसर केवल मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का पर्व है। बाबा खाटू श्याम की कृपा सभी भक्तों पर बनी रहे। बाबा खाटू श्याम को हारे का सहारा कहा जाता है, क्योंकि वे अपने भक्तों के दुःख हरने वाले देवता माने जाते हैं। बाबा खाटू श्याम को बर्बरीक का स्वरूप माना जाता है।

सरकार प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध

सीएम ने कहा कि मप्र आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से देश का अग्रणी राज्य है। सरकार प्राचीन धरोहरों के संरक्षण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। यह मंदिर भी उस यात्रा का खास पड़ाव बनेगा। मुख्यमंत्री ने बाबा श्री खाटू श्याम से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य तथा प्रदेश के विकास और प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में सांसद गजेन्द्र पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष बड़वानी बलवंत पटेल, महंत महामण्डलेश्वर हरि सुरेन्द्र गिरी महाराज, अध्यक्ष खाटू श्याम मंदिर बड़वानी शशि गिरि महाराज तथा अन्य संतगण, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

राम नकटी की शासकीय भूमि से हुए थे बेदखल

अतिक्रमण प्रभावित 65 परिवारों को नया रायपुर में बसाएगा प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के नया रायपुर के ग्राम नकटी की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से बेघर हुए लोगों पर सत्ता का मरहम लगाया जा रहा है। प्रशासन ने अतिक्रमण प्रभावित 65 परिवारों को बेघर छोड़ने के बजाय उन्हें नया रायपुर अटल नगर के सेक्टर-30 स्थित सर्वसुविधायुक्त ईडब्ल्यूएस आवासों में बसाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रभावित परिवारों को केवल पक्का मकान ही नहीं, बल्कि बिजली, पेयजल, सड़क, सीवर, सामुदायिक भवन, उद्यान और अन्य शहरी सुविधाओं से युक्त आवासीय परिसर उपलब्ध कराया जा रहा है।

पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से पूरी हो, इसके लिए आठ सदस्यीय समिति भी गठित कर दी गई है। ग्राम नकटी की शासकीय भूमि पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की ओर से लगभग 38 एकड़ भूमि में से करीब 12 एकड़ भूमि विशेष योजना के लिए उपयोग होगी, जबकि शेष 26 एकड़ भूमि पर मंडल की स्ववित्तीय सामान्य आवास योजना विकसित की जाएगी।

आवासों का अस्थाई आवंटन भी हो चुका

भूमि पर अवैध रूप से निवासरत परिवारों के पुनर्वास के लिए जिला प्रशासन ने 65 पात्र परिवारों की सूची गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को सौंपी है। इस सूची में शामिल परिवारों को 29 जून 2026 को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सेक्टर-30 में निर्मित रिक्त ईडब्ल्यूएस आवासों का अस्थायी आवंटन कर दिया गया। पुनर्वास को केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित न रखते हुए सरकार ने आवासों को रहने योग्य बनाने का काम भी तेजी से शुरू किया। आवासों में ट्यूबलाइट, पंखे और विद्युत व्यवस्था पूरी कर दी गई है।

आठ सदस्यीय समिति की गठित

सरकार ने पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए मुख्यालय के अपर आयुक्त की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय समिति गठित की है। समिति में उपयुक्त, कार्यपालन अभियंता, संपदा अधिकारी और सहायक अभियंताओं सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। समिति यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक पात्र परिवार को निर्धारित आवास मिले और पुनर्वास पूरी तरह पारदर्शी एवं बिना किसी अव्यवस्था के संपन्न हो।

खबर संक्षेप

युवाओं-किसानों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरेगी कांग्रेस

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने प्रदेशभर में जनहित के मुद्दों को लेकर चरणबद्ध पत्रकारवार्ताओं का कार्यक्रम घोषित किया है। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की मंजूरी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर संभागीय मुख्यालयों के साथ-साथ 3 जुलाई को सभी जिला मुख्यालयों पर भी प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। कांग्रेस ने बताया कि पत्रकारवार्ताओं में नीट और सीबीएसई परीक्षा में कथित अनियमितताओं व पेपर लीक, किसानों की समस्याएं, अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राप्त चढ़ावे में कथित गड़बड़ी, उज्जैन महाकाल लोक निर्माण कार्यों में कथित भ्रष्टाचार तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनके परिवार से जुड़े कथित भूमि घोटाला प्रकरण सहित अन्य जनहित के मुद्दे उठाए जाएंगे। कार्यक्रम के अनुसार 2 जुलाई को ग्वालियर में अशोक सिंह और नर्मदापुरम में पीसी शर्मा, 3 जुलाई को सागर में एनपी प्रजापति तथा उज्जैन में सज्जन सिंह वर्मा, 4 जुलाई को इंदौर में शोभा ओझा, 6 जुलाई को भोपाल में मीनाक्षी नटराजन और 11 जुलाई को जबलपुर में विवेक तन्खा पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे। इसके अलावा 3 जुलाई को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष और जिला प्रभारी संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। कांग्रेस का कहना है कि इन पत्रकार वार्ताओं के जरिए प्रदेश सरकार को जनहित के मुद्दों पर घेरा जाएगा और जनता के सामने सरकार की कथित विफलताओं को रखा जाएगा। जिला अभिभाषक संघ चुनाव स्क्रूटनी में 89 प्रत्याशियों के नामांकन सही पाए गए

अभिभाषक संघ चुनाव के लिए 89 नामांकन सही, आज सूची होगी प्रकाशित

भोपाल। आगामी 16 जुलाई को होने वाले भोपाल जिला अभिभाषक संघ के चुनाव के लिए नामांकन फार्म जमा करने वाले प्रत्याशियों के नामांकन फार्म की बुधवार को स्क्रूटनी कर जांच की गई। मुख्य चुनाव अधिकारी वासू वासवानी सहित वरिष्ठ अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी रवींद्र तिवारी, हाशिम अली, यश विद्यार्थी, एपीएस परिहार, नीतू शर्मा, बबीता नेगी और शैलेंद्र शर्मा ने नामांकन फार्म की बुधवार को स्क्रूटनी कर जांच के बाद सभी 89 प्रत्याशियों के नामांकन फार्म को सही पाया है। अब 2 और 3 जुलाई को नामांकन फार्म वापस लेने के बाद 3 जुलाई को प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित की जाएगी। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी जगदीश सिंह परमार ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ अपना नामांकन फार्म जमा किया। परमार के अलावा देवेंद्र सिंह रावत, सुशील श्रीवास्तव, रफी जुबेरी, हिमाचल शर्मा ने भी अध्यक्ष पद पर नामांकन फार्म जमा किए। सचिव पद पर शुभम मीना बब्लू, मुकेश नागपुरे, संदीप उमरे और अनुराग दुबे ने नामांकन फार्म जमा किया। उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी सिद्धार्थ त्रिलोक त्यागी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ जिला अभिभाषक संघ के चुनाव कार्यालय पहुंचकर नामांकन फार्म जमा किया। सुनील सिंघल, अमित दुबे, एबी खान, नीरज तिवारी, अजय पांडे और अनिल सिंह ने भी उपाध्यक्ष पद पर नामांकन जमा किया। सहसचिव पद पर विनोद ठाकुर, राजू खान, इठोवा कोसे, नयन शर्मा, बारिज गुप्ता, किरण गहलोत और उपेंद्र शर्मा ने नामांकन जमा किया।

सिवनी जिले को दी 494.16 करोड़ के 629 विकास कार्यों की सौगात

धान की फसल पर भी देंगे भावांतर का लाभ किसानों के खातों में अंतरित की बोनस राशि

- मुख्यमंत्री संबल योजना में 16 हजार से अधिक श्रमिकों को अंतरित किए 365 करोड़ रुपए
- मुख्यमंत्री ने कोदो-कुटकी का बोनस वितरण कर विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन
- सिवनी जिला मुख्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय धान महोत्सव को संबोधित कर रहे थे मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों की खुशहाली ही हमारी सरकार का संकल्प हैं क्योंकि किसान समृद्ध होगा, तभी हमारा प्रदेश और देश समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि महाकोशल की धरती धान उत्पादन के लिए जग प्रसिद्ध है। शेर की दहाड़ और सतपुड़ा के पहाड़ और अब यहां की छत्रिय धान इस क्षेत्र की बड़ी पहचान है। छत्रिय धान को अब भौगोलिक संकेतक टैग (जीआई टैग) मिल गया है। यह हमारी देशज और पारंपरिक कृषि का वैश्विक सम्मान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को सिवनी जिला मुख्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय धान महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रदेश के 3 हजार 941 किसानों को 1 हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर से कोदो-कुटकी के बोनस के रूप में 2 करोड़ 84 लाख रुपए किसानों के खातों में अंतरित किए।

पूरा वातावरण बना भक्तिमय और संगीतमय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को सिवनी में किसान के खेत में धान रोपकर धान महोत्सव का शुभारंभ किया। मिट्टी और पानी से भरे खेत में मुख्यमंत्री के साथ महिलाओं ने भी धान रोपाई की। उन्होंने रोपाई के पारंपरिक गीत चंदन राजा को परहा गढ़ से, रानी सरुपा सकारी उठ से गाकर पूरा वातावरण भक्तिमय और संगीतमय बना दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धान रोपने के बाद बरघाट के ग्राम लोहारा से आए किसान दौलतराम बिसेन ने अपने घर से लाई गई 'सिदोरी' (खेत में खाया जाने वाला पारंपरिक भोजन) खाने का अनुरोध किया।

अब धान की फसल पर भी भावांतर योजना का लाभ

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के धान उत्पादक किसानों के हित में बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अब धान की फसल पर भी भावांतर योजना का लाभ दिया जाएगा। राज्य सरकार धान उत्पादक किसानों को एमएसपी और बाजार मूल्य के बीच के अंतर की राशि का भुगतान करेगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी योजना (मनरेगा का नया स्वरूप) के तहत प्रदेश में विभिन्न श्रेणी के कार्यम लगातार चलाएं जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बालाघाट से सिवनी तक फोरलेन रोड निर्माण कार्य की घोषणा की

सीएम ने मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) 2.0 योजना अंतर्गत प्रदेश के 16 हजार 754 से अधिक श्रमिक परिवारों को 365 करोड़ की अनुग्रह सहायता राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। साथ ही 494 करोड़ 16 लाख रुपए की लागत से 629 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण कर सिवनी जिले को बड़ी सौगात दी। इसमें 349.33 करोड़ रुपए की लागत के 586 विकास कार्यों का लोकार्पण और 144.83 करोड़ की लागत के 43 विकास कार्यों का भूमि-पूजन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने बालाघाट से सिवनी तक फोरलेन रोड निर्माण कार्य की घोषणा की। जिले के छपारा ब्लॉक के ग्राम चमारी में शासकीय कॉलेज खोला जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने वर्चुअली जुड़कर कहा कि मुख्यमंत्री संबल योजना हमारी ग्रामीण आबादी के लिए एक वरदान की तरह है। सासंद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि किसानों को अनेक सौगातें दी हैं। इस मौके पर सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन, राजस्व मंत्री एवं सिवनी जिले के प्रभारी करण सिंह वर्मा, बालाघाट सांसद श्रीमती भारती पारधी, जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान उपस्थित थे।

30 दिन की देरी से गृह विभाग का आदेश

खंडवा एसपी रहे सिंह का डीआईजी पद पर पदोन्नति आदेश हुआ जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गृह विभाग ने एसपी खंडवा रहे रुचिवंश कुमार सिंह के डीआईजी पद पर पदोन्नति का आदेश 30 दिन की देरी से जारी किया है। उन्हें 31 मई से डीआईजी पद पर पदोन्नत माना गया था, लेकिन विभागीय आदेश 30 जून को जारी किया गया। जानकारी के अनुसार, डीआईजी महेश चंद जैन के 31 मई को सेवानिवृत्त होने से यह पद रिक्त हुआ था।

इसी पद पर रुचिवंश कुमार सिंह की पदोन्नति प्रस्तावित थी, लेकिन आदेश समय पर जारी नहीं होने से प्रक्रिया लगभग एक माह तक लंबित रही। उधर, डीजी रैंक के अधिकारियों की संख्या फिर 12 हो गई है। पिछले सप्ताह मंत्रिमंडल ने 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी अनंत कुमार के लिए एक अतिरिक्त डीजी पद सृजित किया था, जिससे यह संख्या बढ़कर 13 हो गई थी। हालांकि 30 जून को डीजी संजीव शमी के रिटायर होने के बाद कार्यरत डीजी अधिकारियों की संख्या फिर घटकर 12 रह गई। वर्तमान में डीजी के पांच कैडर पद, पांच एक्स-कैडर पद और राज्य सरकार द्वारा दो वर्षों के लिए स्वीकृत दो अतिरिक्त पद सहित कुल 12 स्वीकृत पद हैं।

भोपाल ग्रामीण आईजी संजय तिवारी भी सेवानिवृत्त हो गए। वर्ष 2004 बैच के आईपीएस अधिकारी तिवारी को इसी वर्ष जनवरी में भोपाल ग्रामीण का आईजी बनाया गया था। उनके सेवानिवृत्त होने के बाद यह पद फिलहाल रिक्त हो गया है, जिस पर जल्द ही किसी आईजी रैंक के अधिकारी की पदस्थापना किए जाने की संभावना है

अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ कार्रवाई

अवैध रेत, पत्थर, मिट्टी एवं गिट्टी के उत्खनन और परिवहन में शामिल वाहनों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेश में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग की ओर से कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत राजनांदगांव, बालोद, बलरामपुर और सरगुजा समेत कई जिलों में संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध रेत, पत्थर, मिट्टी एवं गिट्टी के उत्खनन और परिवहन में शामिल वाहनों को जब्त किया गया है। जुर्माना लगाने के साथ ही वैधानिक कार्रवाई की गई। राजनांदगांव जिले में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान अब तक

अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के 52 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 18 लाख 95 हजार 600 रुपये का अर्थदंड वसूला गया है। इनमें अवैध उत्खनन के 9, परिवहन के 41 तथा भंडारण के 2 प्रकरण शामिल हैं।

वहीं डोंगरगढ़ तहसील के ग्राम आसरा में आकस्मिक निरीक्षण के दौरान नदी में रेत उत्खनन प्रतिबंधित पाया गया तथा मौके पर कोई अवैध गतिविधि नहीं मिली।

अवैध पत्थर उत्खनन मामले में मशीन जब्त

वहीं बालोद जिले के ग्राम कसही में अवैध पत्थर उत्खनन करते पाए जाने पर एक चेन माउंटेन (पीसी-130-7) मशीन को जब्त कर सील किया गया। संबंधित पक्ष वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका, जिसके बाद खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत कार्रवाई प्रारंभ की गई है। बलरामपुर जिले में खनिज विभाग ने राजपुर क्षेत्र के ग्राम नरसिंहपुर और बसंतपुर में कार्रवाई करते हुए अवैध रेत परिवहन में संलिप्त एक टिपर जब्त किया। वहीं बसंतपुर स्थित फ्लाई ऐश ब्रिक्स इकाई में अवैध रूप से भंडारित लगभग 90 घनमीटर रेत भी जब्त कर संचालक को नोटिस जारी किया गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू उर्फ सुनील, पुत्र श्री कमल देव प्रसाद निवासी ए-16, गली नंबर 03, जनकपुरी, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उ.प्र.** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 79/2020, धारा 25/54/59 आर्म्स एक्ट, थाना कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ सुनील** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ सुनील** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 79/2020, धारा 25/54/59 आर्म्स एक्ट, थाना कोतवाली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ सुनील** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.08.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री सायशा चड्डा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-08
(केंद्रीय) कमरा नं. 272
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/8985/N/2026

☞ यात्रीगण कृपया ध्यान दें ☜

महत्वपूर्ण सूचना

विशेष रेलगाड़ियों के परिचालन अवधि में विस्तार

समस्त रेल यात्रियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिये मौजूदा ठहरावों, समय, रेलमार्गों, चलने के दिनों, आदि पर निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के परिचालन को जारी रखने/विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:—

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी का नाम	आवृत्ति	पूर्व अधिसूचित	विस्तारित अवधि	कुल अतिरिक्त फेरे	स्थान
09425 साबरमती बीजी – हरिद्वार जं. स्पेशल	सोमवार	29.06.26	06.07.26 से 27.07.26	08	सामान्य
09426 हरिद्वार जं. – साबरमती बीजी स्पेशल	मंगलवार	30.06.26	07.07.26 से 28.07.26		
01705 जबलपुर – अयोध्या धाम जं. स्पेशल	मंगलवार	21.07.26	29.12.26 तक	24	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
01706 अयोध्या धाम जं. – जबलपुर स्पेशल	बुधवार	22.07.26	30.12.26 तक	24	
04123 प्रयागराज जं. – ह. निज़ामुद्दीन जं. स्पेशल	रविवार एवं बुधवार	28.06.26	05.07.26 से 29.07.26	08	प्रथम वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
04124 ह. निज़ामुद्दीन जं. – प्रयागराज जं. स्पेशल	सोमवार एवं वीरवार	29.06.26	06.07.26 से 30.07.26	08	
09639 मदार जं. – रोहतक जं. एक्सप्रेस स्पेशल	प्रतिदिन	30.06.26	03.07.26 से 15.07.26	13	सामान्य
09640 रोहतक जं. – मदार जं. एक्सप्रेस स्पेशल	प्रतिदिन	30.06.26	03.07.26 से 15.07.26	13	
04688 बडगाम - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्पेशल	रविवार को छोड़कर	02.07.26	03.07.26 से 02.11.26	104	सामान्य
04687 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – बडगाम स्पेशल	रविवार को छोड़कर	02.07.26	03.07.26 से 02.11.26	104	

नोटः— श्री अमरनाथजी यात्रा के दौरान लागू यातायात विनियमन उपायों के कारण यह ट्रेन दिनांक 31.08.2026 तक बनिहाल स्टेशन पर आंशिक निरस्त रहेगी।

सर्व संबंधित को पुनः सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी की समय—सारणी में नीचे प्रदर्शित स्टेशनों पर निम्नानुसार संशोधन करने का निर्णय लिया गया है:—

रेलगाड़ी संख्या 09426 हरिद्वार जं. – साबरमती बीजी स्पेशल की समय—सारणी में गुड़गांव, दिल्ली कैंट, दिल्ली जं., गाज़ियाबाद, मेरठ सिटी एवं मुज़फ़्फ़रनगर रेलवे स्टेशनों पर परिवर्तन

स्टेशन	09426 हरिद्वार जं. – साबरमती बीजी स्पेशल			
	वर्तमान समय		परिवर्तित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
गुड़गांव	05:03	05:05	**04:44**	**04:46**
दिल्ली कैंट	04:43	04:45	**04:26**	**04:28**
दिल्ली जं.	04:00	04:10	**03:45**	**04:00**
गाज़ियाबाद	03:05	03:07	**02:28**	**02:30**
मेरठ सिटी	01:08	01:10	**00:38**	**00:40**
मुज़फ़्फ़रनगर	00:24	00:26	**23:43**	**23:45**

अधिसूचित अन्य जानकारी मान्य होगी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिये रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा भारतीय रेल की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें
रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर हमें फॉलो करें
उत्तर रेलवे आपकी सुविधा – हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
2270/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

चिंतन

बड़े बदलाव की ओर बढ़ रहे भारत-जापान संबंध

इंडो-पैसिफिक में अमेरिका की घटती रुचि और एक तरह से चीन को क्षेत्र की महाशक्ति के रूप में स्वीकार करने के बाद भारत और जापान के लिए जरूरी हो गया है कि वे इस क्षेत्र में अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची की संयुक्त आर्थिक मंच में मौजूदगी इस बात का प्रतीक है कि दोनों देश केवल वर्तमान की चुनौतियों का समाधान नहीं खोज रहे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, समृद्ध और तकनीक-संचालित एशिया की नींव रखने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही भारत-जापान संबंधों का अगला चरण केवल सरकारी समझौतों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दोनों देशों को निजी क्षेत्र, स्टार्टअप, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के बीच भी गहरे सहयोग को बढ़ावा देना होगा। जापान रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग और हरित प्रौद्योगिकी में विश्व अग्रणी है, जबकि भारत डिजिटल नवाचार, सॉफ्टवेयर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप इकोसिस्टम में तेजी से उभरती शक्ति है। यदि इन दोनों की क्षमताओं का समन्वय होता है तो यह केवल दोनों अर्थव्यवस्थाओं को ही नहीं, बल्कि पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को नई दिशा दे सकता है। विशेष रूप से सेमीकंडक्टर निर्माण, दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ) की आपूर्ति, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी, हरित हाइड्रोजन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में संयुक्त निवेश भविष्य की औद्योगिक प्रतिस्पर्धा तय करेगा। भारत को अपनी उत्पादन क्षमता और कुशल मानव संसाधन के कारण नेक्स्ट मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में देखा जा रहा है, जबकि जापान की तकनीकी विश्वसनीयता इस परिवर्तन को गति दे सकती है। ऐसे में दोनों देशों की साझेदारी वैश्विक कंपनियों के लिए चीन के विकल्प के रूप में एक मजबूत और विश्वसनीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर सकती है। साथ ही, दोनों देशों को लोगों के बीच संपर्क को भी प्राथमिकता देनी होगी। भारतीय छात्रों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए जापान में अवसर बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर जापानी कंपनियों को भारत के युवा और कुशल कार्यबल से लाभ मिल सकता है। आज दुनिया एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां मित्रता का मूल्य केवल कूटनीतिक बयानों से नहीं, बल्कि साझा निवेश, साझा तकनीक और साझा भविष्य से तय होगा। भारत और जापान इसी दिशा में आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। यदि यह सहयोग योजनाओं से निकलकर समयबद्ध क्रियान्वयन तक पहुंचता है, तो आने वाले दशक में भारत-जापान संबंध केवल द्विपक्षीय सफलता की कहानी नहीं होंगे, बल्कि वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक व्यवस्था के सबसे प्रभावशाली स्तंभों में शामिल होंगे। यह साझेदारी वास्तव में विश्वास से विकास और साझेदारी से समृद्धि का ऐसा मॉडल बन सकती है, जिसकी आवश्यकता आज पूरे विश्व को है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अस्थिर रवैये ने दुनियाभर में उसकी स्थिति को कमजोर किया है। ईरान युद्ध के बाद खाड़ी देश अपनी सुरक्षा नीति पर पुनर्विचार कर रहे हैं। पूरी दुनिया के रिश्ते एक नए मोड़ पर खड़े हैं। इससे नई साझेदारियां बनेंगी और पुरानी साझेदारियां नया रूप लेंगी। ऐसे में भारत-जापान संबंध भी ऐतिहासिक बदलाव की ओर बढ़ रहे हैं और आने वाले समय में यह दुनिया में नए बदलाव का जरिया भी बन सकते हैं। कुल मिलाकर अब दुनिया बहुध्रुवीय हो चुकी है और सबको एक-दूसरे की जरूरत है। मिलकर चलना ही सबके हित में है।

पड़ोस
कांतिलाल मांडोत

पाक से रिश्तों की बहाली की नई कवायद

भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। दोनों देशों की 117 प्रमुख हस्तियों द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेजे गए खुले पत्र ने इस बहस को नया आयाम दिया है। पत्र में संवाद बहाल करने, व्यापार शुरू करने, वीजा व्यवस्था आसान बनाने, समझौता एक्सप्रेस और थार एक्सप्रेस को फिर से चलाने, क्रिकेट श्रृंखला शुरू करने तथा दोनों देशों के बीच जमे अविश्वास को समाप्त करने की अपील की गई है। जब भारत-पाक संबंधों के इतिहास, पाकिस्तान के व्यवहार और वर्तमान वैश्विक राजनीति को ध्यान में रखकर इस प्रस्ताव का विश्लेषण किया जाता है, तब कई गंभीर प्रश्न सामने खड़े हो जाते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। दोनों देशों की 117 प्रमुख हस्तियों द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेजे गए खुले पत्र ने इस बहस को नया आयाम दिया है। पत्र में संवाद बहाल करने, व्यापार शुरू करने, वीजा व्यवस्था आसान बनाने, समझौता एक्सप्रेस और थार एक्सप्रेस को फिर से चलाने, क्रिकेट श्रृंखला शुरू करने तथा दोनों देशों के बीच जमे अविश्वास को समाप्त करने की अपील की गई है। पहली नजर में यह पहल शांति और सद्भाव की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास प्रतीत होती है, लेकिन जब भारत-पाकिस्तान संबंधों के इतिहास, पाकिस्तान के व्यवहार और वर्तमान वैश्विक राजनीति को ध्यान में रखकर इस प्रस्ताव का विश्लेषण किया जाता है, तब कई गंभीर प्रश्न सामने खड़े हो जाते हैं।

भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंधों की नीति अपनाई है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने अनेक अवसरों पर पाकिस्तान के साथ मित्रता का हाथ बढ़ाया। चाहे 1972 का शिमला समझौता हो, 1999 की लाहौर बस यात्रा हो या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2015 में अचानक लाहौर जाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मिलना, भारत ने हर बार यह संदेश दिया कि विवादों का समाधान युद्ध नहीं बल्कि संवाद से होना चाहिए। दुर्भाग्य यह रहा कि हर बार पाकिस्तान की धरती से आतंकवाद ने इन प्रयासों को कमजोर किया। पाक का इतिहास यह बताता है कि उसने मित्रता के हर प्रयास के समानांतर आतंकवाद को अपनी विदेश नीति का साधन बनाए रखा। 1947, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध से लेकर संसद पर हमला, मुंबई का 26/11 हमला, पठानकोट, उरी और पुलवामा जैसे आतंकी हमलों तक पाकिस्तान की भूमिका लगातार सवालों के घेरे में रही है। भारत ने कई बार ठोस सबूत भी प्रस्तुत किए, लेकिन पाकिस्तान ने या तो उन्हें नकार दिया या फिर आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने से बचता रहा।

ऐसे में यह स्वाभाविक है कि भारत किसी भी नए संवाद प्रस्ताव को केवल भावनात्मक आधार पर स्वीकार नहीं कर सकता। वर्तमान परिस्थितियों में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है। महंगाई, बेरोजगारी, विदेशी कर्ज और ऊर्जा संकट ने वहां की अर्थव्यवस्था को गंभीर संकट में डाल दिया है। हाल के वर्षों में जल संकट भी पाकिस्तान के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। ऐसी परिस्थितियों में पाकिस्तान के लिए भारत के साथ व्यापार और संबंधों की बहाली आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो सकती है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि आर्थिक मजबूरी का अर्थ यह नहीं कि पाकिस्तान की नीतियों में स्थायी परिवर्तन आ गया है। यदि आतंकवाद को समर्थन देने की उसकी सोच में बदलाव नहीं आता तो केवल व्यापार या परिवहन सेवाएं शुरू कर देने से स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिका और विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कोई भी महाशक्ति केवल मानवीय आधार पर हस्तक्षेप नहीं करती। हर देश अपने रणनीतिक हितों को प्राथमिकता देता है। अमेरिका

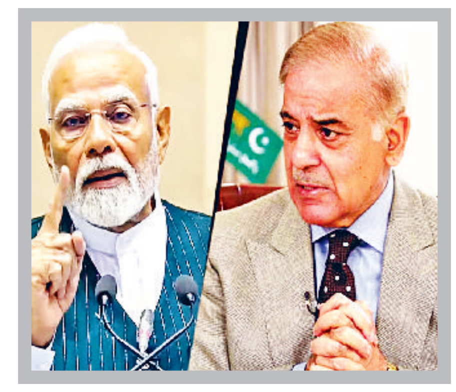

लंबे समय से यह चाहता रहा है कि पाकिस्तान पूरी तरह चीन के प्रभाव क्षेत्र में न चला जाए। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और दोनों देशों की बढ़ती सामरिक साझेदारी अमेरिका के लिए चिंता का विषय रही है।

ऐसे में यदि अमेरिका भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद को बढ़ावा देता है तो उसके पीछे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बनाए रखने और पाकिस्तान को अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखने की रणनीति भी हो सकती है। ट्रम्प यदि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों की बहाली का श्रेय लेना चाहते हैं तो यह उनकी राजनीतिक और रणनीतिक सोच का हिस्सा हो सकता है। लेकिन भारत को किसी भी बाहरी दबाव या अंतरराष्ट्रीय छवि के कारण अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करना चाहिए। भारत की विदेश नीति का मूल सिद्धांत यही रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। यदि पाकिस्तान आतंकवाद के ढांचे को समाप्त करने, सीमा पार घुसपैठ रोकने और भारत विरोधी गतिविधियों पर पूर्ण विराम लगाने के लिए ठोस और विश्वसनीय कदम नहीं उठाता, तो केवल वार्ता के नाम पर आगे बढ़ना उचित नहीं होगा। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न विश्वास का है। विश्वास केवल शब्दों से नहीं बल्कि व्यवहार से बनता है। पाकिस्तान ने अतीत में अनेक बार आश्वासन दिए, लेकिन उसके बाद भी आतंकी घटनाएं होती रहीं। जब तक वह अपने आचरण से यह साबित नहीं करता कि उसने आतंकवाद को स्थायी रूप से त्याग दिया है, तब तक किसी भी व्यापक संबंध बहाली का आधार कमजोर ही रहेगा। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि दोनों देशों के बीच व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ने से कट्टरता कम होगी और शांति को मजबूती मिलेगी। यह विचार सिद्धांत रूप में आकर्षक लगता है, लेकिन व्यवहार में इसकी सफलता तभी संभव है, जब दोनों पक्ष समान ईमानदारी के साथ आगे बढ़ें। यदि एक देश शांति की बात करे और दूसरा आतंकवाद को संरक्षण देता रहे तो ऐसे प्रयास अंततः विफल हो जाते हैं। इसलिए भारत को किसी भी नई पहल से पहले स्पष्ट शर्त रखनी चाहिए कि आतंकवाद और वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकते। भारत ने हमेशा मानवीय मुद्दों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है। चाहे कैदियों की रिहाई का विषय हो, धार्मिक यात्राओं की सुविधा हो या प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता का प्रश्न, भारत ने उदारता दिखाई है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर किसी प्रकार की ढिलाई उचित नहीं हो सकती। भारत आज विश्व की तेजी से उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है।

ऐसे समय में उसे भावनात्मक निर्णयों के बजाय दूरदर्शी और यथार्थवादी नीति अपनानी होगी। यदि पाकिस्तान वास्तव में संबंध सुधारना चाहता है तो उसे केवल संवाद की अपील करने के बजाय आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई करके अपनी नीयत साबित करनी होगी। यही वह कसौटी है जिस पर भविष्य के किसी भी संबंध की सफलता निर्भर करेगी। अंततः भारत शांति का समर्थक है, लेकिन शांति की कीमत राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं हो सकती। मित्रता वहीं टिकाऊ होती है जहां विश्वास, पारदर्शिता और ईमानदारी हो। पाकिस्तान का अब तक का इतिहास इन तीनों मानकों पर संतोषजनक नहीं रहा है। इसलिए भारत को हर प्रस्ताव का स्वागत खुले मन से अवश्य करना चाहिए, लेकिन निर्णय केवल अपने राष्ट्रीय हितों, सुरक्षा और दीर्घकालिक रणनीतिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही लेना चाहिए। यदि पाकिस्तान अपने व्यवहार में वास्तविक परिवर्तन लाता है तो दक्षिण एशिया में स्थायी शांति का मार्ग अवश्य प्रशस्त हो सकता है। यदि अतीत की गलतियां दोहराई जाती हैं तो इतिहास एक बार फिर यह सिद्ध करेगा कि केवल संवाद की इच्छा पर्याप्त नहीं होती, उसके लिए भरोसेमंद आचरण भी उतना ही आवश्यक होता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मुद्दा
ओपी पाल

क्या कागजों पर सिमट रही हैं ग्राम सभाएं

भारत की आत्मा गांवों में बसती है और उन गांवों की लोकतांत्रिक आत्मा 'ग्राम सभा' में निहित है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता के विकेंद्रीकरण की जो नींव रखी थी, उसकी सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष इकाई ग्राम सभा ही है। ग्राम सभा केवल स्थानीय शासन की एक संस्था नहीं है, बल्कि यह देश के हर ग्रामीण नागरिक को सीधे नीति-निर्माण, बजट निर्धारण और विकास कार्यों की निगरानी का अधिकार देने वाला एक सशक्त मंच है। परंतु समय के साथ इस बुनियादी लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली में कई विसंगतियां और चुनौतियां सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी और चिंताजनक चुनौती यही है कि आज के इस तकनीकी युग के बावजूद ग्राम सभा की बैठकों में आम नागरिकों की भागीदारी घट रही है। मसलन, केंद्र सरकार और नीति आयोग की जारी ताजा रिपोर्ट ने जमीनी लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने की चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि यह अध्ययन भारत की ग्रामीण विकास नीतियों को 'संख्या-केंद्रित' से 'परिणाम-केंद्रित' बनाने का एक बेहद सटीक मार्गदर्शक दस्तावेज साबित हो सकता है। दरअसल, देश में जमीनी लोकतंत्र की इसी गंभीर समस्या का बारीकी से अध्ययन करने और इसका समाधान खोजने के लिए केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में एक व्यापक राष्ट्रीय अध्ययन कराया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा तैयार की गई यह द्वि-खंडीय रिपोर्ट देश में नागरिक-केंद्रित शासन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और साक्ष्य-आधारित दस्तावेज़ है। जैसा कि रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि नागरिक-केंद्रित शासन देने के लिए जीवंत ग्राम सभाएं अनिवार्य हैं। जब तक देश के गांवों का अंतिम व्यक्ति ग्राम सभा की बैठक शामिल होकर अपने गांव के भविष्य का फैसला करने में सक्षम और उत्सुक नहीं होगा, तब तक लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सपना अधूरा रहेगा। इस अध्ययन रिपोर्ट को 30 जून 2026 को नई दिल्ली में नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम और पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज द्वारा इस जारी किया, जिसमें जमीनी लोकतंत्र की कमजोर होती नींव और उसकी चुनौतियों को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। भागीदारी में सबसे बड़ी बाधाएं ग्राम सभाओं में लोगों का न आना केवल उदासीनता नहीं, बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक-आर्थिक और व्यावहारिक कारण हैं। इसमें आजीविका और समय के संकट के कारण 55.5 प्रतिशत भागीदारी न होने का सबसे बड़ा कारण है, इसमें ग्रामीण आबादी का एक बड़ा हिस्सा दैनिक मजदूरी या कृषि पर निर्भर है। जबकि व्यस्त कार्य दिनचर्या (41.74 प्रतिशत) और कृषि कार्यों की व्यस्तता (30.26 प्रतिशत) के कारण लोग अपनी दिहाड़ी छोड़कर बैठकों में नहीं आ पाते। इसके अलावा कम प्रतिनिधित्व वाले समूह को लेकर खुलासा हुआ है कि प्रवासी परिवार (17.61 प्रतिशत), युवा (16.73 प्रतिशत), बुजुर्ग (15.80 प्रतिशत) और महिलाएं (13.40 प्रतिशत) ग्राम सभा की प्रक्रियाओं में सबसे कम शामिल हो पाते हैं। पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज का कथन है कि ग्रामीण भारत में आए बदलावों को रेखांकित करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में गांवों तक बुनियादी सुविधाओं की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित हुई है। अब बारी जमीनी लोकतंत्र को और गहरा करने की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह अध्ययन महिलाओं, युवाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की भागीदारी बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम उठाने में मील का पत्थर साबित होगा। मंत्रालय जल्द ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर इस रिपोर्ट की सिफारिशों को जमीन पर लागू करेगा, ताकि देश की ग्राम सभाएं अधिक समावेशी और परिणामोन्मुख बन सकें। इस अध्ययन रिपोर्ट से एक बड़ा संदेश यह भी मिलता है कि ग्राम सभाओं को सफल बनाने का पैमाना केवल 'बैठक में जुटी भीड़' या 'हाजिरी रजिस्टर' नहीं होना चाहिए। वास्तविक सफलता इस बात में है कि चर्चाएं कितनी प्रासंगिक हैं, निर्णय कितने पारदर्शी हैं और शिकायतों का निवारण कितनी तेजी से होता है। जब तक ग्रामीण नागरिकों को ग्राम सभा के निर्णयों का जमीन पर वास्तविक असर नहीं दिखेगा, तब तक उनका भरोसा जीतना नामुमकिन है। ग्राम सभा को विकास कार्यों के सोशल ऑडिट का वास्तविक अधिकार मिलना चाहिए। पंचायत प्रतिनिधियों (विशेषकर महिला सरपंचों और वार्ड सदस्यों) के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि वे ग्राम सभा की प्रक्रियाओं को बेहतर समझ सकें

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है?

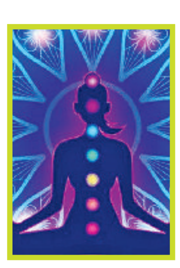

संकलित
दर्शन

अनुबंध चतुष्टय में 'अधिकारी' को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना।सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गईं शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

स्वयं के धर्म की चिंता

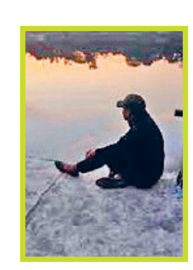

संकलित
प्रेरणा

एक आदमी तालाब के किनारे बैठ कर कुछ सोच रहा था। तभी उसने पानी में किसी के डूबने की आवाज सुनी और उसने तालाब की तरफ देखा तो उसे एक बिच्छू तालाब में डूबता दिखाई दिया। अचानक ही वह आदमी उठा और तालाब में कूद गया। उस बिच्छु को बचाने के लिए उसने उसे पकड़ लिया और तालाब के बाहर लाने लगा। इससे घबराकर बिच्छू ने उस आदमी को डंक मारा। आदमी का हाथ खून से भर गया वो जोर-जोर से चिल्लाने लगा, उसका हाथ खुल गया और बिच्छू फिर पानी में गिर गया। आदमी फिर उसके पीछे गया। उसने बिच्छु को पकड़ा। लेकिन बिच्छू ने फिर से उसे काट लिया। यह बार-बार होता रहा। यह पूरी घटना दूर बैठा एक आदमी देख रहा था। वो उस आदमी के पास आया और बोला - अरे भाई ! वह बिच्छू तुम्हे बार-बार काट रहा है। तुम उसे बचाना चाहते हो, वो तुम्हे ही डंक मार रहा है। तुम उसे जाने क्यूँ नहीं देते? मर रहा हैं अपनी मौत, तुम क्यूँ अपना खून बहा रहे हो? तब उस आदमी ने उत्तर दिया - भाई ! डंक मरना तो बिच्छू की प्रकृति है। वह वही कर रहा है लेकिन मैं एक मनुष्य हूँ, और मेरा धर्म है दूसरों की सेवा करना और मुसीबत में उनका साथ देना। अतः बिच्छू अपना धर्म निभा रहा हैं और मैं मेरा।

अंतर्मन

आज की पाती

खतरनाक गर्मी का बढ़ता संकट

दुनिया के शहरों पर एक ऐसा संकट तेजी से गहराता जा रहा है, जो दिखाई कम देता है, लेकिन असर सबसे ज्यादा करता है-खतरनाक गर्मी। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक शहरी इलाकों में अत्यधिक गर्मी से प्रभावित गरीबों की संख्या में लगभग 700 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है। यह आंकड़ा सिर्फ एक चेतावनी नहीं, बल्कि आने वाले शहरी भविष्य की भयावह तस्वीर है, खासकर ग्लोबल साउथ, यानी एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमरीका के तेजी से बढ़ते शहरों के लिए। गर्मी का यह संकट सीधे तौर पर क्लाइमेट चेंज और अनियोजित शहरीकरण से जुड़ा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और धातु की अधिकता प्राकृतिक हरियाली को खत्म कर देती है। इस समस्या का समाधान खोजना होगा।

- सुभाष साहू, बलौदाबाजार

ट्रेंड

इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव

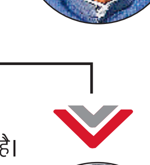

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 7,145 करोड़ रुपये की लागत वाले कानपुर-काबराई एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी गई है। यह फैसला भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव की दिशा में एक और अहम कदम है।

- **राजनाथ सिंह,** रक्षामंत्री

नई संभावनाएं

यह हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। पहली बार, राज्य से ताज़ी चेरी और आलूबुखारे की खेप ओमान पहुँची है। ओमान में हिमाचल के फलों को मिली सराहना ने अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं।

-**सुखविंदर सिंह सुखु,** सीएम, हिमाचल प्रदेश

अत्यंत दुखद

बेंगलुरु में मद्दापट्टाना की पत्थर की खदान में हुए भीषण हादसे में बिहार के प्रवासी मजदूर भाइयों के असमय निधन की खबर अत्यंत दुखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्माओं को उनके पवित्र चरणों में स्थान मिले।

- **सम्राट चौधरी,** सीएम, बिहार

सत्ता का गलत इस्तेमाल

बीजेपी अपनी सत्ता का गलत इस्तेमाल करके बीजेपी-शासित राज्यों, खासकर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का खराब माहौल बना रही है और पुलिस का राजनीतिकरण कर रही है। जनता इस नकारात्मक व्यवहार से बेहद आक्रोशित है।

-**अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

करंट अफेयर

ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रीय किराया वहनीयता योजना समाप्त

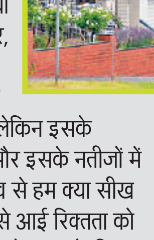

ऑस्टेलिया का वित्तीय वर्ष एक जुलाई को समाप्त हो गया और इसी के साथ 'राष्ट्रीय किराया वहनीयता योजना' भी समाप्त हो गई, जिसके तहत देश भर में 35,000 से ज़्यादा किफायती किराए के घर उपलब्ध कराए गए थे। यह योजना 2008 में रड सरकार ने घरों के महंगे होते जाने की समस्या के मद्देनजर शुरू की थी। लेकिन बाद में 2014 में एबॉट सरकार ने इसे बंद कर दिया और 2016 के बाद किसी भी नए घर को इसके तहत मंज़ूरी नहीं दी गई। इस जून में, आखिरी 3,600 संपत्तियां भी इस योजना के दायरे से बाहर हो गई हैं। आखिरकार, इस योजना ने अपने कुछ मुख्य वादे पूरे किए। इसने काफी कम समय में किफायती किराए के घरों की आपूर्ति बढ़ाई और ऐसे घर बनाए जो इसके बिना नहीं बन पाते। लेकिन इसके आलोचक भी रहे हैं, जिन्होंने इसे लागू करने के तरीके और इसके नतीजों में कई कमियां गिनाईं। तो, पीछे मुड़कर देखें तो इस अनुभव से हम क्या सीख सकते हैं? और क्या सरकार ने इस योजना के बंद होने से आई रिक्तता को दूर करने के लिए कोई कदम उठाया है? हाशिये पर रह रहे समूह के लिए सस्ता किराया इस योजना के तहत डेवलपर्स को किफायती किराये के घर उपलब्ध कराने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन दिया गया।

ऑफ बीट

काम करते हुए क्या अंडर डेस्क ट्रेडमिल फायदेमंद है

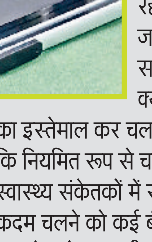

हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में 67 लाख से अधिक लोग-यानी लगभग आधे कर्मचारी-कम से कम कुछ समय के लिए घर से काम करते हैं। सिडनी, मेलबर्न और कैनबरा में यह संख्या सबसे अधिक है। घर से काम बढ़ने के साथ लंबे समय तक बैठने की आदत भी बढ़ी है, जिसे अब स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह माना जाता है। दफ्तर जाकर काम करने पर रोजमर्रा की गतिविधियां-जैसे चलना, खड़े रहना, सहकर्मियों से मिलने जाना या बाहर लंच लेने जाना-अपने आप हो जाती हैं, लेकिन घर से काम करते समय यह कम हो जाती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या काम के दौरान अंडर-डेस्क ट्रेडमिल या वॉकिंग पैड का इस्तेमाल कर चलना फायदेमंद हो सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि नियमित रूप से चलने से रक्तचाप और ग्लूकोज सहनशीलता जैसे स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार होता है। हालिया शोध में प्रतिदिन करीब 7,000 कदम चलने को कई बीमारियों की रोकथाम के लिए पर्याप्त लक्ष्य बताया गया है। शोध यह भी बताते हैं कि लंबे समय तक बैठे रहने के बजाय छोटे-छोटे अंतराल में बार-बार चलना या हल्की गतिविधि करना एक बार में लंबी सैर से अधिक लाभकारी हो सकता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

फर्जी खाते से सरकारी धन की हेराफेरी का आरोप

504 करोड़ के घोटाले में सीबीआई ने हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अकाउंट्स को किया अरेस्ट, पैसा कंपनियों में भेजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सीबीआई ने हरियाणा के बहुचर्चित 504 करोड़ रुपये के सरकारी धन गबन मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तत्कालीन वरिष्ठ लेखा अधिकारी परवीन कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में उनके सरकारी धन के गबन की साजिश में सक्रिय भूमिका सामने आने का दावा किया गया है। सीबीआई के अनुसार, परवीन कुमार ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की सेक्टर-32, चंडीगढ़ शाखा में हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नाम पर बिना

विभागीय अनुमति और बिना किसी आधिकारिक रिकॉर्ड के गुप्त रूप से बैंक खाता खुलवाया था। इसी खाते के माध्यम से बाद में करोड़ों रुपये के कथित फर्जी वित्तीय लेनदेन किए गए।

फर्जी खाते से निकाली गई सरकारी राशि

जांच एजेंसी के मुताबिक, बोर्ड के सरकारी धन को चेक और डेबिट नोट के माध्यम से खाते से निकालकर उन शेल कंपनियों में भेजा गया, जिन्हें आरोपी नियंत्रित और संचालित कर रहे थे। सीबीआई का कहना है कि यह पूरा तंत्र सरकारी धन की हेराफेरी को अंजाम देने के लिए तैयार किया गया था।

पकड़ से बचने के लिए अपनाया नया तरीका

सीबीआई की जांच में यह भी सामने आया कि बैंक खाते में अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता परवीन कुमार थे, लेकिन खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर विभाग के किसी कर्मचारी का नहीं, बल्कि एक अन्य आरोपी का दर्ज कराया गया था, जो हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में कार्यरत ही नहीं था। जांच एजेंसी का मानना है कि ऐसा संदिग्ध लेनदेन को छिपाने और निगरानी से बचने के उद्देश्य से किया गया।

पहले भी हो चुकी हैं गिरफ्तारियां

सीबीआई ने बताया कि इस मामले में अब तक हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दो अन्य अधिकारियों को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। परवीन कुमार की गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में गिरफ्तार सरकारी अधिकारियों की संख्या बढ़ गई है। पड़ताल की जा रही है।

504 करोड़ रुपए का बड़ा घोटाला

सीबीआई के अनुसार, यह मामला केवल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तक सीमित नहीं है, बल्कि सेक्टर-32 स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक शाखा से जुड़े 504 करोड़ रुपये के बड़े घोटाले का हिस्सा है। जांच में सामने आया है कि हरियाणा सरकार के आठ विभागों के लगभग 504 करोड़ रुपये फर्जी अथवा अस्तित्वहीन फिक्स्ड डिपॉजिट और डेबिट नोट के जरिए निकालकर शेल कंपनियों में ट्रांसफर किए गए।

17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट, 25 गिरफ्तार

सीबीआई ने इस मामले में अब तक 17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इनमें आईडीएफसी बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के 6 बैंक अधिकारी, हरियाणा सरकार के 3 लोक सेवक, 2 कंपनियां, 6 निजी व्यक्ति शामिल हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, इस पूरे मामले में अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल ने गंगा पुनर्जीवन हेतु सशक्त कार्यबल की 19वीं बैठक की अध्यक्षता की

गंगा नदी का पुनर्जीवन एक साझा राष्ट्रीय जिम्मेदारी सभी हितधारकों का सतत सहयोग जरूरी: पाटिल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने गुरुवार को कहा कि गंगा नदी का पुनर्जीवन एक साझा राष्ट्रीय जिम्मेदारी है, जिसके लिए केंद्र सरकार के मंत्रालयों, राज्य सरकारों, शहरी स्थानीय निकायों, वैज्ञानिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों के बीच सतत सहयोग आवश्यक है।

नदी पुनर्जीवन के समग्र दृष्टिकोण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करते हुए, गंगा नदी पर सशक्त कार्यबल की 19वीं बैठक जल शक्ति मंत्री पाटिल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नमामि गंगे कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की गई तथा बेहतर आधारभूत संरचना, वैज्ञानिक जल प्रबंधन, नीतिगत सुधारों और विभिन्न हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से नदी पुनर्जीवन की गति तेज करने के उद्देश्य से प्रमुख हस्तक्षेपों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने भी सहभागिता की। इसके साथ ही विभिन्न मंत्रालयों और राज्य

सरकारों के प्रमुख हितधारकों ने भी बैठक में भाग लिया। इनमें जल संसाधन विभाग के सचिव वी.एल. कांताराव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अशोक केके मीना, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल तथा जल संसाधन विभाग के संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार गौरव मसालदान सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

मंत्री पाटिल को अवगत कराया गया कि अब तक कुल 524 परियोजनाओं को स्वीकृति दी जा चुकी है, जिनकी अनुमानित लागत 43,031 करोड़ रुपए है, जिनमें से 363 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। सीवरेज अवसंरचना के अंतर्गत 218 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनकी उपचार क्षमता 6,610 एमएलडी तथा सीवर नेटवर्क 5,233 किलोमीटर है, जबकि 145 सीवरेज परियोजनाएं पहले ही पूर्ण हो चुकी हैं, जिनके माध्यम से 4,263 एमएलडी उपचार क्षमता का सृजन एवं पुनर्स्थापन तथा 4,611 किलोमीटर से अधिक सीवर नेटवर्क का निर्माण किया गया है। इस कार्यक्रम में अब तक 21,550 करोड़ रुपए से अधिक व्यय दर्ज किया गया है, जो गंगा बेसिन राज्यों में परियोजनाओं के सतत क्रियान्वयन को दर्शाता है।

बैठक में वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजना क्रियान्वयन की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि इस वित्त वर्ष में कार्यक्रम के तहत 538 एमएलडी सीवेज उपचार क्षमता जोड़ी गई, जिससे कुल संचयी सीवेज उपचार क्षमता लगभग 4,260 एमएलडी तक पहुंच गई है। मंत्री महोदय ने कार्यान्वयन में निरंतर सुधार की सराहना की तथा राज्यों को सभी चल रही परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने हेतु गति बनाए रखने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि आगरा स्थित 100 एमएलडी धंधूपुरा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के ट्रायल परीक्षण आरंभ हो चुका है, जो चालू होने के बाद यमुना नदी में जाने वाले अनुपचारित अपशिष्ट जल को काफी हद तक कम करेगा। शहरी नदी प्रबंधन में प्राकृतिक-आधारित समाधानों की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए बैठक में दिल्ली के शास्त्री पार्क और कैलाश नगर नालों के इन-सिटू उपचार हेतु विकसित किए जा रहे कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड सिस्टम की प्रगति की समीक्षा की गई।

मंत्री ने पारिस्थितिक पुनर्स्थापन उपायों जैसे डी-सिल्टिंग, तटबंध निर्माण, जलीय पौधरोपण और स्टोन पिचिंग की सराहना की तथा अधिकारियों को समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि ये परियोजनाएँ सतत अपशिष्ट जल प्रबंधन के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकें।

उज्जैन जमीन घोटाले को लेकर कांग्रेस मध्य प्रदेश में भाजपा के खिलाफ शुरू करेगी बड़ा अभियान

कांग्रेस की मांग- मुख्यमंत्री मोहन यादव इस्तीफा दें, सरकार मामले पर श्वेत पत्र जारी करे

प्रवीण पाठक बोले- मध्य प्रदेश सिर्फ आरएसएस की कार्यशाला ही नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की भी कार्यशाला बना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

महादेव की नगरी उज्जैन में हुए जमीन घोटाले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ मध्य प्रदेश में बड़ा अभियान शुरू करने का ऐलान

किया है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य और पूर्व विधायक प्रवीण पाठक ने मांग की कि भाजपा सरकार उज्जैन में हुए घोटाले पर श्वेत पत्र जारी करे। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो इस भूमि घोटाले की जांच सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में की जाए, न्यायिक समिति का गठन हो। जांच पूरी होने तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव अपने पद से इस्तीफा दें। प्रवीण पाठक ने बताया कि उज्जैन से अयोध्या तक हुई लूट को उजागर करने के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेता पूरे प्रदेश में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। मध्य प्रदेश में एक ऑनलाइन पोर्टल भी लॉन्च किया जाएगा, जहां आम जनता विभिन्न विभागों और अधिकारियों के भ्रष्टाचार की शिकायतें सीधे दर्ज करा सकेगी। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई को कांग्रेस कार्यकर्ता भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे; 20 जुलाई से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में सरकार और मुख्यमंत्री से इन मुद्दों पर सीधे जवाब मांगा जाएगा।

कांग्रेस नेता ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव जब भी किसी जिले के दौरे पर जाएंगे, वहां जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उनसे उज्जैन भूमि खरीद घोटाले पर सीधे और स्पष्ट प्रश्न पूछेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी सरकार नहीं जागेगी तो उज्जैन में ऐतिहासिक आंदोलन किया जाएगा। प्रवीण पाठक ने तंज कसते हुए कहा कि कहावत है कि नेता को जमीन से जुड़ा होना चाहिए, लेकिन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री जमीन से तो नहीं जुड़े, बल्कि जमीनों से जुड़ गए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री पर एकड़ों में संपत्ति बढ़ाने, ट्रस्ट को जमीनें देने और विभिन्न कंपनियों में शेयर होल्डिंग से जुड़े गंभीर आरोप लगे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और उमंग सिंघार द्वारा कई बार सबूत पेश किए जाने के बाद भी मुख्यमंत्री एवं भाजपा का शीर्ष नेतृत्व पूरी तरह मौन है। भाजपा के दो दशक के शासन पर हमला बोलते हुए पाठक ने कहा कि जिस मध्य प्रदेश को कभी समृद्ध और गौरवशाली राज्य माना जाता था, उसे भाजपा के मुख्यमंत्रियों ने कलंकित कर दिया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सिर्फ आरएसएस की कार्यशाला नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की भी कार्यशाला बन गया है। व्यापम घोटाले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश का युवा आज जिस पेपर लीक और घोटालों का दंश झेल रहा है, उसकी शुरुआत मध्य प्रदेश के व्यापम से ही हुई थी, जिसने राज्य की एक पूरी पीढ़ी का भविष्य निगल लिया।

डीजीपी के पास पहुंची रिपोर्ट, सियासत गरमाई

सरकारी कार्यों की गोपनीयता पर संकट

विजय की कैबिनेट मीटिंग में 'गोपनीय' लोगों का 'बेवजह' प्रवेश अनुचित

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय के आसपास मंडराने वाले लोग कौन हैं? उनकी जिस तरह से सरकार से लेकर टीवीके के संगठन तक में सुलभ एंट्री है, इससे सरकारी कार्यों की गोपनीयता पर किसी तरह का संकट है। ये सियासी गलियारों में अब यह गंभीर चर्चा का मुद्दा बन चुका है। विजय के आसपास रहने वालों में उनके राजनीतिक सलाहकारों के अलावा फिल्मों के मैनेजर, प्रोडक्शन कंट्रोलर, कैंपेन स्ट्रैजिस्ट, पत्रकार, कारोबारी के अलावा लंबे समय से वफादारी निभा रहे लोग शामिल हैं।

डीएमके ने की शिकायत

डीएमके की ओर से इस संबंध में तमिलनाडु के डीजीपी के पास 30 जून को औपचारिक शिकायत की गई है और जॉन अरोकिआसामी और विष्णु रेड्डी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है।

ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट का उल्लंघन : शिकायत में कहा गया कि इस तरह से अनिधिकृत लोगों का अहम और गोपनीयता वाली जगहों पर मौजूद होना ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट और अन्य कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन है। वे गोपनीयता से बंधे हुए हैं।

पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0 और ऑटो म्यूटेशन व्यवस्था की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

जमीन से जुड़े सभी काम हों आसान, पारदर्शी और समय पर भी पूरे किए जाएं: नायब सैनी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा राजस्व तंत्र विकसित करना है,

जहां जमीन की खरीद-बेच, रजिस्ट्री और इंतकाल (म्यूटेशन) से जुड़े सभी काम सरल, सुरक्षित, पारदर्शी और तय समय में पूरे हों। आमजन और किसानों को सरकारी दफ्तरों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें अधिक से अधिक सुविधाएं घर बैठे मिल सकें। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0 तथा ऑटो म्यूटेशन व्यवस्था की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, वित्तीय आयुक्त एवं राजस्व, आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के उपप्रधान सचिव डॉ. यशपाल सहित अधिकारीगण मौजूद थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस दौरान विदेश में गए हरियाणा के व्यक्ति के पास क्या कोई रजिस्ट्री आनलाइन करवाने का विकल्प है, इस बारे भी चर्चा की। जिस पर उन्होंने इस दिशा में विडियो कॉल इत्यादि या अन्य आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल कर इस दिशा में कार्य करने को भी कहा।

बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने मुख्यमंत्री को बताया कि पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0 में नागरिकों और अन्य हितधारकों से मिले सुझावों के आधार पर कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया को पहले से अधिक आसान बनाया गया है, ताकि आम लोगों को रजिस्ट्री कराने में किसी तरह की परेशानी न हो। नई व्यवस्था में आधार आधारित ई-केवाईसी, डिजिटल हस्ताक्षर और बायोमीट्रिक सत्यापन को अनिवार्य किया गया है, जिससे दस्तावेजों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ेगी। प्रत्येक दस्तावेज पर क्यूआर कोड होना भी सुनिश्चित किया गया है, ताकि डॉक्यूमेंट ओरिजनल बारे भी तस्दीक हो सके। इसके साथ ही ऐसी व्यवस्था भी की गई है कि प्राप्त आवेदन में से 20 एसडीएम और 20 रजिस्ट्री आवेदन डीआरओ को भी जाएंगे, ताकि पारदर्शिता भी सुनिश्चित हो। अधिकारियों ने बताया कि अब डीटीपी से एनओसी जैसे दस्तावेज अलग से जमा कराने की जरूरत नहीं होगी। संबंधित विभागों से इनका सत्यापन ऑनलाइन हो जाएगा। नागरिक ऑनलाइन आवेदन की स्थिति देख सकेंगे और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त दस्तावेज तथा ई-स्टाम्प भी ऑनलाइन अपलोड कर सकेंगे। सामान्य अपॉइंटमेंट को जरूरत पड़ने पर तत्काल श्रेणी में बदलने की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है।

उन्होंने इस दौरान तत्काल रजिस्ट्री प्रक्रिया के शुरू होने के बाद बढ़े रेवेन्यू बारे भी मुख्यमंत्री को अपडेट दिया। खाता काश्त पर करे फोक्स, विदेश से भी हो पाएं रजिस्ट्री मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस बीच अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाता काश्त में मालिकाना हक संबंधित कार्य भी जल्द पूरा किया जाए। जिस पर अधिकारियों ने कहा कि इस दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा किए गए इन सुधारों से रजिस्ट्री और म्यूटेशन की पूरी प्रक्रिया पहले से अधिक आसान, तेज और पारदर्शी बनेगी। लोगों का समय और पैसा दोनों बचेंगे, तहसीलों के अनावश्यक चक्कर कम होंगे और फर्जीवाड़े पर भी प्रभावी रोक लगेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नई व्यवस्था का लाभ प्रदेश के हर नागरिक तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे और इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में लंबित सभी पुराने इंतकालों को अगले एक माह के भीतर निपटाने के निर्देश दिए हैं।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 तक करें नामांकन

खेल, विज्ञान और वीरता के लिए बच्चों को मिलेगा उच्चस्तरीय सम्मान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देश के उन बच्चों को दिया जाता है, जिन्होंने कम उम्र में अपनी असाधारण प्रतिभा, साहस और समाज के प्रति योगदान से विशेष पहचान बनाई है। उम्मीदवारों के लिए आवेदन और नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। सभी नामांकन ऑनलाइन पोर्टल अवार्ड्स डॉट जीओवी डॉट इन से ही स्वीकार किए जाएंगे। इस पुरस्कार के लिए कोई भी नागरिक, स्कूल, शैक्षणिक संस्थान, सामाजिक संगठन या अन्य संस्था योग्य बच्चों का नामांकन कर सकती है। बच्चे स्वयं भी सेल्फ-नॉमिनेशन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट बच्चों को मिलेगा सम्मान

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हों। पुरस्कार के लिए निम्नलिखित श्रेणियां निर्धारित की गई हैं।

- खेल
- सामाजिक सेवा
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- पर्यावरण संरक्षण
- कला एवं संस्कृति

विपरीत परिस्थितियों में अद्वितीय वीरता

मंत्रालय के अनुसार, यह पुरस्कार उन बच्चों को भी दिया जाता है जिन्होंने कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में असाधारण साहस और बहादुरी का परिचय देकर दूसरों की जान बचाई हो या समाज के लिए प्रेरणादायक कार्य किया हो।

प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का मंच

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत सरकार का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो बच्चों की असाधारण उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रदान किया जाता है। यह सम्मान न केवल बच्चों की प्रतिभा और मेहनत को प्रोत्साहित करता है, बल्कि अन्य बच्चों को भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने देशभर के नागरिकों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और अभिभावकों से अपील की है कि वे ऐसे प्रतिभाशाली और प्रेरणादायक बच्चों का नामांकन अवश्य करें, जिन्होंने अपने कार्यों से समाज और देश का गौरव बढ़ाया है।

पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने दिए सकारात्मक संकेत

तेल की कीमतें निचले स्तर पर, हम फ्यूल के दाम घटाने पर करेंगे विचार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अगर सबकुछ ठीक रहा तो आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम घट सकते हैं। पुरी ने कहा कि तेल कीमतों के कुछ सप्ताह तक निचले स्तर पर बने रहने पर पेट्रोल-डीजल के दाम में कटौती पर विचार करना उचित होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम घटे हैं लेकिन कंपनियां अब भी पश्चिम एशिया संकट के दौरान खरीदे गए कच्चे तेल का ही प्रोसेसिंग कर रही हैं। पुरी ने बताया कि 30 जून की अवधि तक पेट्रोल-डीजल और एलपीजी को लागत से कम दाम पर बेचने की वजह से पेट्रोलियम कंपनियों को 74,781 करोड़ का नुकसान हुआ है।

तेल कंपनियां एशिया संकट के दौरान खरीदे गए कच्चे तेल को तैयार कर रहीं

कटौती का दौर शुरू

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के कारण कटौती का दौर शुरू हो गया है। 1 जुलाई को विमान ईंधन और कॉमर्शियल एलपीजी की कीमतों में कटौती की गई। निजी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल के दाम घटाए, जो दो साल से अधिक समय में उसकी पहली कटौती है।

तेल कंपनियों पर टिकी निगाहें

अब सरकारी तेल कंपनियों पर निगाहें हैं। इंडियन ऑयल और एचपी जैसी कंपनियां कब तक पेट्रोल-डीजल के दाम घटाती हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन,भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड अहम हैं।

अप्रैल-मई में खरीदे गए ईंधन की प्रोसेसिंग हो रही

कंपनियां ईंधन उत्पादन के लिए कच्चा तेल आमतौर पर कम-से-कम दो महीने पहले खरीदती हैं। ऐसे में वर्तमान में जिस कच्चे तेल का प्रोसेसिंग हो रहा है, वह मुख्य रूप से अप्रैल या मई की शुरुआत में खरीदा गया था जब कीमतें काफी ऊंची थीं। जून के दूसरे पखवाड़े से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आनी शुरू हुई है। पुरी ने कहा कि कंपनियां ईंधन उत्पादन के लिए कच्चा तेल आमतौर पर कम-से-कम दो महीने पहले खरीदती हैं। अप्रैल या मई की शुरुआत में खरीदा गया था।

तो क्या शिव सेना और एनसीपी की तर्ज पर ऋतब्रत होंगे असली तृणमूल के हकदार?

जवाबों और साक्ष्यों के आधार पर लिया जाएगा फैसला

कौन है असली तृणमूल, चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी और ऋतब्रत से मांगा जवाब, सोमवार तक देना होगा स्पष्टीकरण

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

शिव सेना और एनसीपी के बाद अब तृणमूल कांग्रेस को लेकर चुनाव आयोग फैसला देगा। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी असली तृणमूल है या पार्टी में टूट के बाद विधायक अलग गुट से विधायक दल के नेता बने ऋतब्रत बनर्जी का तृणमूल पर दावा सही है ! ऐसा ही सिलसिला महाराष्ट्र के शिव सेना और एनसीपी में हुए टूट के बाद चला था। दोनों मामले में फैसला पार्टी तोड़ने वाले नेताओं के पक्ष में गया। शिव सेना नाम और तीर कमान चुनाव चिन्ह के नेता बने एकनाथ शिंदे और एनसीपी पार्टी मय घड़ी चुनाव चिन्ह चला गया तत्कालीन नेता स्वर्गीय अजित पवार के पास। ठीक वैसा ही मसला पश्चिम बंगाल को लेकर फंसा हुआ है। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस में संगठनात्मक चुनाव और पार्टी के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं को लेकर उभरे विवाद पर भारत निर्वाचन आयोग ने औपचारिक कार्रवाई शुरू कर दी है। आयोग ने पार्टी के दोनों गुटों की ओर से किए गए दावों और प्रतिदावों का संज्ञान लेते हुए ममता बनर्जी और ऋतब्रत बनर्जी को अलग-अलग पत्र जारी किए हैं। निर्वाचन आयोग ने दोनों पक्षों से कहा है कि वे अपने-अपने दावों के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज और लिखित जवाब सोमवार, 6 जुलाई को शाम 5:30 बजे तक प्रस्तुत करें।

क्या है विवाद?

सूत्रों के अनुसार, विवाद तृणमूल कांग्रेस के संगठनात्मक चुनावों की वैधता और पार्टी की ओर से अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता कौन हैं, इसे लेकर है। दोनों गुटों ने आयोग के समक्ष अलग-अलग दावे किए हैं और एक-दूसरे के दावों को चुनौती दी है। अब आयोग दोनों पक्षों के दस्तावेजों और साक्ष्यों की जांच करेगा।

शिवसेना और एनसीपी जैसे मामलों की याद

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह घटनाक्रम शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में हुए विभाजन के मामलों की याद दिलाता है। उन मामलों में भी पार्टी के दो गुटों ने खुद को वास्तविक संगठन बताया था। इसके बाद निर्वाचन आयोग ने दोनों पक्षों से संविधान, संगठनात्मक चुनाव, विधायकों और सांसदों का समर्थन तथा अन्य दस्तावेज मंगाकर सुनवाई की थी। आयोग ने यह तय किया था कि किस गुट को वास्तविक राजनीतिक दल के रूप में मान्यता मिलेगी और चुनाव चिन्ह किसे आवंटित किया जाएगा। इसी तरह, यदि टीएमसी के विवाद का समाधान आपसी सहमति से नहीं होता, तो आयोग दोनों पक्षों की सुनवाई कर साक्ष्यों के आधार पर आगे का निर्णय ले सकता है। फिलहाल आयोग ने केवल दोनों पक्षों से जवाब और दस्तावेज मांगे हैं। आयोग का अगला कदम दोनों गुटों के जवाबों और उपलब्ध साक्ष्यों के परीक्षण के बाद तय होगा। तय क्या होगा, वो निर्णयों की कसौटी पर ही कसा जाएगा।

खबर संक्षेप

सुजुकी मोटरसाइकिल की बिक्री में 21 फीसदी इजाफा

मुंबई। जापान की दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी सुजुकी इंडिया की जून में कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 1,15,030 इकाई हो गई। कंपनी ने जून 2025 में कुल 95,244 दोपहिया वाहन बेचे थे। घरेलू बिक्री 23 प्रतिशत बढ़कर 91,264 इकाई रही, जो एक वर्ष पहले इसी महीने 73,934 इकाई थी।

एनबीसीसी ने 955 करोड़ रुपये के निर्माण ठेके दिए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में विभिन्न निर्माण परियोजनाओं के लिए 955.13 करोड़ रुपये के ठेके दिए हैं। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के दौरान उसने 955.13 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों के ठेके प्रदान किए।

एस. के. सिन्हा ने किया कार्यभार ग्रहण

नई दिल्ली। श्री एस. के. सिन्हा ने आज भारत की अग्रणी एकीकृत ऊर्जा कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड के निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण किया।

निदेशक मंडल में शामिल होने से पहले, उन्होंने कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं लेखा) के रूप में कार्य किया है। तेल और गैस क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक के समृद्ध करियर के साथ एक योग्य लागत एवं प्रबंधन लेखाकार, श्री सिन्हा के पास कॉर्पोरेट वित्त, कॉर्पोरेट खाते, प्रबंधन लेखा, निवेशक संबंध, कराधान, ट्रेजरी और बैंकिंग संचालन, लागत, बजट, परियोजना मूल्यांकन और विलय एवं अधिग्रहण में व्यापक विशेषज्ञता प्राप्त है।

'आईटीसी' कोला मार्केट में वैश्विक दिग्गज कंपनियों को चुनौती देने उतरी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत के कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक (कोल्ड ड्रिंक) बाजार में मुकाबला तेज हो गया है। अब आईटीसी ने भी प्रीमियम शुगर-फ्री कोला लांच कर दिया है। इसके साथ ही कंपनी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज की तरह कोका -कोला और पेप्सी जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियों को चुनौती देने की तैयारी कर ली है।

■ रिलायंस की तरह कोकाकोला और पेप्सी को चुनौती देने की तैयारी

आईटीसी ने अपने बी नेचरल बेवरेज ब्रांड के तहत कोकोनट कोला पेश किया है। यह ड्रिंक नारियल पानी से तैयार की गई है। फिलहाल कंपनी इसे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बेच रही है। इसके बाद इसे पूरे देश में लांच किया जाएगा। कंपनी की नजर भारत के तेजी से बढ़ रहे डाइट कोला सेगमेंट पर है।

आईटीसी ने प्रीमियम शुगर-फ्री कोला बाजार में लांच कर दिया

कीमत में किसका कितना मुकाबला?

आईटीसी ने अपनी 250 मिलीलीटर कोकोनट कोला की कीमत 60 रुपए रखी है। वहीं डायट कोक और पेप्सी ब्लैक शुगर की 300 मिलीलीटर कैन 40 रुपए में मिलती है। कुछ बाजारों में इनके 10 और 20 रुपए वाले पैक भी उपलब्ध हैं। दो साल पहले रिलायंस ने कैम्पा ब्रांड को दोबारा लांच कर 200 मिलीलीटर की बोतल सिर्फ 10 रुपए में बेचकर कीमतों की जंग छेड़ दी थी। इसके बाद दूसरी कंपनियों को भी कीमतें घटानी पड़ीं, जिससे पूरे बेवरेज बाजार पर असर पड़ा।

हेल्दी ड्रिंक्स की बढ़ रही है मांग

देश में शुगर-फ्री और कम चीनी वाले पेय पदार्थों की मांग तेजी से बढ़ रही है। लोग अब पहले के मुकाबले हेल्दी विकल्प चुन रहे हैं। इसका असर कार्बोनेटेड और नॉन-कार्बोनेटेड दोनों तरह के ड्रिंक्स पर दिख रहा है। उदाहरण के तौर पर, पेप्सी की बॉटलिंग पार्टनर वरुण बेवरेज ने मार्च तिमाही में बताया कि उसकी कुल बिक्री का 63 प्रतिशत हिस्सा लो-शुगर और नो-शुगर ड्रिंक्स से आया।

नए फ्लेवर और वैरिएंट लाएगी आईटीसी

आईटीसी आने वाले समय में अपने कार्बोनेटेड ड्रिंक्स पोर्टफोलियो में नए फ्लेवर और वैरिएंट जोड़ने की तैयारी कर रही है। कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव पुरी ने कहा कि आईटीसी नए फ्लेवर, अलग-अलग वैरिएंट और विभिन्न पैक साइज के जरिए अपने बेवरेज कारोबार का विस्तार करेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी ई-कॉमर्स, मॉडर्न ट्रेड और पारंपरिक रिटेल चैनलों के जरिए बिक्री बढ़ाने पर जोर देगी। उनका कहना है कि भारत का बेवरेज बाजार बहुत बड़ा है और आईटीसी का फोकस प्रीमियम सेगमेंट पर रहेगा।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश की रफ्तार तेज की

विनिवेश ने पकड़ी रफ्तार, पहली तिमाही में बजट लक्ष्य का 31 प्रतिशत राजस्व जुटाया

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश और परिसंपत्ति मौद्रीकरण की रफ्तार तेज कर दी है और पहली तिमाही में ही समूचे वित्त वर्ष के बजट लक्ष्य का करीब 31 प्रतिशत जुटा लिया है। यह किसी भी वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विनिवेश प्रक्रिया की अब तक की सबसे तेज प्रगति मानी जा रही है। सरकार मई के मध्य से जून के बीच लगभग हर सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी (पीएसयू) में हिस्सेदारी बेचने के लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) लेकर आई। इस दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के छह प्रतिष्ठानों में हिस्सेदारी बेचकर सरकार ने कुल 18,561 करोड़ रुपये जुटाए।

इनविट के जरिए 6,367 करोड़ प्राप्त हुए

यह हिस्सेदारी बिक्री सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कोल इंडिया, एनएचपीसी, एनएलसी इंडिया, जीआईसी और आईआरएफसी में की गई। इसके अलावा, अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) के जरिये परिसंपत्तियों को बाजार पर चढ़ाने से भी 6,367 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। इस तरह विनिवेश एवं मौद्रीकरण के जरिये अब तक कुल 24,928 करोड़ रुपये जुटाए जा चुके हैं, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इसके लिए 80,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है।

विनिवेश प्रक्रिया की अब तक की सबसे तेज प्रगति मानी जा रही

मई के मध्य से जून के बीच हर सप्ताह एक ओएफएस लेकर आई

छह पीएसयू में हिस्सेदारी बेचकर कुल 18,561 करोड़ रुपए जुटाए

अल नीनो का मानसून पर असर पड़ने की चिंता

दूसरी ओर, राजस्व और पूंजीगत व्यय क्रमशः 15.3 प्रतिशत और 20.5 प्रतिशत रहा। सरकार के सामने उर्वरक सब्सिडी के लगभग दोगुना होकर तीन लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने और कच्चे तेल के आयात बिल बढ़ने की चुनौती है। साथ ही, अल नीनो प्रभाव के कारण मानसून पर पड़ने वाले असर की भी चिंता है। ऐसे में 4.3 प्रतिशत राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करने के लिए विनिवेश और परिसंपत्ति मौद्रीकरण से होने वाली आय अहम भूमिका निभाएगी

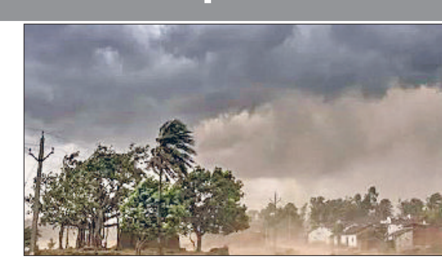

सरकार ने एलआईसी में 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची

इससे पहले मई, 2022 में सरकार ने एलआईसी में 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 20,500 करोड़ रुपये जुटाए थे। इसके अलावा आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश पर भी काम जारी है। इस दिशा में पहला प्रयास नाकाम रहने के बावजूद सरकार नई बोलियां आमंत्रित कर इस प्रक्रिया को तेज करने की तैयारी में है। विनिवेश के मोर्चे पर सरकार की यह सक्रियता बढ़ते राजकोषीय दबाव के बीच सामने आई है।

सरकार ने तैयार की विनिवेश की रूपरेखा

सरकार ने आगे भी सार्वजनिक क्षेत्र की कई कंपनियों के विनिवेश की रूपरेखा तैयार कर ली है और उम्मीद है कि वह तय लक्ष्य को पार कर सकती है। इस साल का सबसे बड़ा विनिवेश भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में हो सकता है। सरकार की एलआईसी में हिस्सेदारी 96.5 प्रतिशत है, जिसे मई, 2027 तक घटाकर 90 प्रतिशत करना अनिवार्य है।

डॉलर के कमजोर होने से सोना-चांदी मजबूत

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में 3,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुझान और डॉलर के कमजोर होने के कारण सोने की मांग में तेज़ी आई। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, दो दिन की गिरावट के बाद, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार के 1,44,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से 3,000 रुपये बढ़कर 1,47,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। चांदी की कीमतों में लगातार तीसरे सत्र में तेज़ी जारी रही और यह 5,000 रुपये बढ़कर 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई।पिछले सत्र में चांदी 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। व्यापारियों ने कहा कि विदेशी बाजारों में तेज़ी के बाद सोने की कीमतों में सुधार हुआ, जबकि औद्योगिक और निवेश मांग के कारण चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही।

ब्याज दरों में जल्दी बढ़ोतरी की चिंता हुई कम

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श ने बाज़ार की उम्मीदों के मुकाबले कम सख़्त रुख अपनाया, जिससे ब्याज दरों में जल्द बढ़ोतरी की चिंताएं कम हुईं।''

सोना हाजिर में भी इजाफा

वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना 38.75 डॉलर या एक प्रतिशत बढ़कर 4,070.04 डॉलर प्रति औंस हो गया और चांदी 1.3 प्रतिशत बढ़कर 59.89 डॉलर प्रति औंस हो गई।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

रुपया 18 पैसे की गिरावट के साथ 95.34 प्रति डॉलर

मुंबई। रुपया बृहस्पतिवार को अपनी शुरुआती बढ़त बरकरार नहीं रख सका और 18 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.34 (अस्थायी) पर रहा। हेजिंग करने वालों की मजबूत डॉलर मांग भारी पड़ गई। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण अमेरिकी डॉलर में आई रात भर की कमी से भारतीय रुपया बढ़त के साथ खुला। हालांकि, एफआईआई की निकासी और हेजिंग करने वालों की ओर से डॉलर की मांग के कारण रुपया अपनी शुरुआती बढ़त गंवा बैठा।

आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार में दूसरे दिन तेजी

एजेंसी ▸▸| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। कच्चे तेल के दाम में गिरावट, वैश्विक स्तर पर सकारात्मक घटनाक्रमों और आईटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 579 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी में 170 अंक की तेजी रही।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 579.48 अंक बढ़कर 77,502.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 656.29 अंक चढ़कर 77,578.93 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी 169.85 अंक की तेजी के साथ 24,175.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस 5.64 प्रतिशत चढ़ा। इसके बाद क्रमशः टेक महिंद्रा (4.32 प्रतिशत), टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (4.28 प्रतिशत) और एचसीएल टेक (4.12 प्रतिशत) का स्थान रहा। बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन और आईसीआईसीआई बैंक में भी तेजी रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, मारुति सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.94 प्रतिशत चढ़ा, जबकि बीएसई स्मॉलकैप 0.68 प्रतिशत के लाभ में रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.45 प्रतिशत टूटकर 70.53 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। भारत और जापान ने बृहस्पतिवार को आर्थिक साझेदारी रूपरेखा और सैन्य उपकरणों को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए रक्षा समझौते समेत कई महत्वपूर्ण कदमों की घोषणा की।

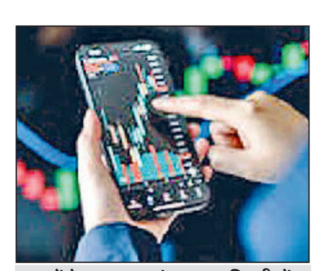

■ सेंसेक्स 579 अंक चढ़ा, निफ्टी में 170 अंक की तेजी

एशियाई बाजार में रहा मिलाजुला रुख

एशियाई के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे जबकि हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। बुधवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे।

भारतीय रेल ने माल ढुलाई में 4 % स्थिर वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली। भारतीय रेल ने देश के विकास इंजन के रूप में अपनी भूमिका सुदृढ़ करते हुए, जून 2026 में 142 मिलियन टन माल ढुलाई की

पिछले महीने उर्वरकों की ढुलाई में 19.1 प्रतिशत, अन्य वस्तुओं की ढुलाई में 17.3 प्रतिशत, लौह अयस्क की ढुलाई में 9.4 प्रतिशत और बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में माल ढुलाई 419 मिलियन टन से अधिक और वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के प्रदर्शन के पार पहुंची यात्री यातायात लगभग 64 करोड़ पहुंचा, 164 वंदे भारत और 72 अमृत भारत सेवाएं गर्मियों के दौरान जारी रहने से आम लोगों को सुरक्षित, विश्वसनीय और किफायती यात्रा मिल रही है भारतीय रेल ने जून 2026 के दौरान मजबूत परिचालन प्रदर्शन जारी रखते हुए माल ढुलाई और यात्री सेवाओं दोनों में स्थिर वृद्धि दर्ज की है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री नरेंद्र भाटिया दिनांक 30 जनवरी 2026 से M/s Life Care Homoeo (GSTIN:06AAJFL3145J1Z9) से सेवानिवृत्त/पृथक हो चुके हैं। इस संबंध में दिनांक 07 मई 2026 को विघटन विलेख (Dissolution Deed) निष्पादित किया गया है। दिनांक 30 जनवरी 2026 से श्री नरेंद्र भाटिया का उक्त फर्म से कोई संबंध नहीं है तथा वे फर्म की किसी भी भूतपूर्व, वर्तमान अथवा भविष्य की देनदारी, दायित्व, लेन-देन, दावा अथवा कार्यवाही के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। सभी संबंधित व्यक्तियों से अनुरोध है कि उपरोक्त सूचना का संज्ञान लें।

श्री नरेंद्र भाटिया
पूर्व साझेदार, M/s Life Care Homoeo

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता (निर्माण), उत्तर रेलवे, शिवाजी ब्रिज, दिल्ली निम्न लिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	आनंद विहार स्थित कोचिंग मेंटेनेंस कॉम्प्लेक्स में हाई-स्पीड ट्रेनों के रखरखाव की सुविधा के लिए वॉशिंग-कम-पिट लाइनों पर कवर्ड शेड बनाने सहित, रखरखाव सुविधाओं के अपग्रेडेशन से जुड़ा इलेक्ट्रिकल काम।				
कार्य समापन अवधि	12 महीने	अनुमानित लागत	₹ 5,36,86,772.43	धरोहर राशि	₹ 10,73,800/-
ई-निविदा जमा करने एवं निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक **24.07.2026** समय **15:00** बजे तक **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक **24.07.2026** समय **15:00** बजे खोला जाएगा।				
निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की जानकारी	विस्तृत निविदा सूचना उत्तर रेलवे वैबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निविदा पत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर **10.07.2026** से **24.07.2026** तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगी। उपरोक्त निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा पत्र में दिये गये हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।				

संख्याः 17-वि./ उप मु. वि. अभि./ सी./ टी./ 168 दिनांकः 01.07.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2254/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सौरभ पुत्र राकेश कुमार निवासी म. नं. बी-2/147, नंद नगरी, दिल्ली** ने केस **एफआईआर नं. 186/2016, अन्तर्गत धारा 379/411 आईपीसी, थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सौरभ** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सौरभ** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 186/2016, अन्तर्गत धारा 379/411 आईपीसी, थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सौरभ** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.08.2026** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
संघमित्र
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-01
कमरा नं. 54, द्वितीय तल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/8944/SHD/2026
(Court Matter)

विदेशी निवेशकों ने बाजार से निकाले 49,430 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी निवेशकों ने जून में बिकवाली जारी रखी और कुल 49,340 करोड़ रुपये घरेलू शेयर बाजार बाजार से निकाले। मुख्य रूप से वैश्विक जोखिम से बचने, विकसित बाजारों को प्राथमिकता और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में तेजी तथा घरेलू बाजार में अधिक मूल्यांकन की वजह से बिकवाली की गयी। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लि. के आंकड़ों के अनुसार, इस ताजा निकासी के साथ, 2026 में अब तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय इक्विटी बाजार से कुल 2.7 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके है। यह पूरे वर्ष 2025 में निकाली गई 1.66 लाख करोड़ रुपये की राशि से कहीं अधिक है। आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई फरवरी को छोड़कर 2026 के हर महीने में शुद्ध बिकवाल बने रहे। उन्होंने जनवरी में 35,962 करोड़ रुपये निकाले, जबकि फरवरी में शुद्ध लिवाल बनकर 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो 17 महीनों में सबसे अधिक मासिक प्रवाह था।

राशिफल

मेष — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष — धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन — मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह — नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर — शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ — भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

शब्द पहेली - 6275

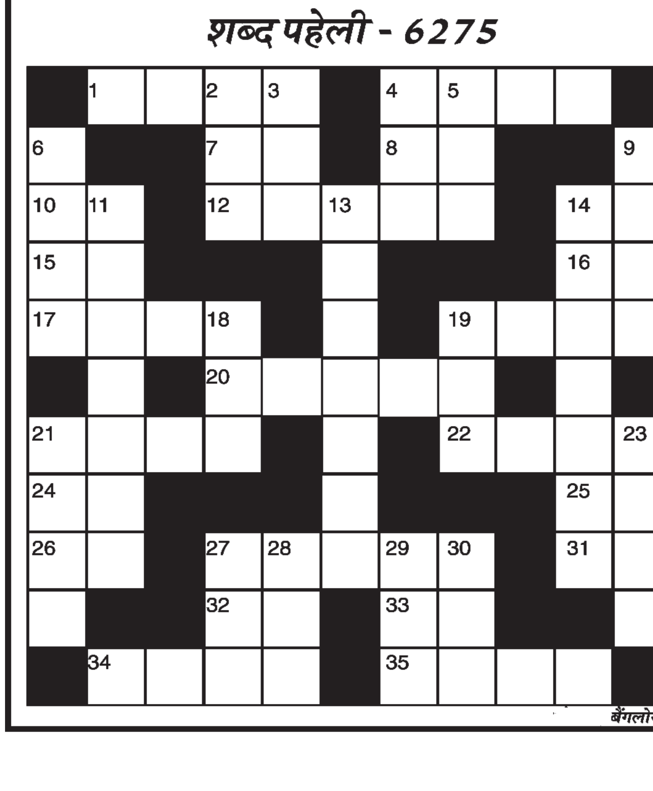

बैंगलोर

बाएँ से दाए-
1. एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4. दान देने वाला-4
7. सवारी गाड़ी-2
8. संख्या, रत्न-2
10. जाप, मंत्र पाठ-2
12. आक्रमणकारी-5
14. अपशिष्ट पदार्थ-2
15. दिन, प्रहार-2
16. भीगा हुआ-2
17. शिशु, पैदा हुआ बच्चा-4
19. कीमती-4
20. आलसी, निष्ठाहीन-5
21. जिसे दीक्षा नहीं दी गई हो-5
22. गारंटी, मुचलका-4
24. रिश्तेदार-2
25. शेर, नाहर-2
26. पिटाई, चोट-2
27. निम्नता, न्यूनता-5
31. परिणाम, निष्कर्ष-2
32. महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33. मूल, कंद-2
34. उदाहरणार्थ-4
35. पितृपक्ष-4

ऊपर से नीचे
2. सवेरा, भोर-3
3. सांभर जैसा आहार -3
4. दैत्य, असुर-3
5. शहर-3
6. तरुण, जवान-4
9. एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11. ईश्वर, रब-7
13. डांट, फटकार, भर्त्सना -3,4
14. भारत के पुर्व प्रधानमंत्री-5,2
18. अधीन-3
19. निवेदन, प्रार्थना-3
21. असमतल-4
23. धमाका, सनसनी-4
27. करिश्मा-3
28. बारीक-3
29. कपड़े धोनेवाला-3
30. पिटाई करना, भांपना-3

शब्द पहेली - 6274 का हल

र	प	ट	ना		ज		अ	प	रा	ध
	ल		म		ना	वि	क		ल	ड़
ह			ज	ल	न		ल			क
म	क	स	द		खा	ना		थ	का	न
रा		ब		म	न		ध्व		लि	
ज	प	क	र	ना		रा	ज	कु	मा	र
	ह		वा		या	त्री		ली		वा
क	रा	र		न	न		अ	न	ब	न
म			ज		चा	क	र			गी
सि	ला		ह	म	ल		दा		सां	
न	क	सी	र		क		स	दा	चा	र

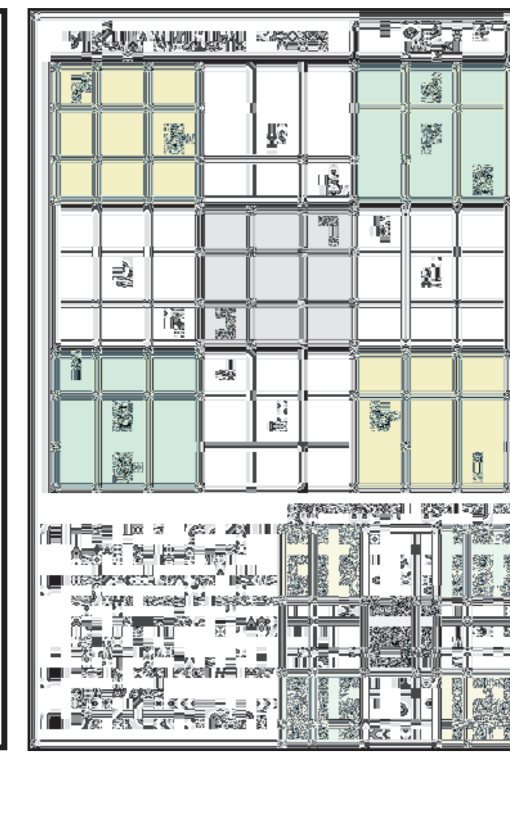

पेनल्टी पर दागे गोल से बेल्जियम ने अतिरिक्त समय में सेनेगल को हराया

एजेंसी ▶▶| सिएटल

बेल्जियम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए यहां सेनेगल को 3-2 से हराकर फुटबॉल विश्व कप के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बेल्जियम ने नियमित समय के अंतिम लम्हों में दो गोल दागकर स्कोर 2-2 किया और फिर अतिरिक्त समय में पेनल्टी पर यूरी टिलेमैन्स के गोल से जीत दर्ज की।

टिलेमैन्स ने 89वें मिनट में जर्मनी को बराबरी दिलाई और फिर अतिरिक्त समय के इंजरी टाइम में पेनल्टी पर गोल किया जो विश्व कप के इतिहास का सबसे देर से हुआ गोल था। बेल्जियम का अगला मुकाबला सोमवार को सिएटल में अमेरिका और बोस्निया-हर्जेगोविना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

पिछले 11 विश्वकप में सिर्फ दूसरा मौका

बेल्जियम की यह जीत पिछले 11 विश्व कप में सिर्फ दूसरा मौका थी जब किसी टीम ने नॉकआउट दौर में दो या उससे अधिक गोल से पिछड़ने के बाद अगले दौर में जगह बनाई। बेल्जियम ने 2018 टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जापान के खिलाफ 3-2 की जीत के दौरान भी ऐसा ही किया था। रूस में तब तीसरे स्थान पर रही बेल्जियम की उस टीम के कई अहम खिलाड़ी बुधवार की जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे।

लुकाकू व टिलेमैन्स ने दागे गोल

बेल्जियम के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे और 86वें मिनट में गोल करके बेल्जियम की वापसी की उम्मीद जगाई। तीन मिनट बाद टिलेमैन्स ने बेल्जियम के लिए एक और गोल करके मैच को अतिरिक्त समय में खींचा और फिर पेनल्टी पर गोल करके अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

बेलोगन ने बोस्निया-हर्जेगोविना के खिलाफ अमेरिका को जीत दिलाई पर लाल कार्ड मिला

एजेंसी ▶▶| सेंटा क्लारा

फोलेरिन बेलोगन ने विश्व कप के राउंड ऑफ 32 मैच में बोस्निया-हर्जेगोविना के खिलाफ टूर्नामेंट का अपना तीसरा गोल करके अमेरिका को बढ़त दिलाई लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत में उन्हें लाल कार्ड मिला जिससे मेजबान टीम को 2-0 की जीत के दौरान बाकी मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

बेलोगन ने एनबीए के लेब्रोन जेम्स के 'द साइलेंसर' मूव के साथ दो बार गोल का जश्न मनाया। उन्होंने पहली बार जब गोल किया था तो ऑफ साइड के कारण गोल को अमान्य कर दिया गया। यह टूर्नामेंट में उनका तीसरा और कुल मिलाकर 12वां अंतरराष्ट्रीय गोल था।

गोल करने के बाद बाहर होने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी

तारिक मुहरेमोविच के दाहिने टखने पर पैर रखने के कारण उन्हें ब्राजील के रैफरी राफेल क्लॉस ने 64वें मिनट में लाल कार्ड दिखाया। क्लॉस ने शुरू में कार्ड का संकेत नहीं दिया लेकिन वीडियो रिव्यू के बाद बेलोगन को लाल कार्ड दिखाया। बेलोगन विश्व कप नॉकआउट मैच में गोल करने और फिर बाहर भेजे जाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में ब्राजील के रोनाल्डिन्हो और 2006 में इटली के खिलाफ फाइनल में फ्रांस के जिनेदिन जिदान के साथ ऐसा हो चुका है। बेलोगन अब सोमवार को बेल्जियम के खिलाफ होने वाले प्री क्वार्टर फाइनल मैच से निलंबित रहेंगे। इससे पहले 31वें मिनट में ऑफ साइड के कारण बेलोगन का गोल अमान्य होने के बाद उन्होंने 45वें मिनट में अमेरिका को बढ़त दिलाई। गेंद मुहरेमोविक के पैर से टकराकर बेलोगन के सामने आई और उन्होंने अपने बाएं पैर से दनदनाता हुआ शॉट लगाकर गोलकीपर निकोला वासिलज को छकाकर गोल कर दिया। टिलमैन ने इसके बाद दूसरे हाफ में 82वें मिनट में एक और गोल दागकर अमेरिका की जीत सुनिश्चित की। बेलोगन विश्व कप में सबसे अधिक गोल करने वाले अमेरिकी खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उनसे आगे सिर्फ बर्ट पैटेनौड हैं जिन्होंने 1930 के पहले टूर्नामेंट में चार गोल किए थे।

यमाल स्पेन के लिए नॉकआउट मैच खेलने फिट : कोच

एजेंसी ▶▶| इंगलवुड (अमेरिका)

कोच लुई डे ला फुएंते ने कहा कि 18 साल के लैमिन यमाल अब इतने फिट हैं कि जरूरत पड़ने पर स्पेन के लिए पूरा विश्व कप मैच खेल सकते हैं। बार्सीलोना के इस विंगर ने स्पेन के तीन ग्रुप मैच में सिर्फ 141 मिनट खेलते हुए एक गोल किया। इस तरह वह शायद इकलौते ऐसे सुपरस्टार हैं जिन्होंने सितारों से भरे मौजूदा विश्व कप में कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। यमाल को 22 अप्रैल को पैर की मांसपेशियों में चोट लगी थी जिसके बाद उनके उबरने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए स्पेन ने उनके खेलने के समय को सीमित रखा था। नॉकआउट मुकाबले से पहले डे ला फुएंते ने सोफी स्टेडियम में संवाददाताओं से बात करते हुए संकेत दिया कि यमाल के उबरने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। स्पेन की टीम राउंड ऑफ 32 मैच में ऑस्ट्रिया का सामना करेगी। पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण ला लीगा सत्र के आखिरी छह मैच नहीं खेलने के बावजूद यमाल ने बार्सीलोना के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 24 गोल किए और 17 गोल करने में मदद की।

खबर संक्षेप

शाहरुख ने एलए नाइट राइडर्स स्टेडियम का किया उद्घाटन

कैलिफोर्निया। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान ने कैलिफोर्निया के पोमोना में एलए नाइट राइडर्स क्रिकेट स्टेडियम का आधिकारिक उद्घाटन किया। यह मैदान मेजर लीग क्रिकेट में एलए नाइट राइडर्स टीम का घरेलू मैदान होगा। इसके साथ-साथ आगामी ओलंपिक में भी इसका उपयोग किया जाएगा। बता दें कि शाहरुख नाइट राइडर्स ग्रुप के सह-मालिक हैं। इस कदम को अमेरिका में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के तौर पर भी देखा जा रहा है। शाहरुख ने एक्स पर किया पोस्ट शाहरुख ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'जो एक सपना था, वह आज हकीकत बन गया है। आप सभी का एलए के नाइट राइडर्स क्रिकेट ग्राउंड में स्वागत है।

ग्रीनलैंड और फेरो आइलैंड को ओलंपिक टीम का दर्जा नहीं देंगे : आईओसी

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि डेनमार्क की संसद के अनुरोध के बावजूद ग्रीनलैंड और फेरो आइलैंड को अलग और स्वतंत्र ओलंपिक टीम के तौर पर मान्यता नहीं दी जाएगी। ओलंपिक चार्टर में 30 साल से उस देश को ही आधिकारिक टीम रखने की इजाजत है जिसे 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा मान्यता प्राप्त स्वतंत्र देश' माना जाता है। आईओसी ने बयान में कहा कि ग्रीनलैंड और फेरो आइलैंड डेनमार्क के अंतर्गत अर्ध स्वायत्त क्षेत्र हैं और इस मानक को पूरा नहीं करते हैं। लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों का उद्घाटन औपचारिक रूप से राष्ट्रपति ट्रंप करेंगे।

दो टेस्ट मैच की सीरीज खेलने भारतीय टीम का श्रीलंका दौरा अगस्त में

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम अगस्त में श्रीलंका का दौरा करेगी और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-2027 के तहत टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेगी। 2 मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से होने वाले मैच से होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से होना है। पहला टेस्ट गॉल में और दूसरा टेस्ट कोलंबो में खेले जाने हैं। दिलचस्प रूप से भारतीय टीम लगभग एक दशक के बाद श्रीलंका दौरे पर कोई टेस्ट सीरीज खेलगी। भारतीय टीम ने 2017 में आखिरी बार श्रीलंका की धरती पर 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी। तब विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम ने सीरीज को क्लीन स्वीप किया था।

फाइल फोटो

फुटबॉल के साथ लुचा लिब्रे भी बना फुटबॉल विश्व कप का बड़ा आकर्षण

एजेंसी ▶▶| मेक्सिको सिटी

फुटबॉल के साथ-साथ मेक्सिको की विश्वप्रसिद्ध लुचा लिब्रे (मुखौटा कुश्ती) भी विश्व कप देखने पहुंचे पर्यटकों के लिए सबसे बड़े आकर्षणों में शामिल हो गई है। रंग-बिरंगे मुखौटे पहने पहलवानों से सजी सड़कें और खचाखच भरे अखाड़े इस पारंपरिक खेल की लोकप्रियता का प्रमाण हैं। दुनिया भर से आए फुटबॉल प्रशंसक मेक्सिको की इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक विरासत के रंग में पूरी तरह रंगते नजर आ रहे हैं। फुटबॉल के साथ-साथ लुचा लिब्रे भी मेक्सिको की राष्ट्रीय पहचान और जुनून का अभिन्न हिस्सा है। कुश्ती के अखाड़ों में प्रवेश करते ही दर्शक कुछ घंटों के लिए फुटबॉल विश्व कप का रोमांच भूलकर एक अलग ही दुनिया में पहुंच जाते हैं। स्टेडियमों के बाहर अब राष्ट्रीय झंडों के साथ-साथ लुचा लिब्रे के मुखौटे भी बड़ी संख्या में बिकते दिखाई देते हैं।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज सीयर्स बाहर, लिस्टर खेलेंगे वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स टखने की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह 16 खिलाड़ियों वाली टीम में बेन लिस्टर को शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि सियर्स को मई में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट मैच के बाद से ही टखने में लगातार दर्द महसूस हो रहा था। इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले गए तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन यह दर्द और बढ़ गया इसलिए एहतियात के तौर पर उन्हें आगे के इलाज के लिए न्यूजीलैंड वापस भेजने का फैसला किया गया है। लिस्टर आने वाले दिनों में गुयाना में टीम के साथ जुड़ेंगे।

कई प्रमुख खिलाड़ी नहीं हैं उपलब्ध

न्यूजीलैंड के कई प्रमुख खिलाड़ी इस वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं। साल के पहले हिस्से में ज्यादा मैच खेलने वाले काइल जैमीसन, मैट हेनरी और विल ओरूके को आराम दिया गया है। ब्लेयर टिकनर के टखने की सर्जरी होनी है। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण डेवोन कॉनवे इस दौरे पर नहीं जा पाएंगे, वहीं रचिन रविंद्र मेजर लीग क्रिकेट में हिस्सा लेने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

ऐसी है न्यूजीलैंड की टीम

मिचेल सैंटनर टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि माइकल ब्रेसवेल, जेडन लेनॉक्स और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट कैरिबियन की धीमी पिचों पर स्पिन के विकल्प देंगे।

अंडर-20 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता : अक्षय ने रजत और अनुज ने कांस्य पदक कब्जाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

थाईलैंड में आयोजित की जा रही अंडर-20 एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में भारतीय पहलवानों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतियोगिता के दौरान देश के दो होनहार युवा खिलाड़ियों ने मैट पर अपने बेहतरीन दांव-पेंच का लोहा मनवाते हुए देश की झोली में दो पदक जीते। इसमें 97 किलोग्राम में उत्तर प्रदेश के अक्षय राणा ने रजत पदक जीता। 67 किलोग्राम में हिसार के अनुज ने कांस्य पदक जीता।

अनुज रोहतक के देव कॉलोनी स्थित मेहर सिंह अखाड़े में कोच रणबीर ढाका के पास अभ्यास करता है। कोच रणबीर ढाका, अखांड़ा संचालक मोहित मलिक, कोच रवि, कोच सोनू, कोच रिंकू ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

अनुज ने 2018 में शुरू की कुश्ती

अनुज ने बताया कि उसने 2018 में कुश्ती खेलना शुरू किया था। पिता कुलदीप किसान, मां मुनि गृहिणी व तीन भाई-बहन हैं। पहलवान अनुज का घरेलू स्तर पर बेहद शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। वह इससे पहले लगातार तीन बार नेशनल चैंपियन रह चुके हैं। अप्रैल 2025 में माह में आयोजित खेलो इंडिया प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। मई 2025 में आयोजित कैडेट नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

पहले दिन प्रज्ञानानंदा संयुक्त दूसरे स्थान पर

एजेंसी ▶▶| जागरेब (क्रोएशिया)

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने ग्रैंड चेस टूर के जागरेब चरण में जर्मनी के शीर्ष वरीय विन्सेंट कीमर को हराकर अपने अभियान की शुरुआत की लेकिन अगली दो बाजियां ड्रॉ खेली और रैपिड वर्ग के पहले दिन संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे।

प्रज्ञानानंदा ने बुधवार को फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव और अपने ही देश के विश्व चैंपियन डी गुकेश के साथ कड़े मुकाबले के बाद बाजी ड्रॉ खेली और दिन का अंत चार अंक के साथ किया।

फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा शीर्ष पर

फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा अपनी शुरुआती दो बाजी जीतकर और फिर तीसरे दौर में नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ ड्रॉ खेलकर पांच अंक के साथ शीर्ष पर हैं। रैपिड प्रारूप में हर जीत के लिए दो अंक मिलते है। फिरोजा ने प्रज्ञानानंदा, गिरी, वाचियेर-लाग्रेव और कीमर पर बढ़त बना रखी है जिन सभी के चार अंक हैं। कीमर ने पहले दौर में हार के बाद दो जीत के साथ वापसी की थी।

प्रज्ञानानंद ने 26 चाल में जीत हासिल की

नॉर्वे शतरंज का खिताब जीतने वाले प्रज्ञानानंदा ने कीमर के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया और सीधे विरोधी राजा पर हमला करते हुए सिर्फ 26 चाल में जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ी का मुकाबला वाचियेर-लाग्रेव से ड्रॉ रहा जिन्होंने विश्व चैंपियन गुकेश पर शानदार जीत के साथ शुरुआत की थी।

गुकेश ने क्रोएशिया के खिलाड़ी को हराया : फ्रांसीसी खिलाड़ी से हारने के तुरंत बाद गुकेश ने लय वापस पा ली और दूसरे दौर में क्रोएशिया के इवान सारिक को आसानी से हरा दिया।

खेल मंत्रालय की मेजबानी में अगले छह महीने में भारत में 11 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट

नई दिल्ली। भारत में अगले छह महीने में बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप समेत 11 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेले जाने हैं और खेल मंत्रालय ने बेहतरीन मेजबानी का आश्वासन देते हुए कहा है कि खराब आयोजन जैसी अतीत की घटनाओं का दोहराव नहीं होगा। बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप 17 अगस्त से इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम पर खेली जायेगी जहां इस साल जनवरी में इंडिया ओपन के दौरान स्वच्छता और रखरखाव से जुड़े मसलों को लेकर विदेशी खिलाड़ियों ने काफी आलोचना की थी।

सभी सुविधाएं होंगी शीर्ष स्तर की : मंत्रालय

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा ,'' हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी सुविधायें शीर्ष स्तर की हो। मंत्रालय तैयारियों पर नजर रखे हुए हैं। हम नकारात्मक धारणा को बदलने के लिये काम कर रहे हैं।''

सेंथिलकुमार-तन्वी ने किया सेफा के लिए क्वालीफाई

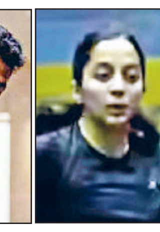

मुंबई। भारत के सक्वाश खिलाड़ी वेलावन सेंथिलकुमार और तन्वी खन्ना ने बृहस्पतिवार को यहां एचसीएल-एसआरएफआई पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेंथिलकुमार ने मुश्किल शुरूआत के बाद मिस्र के चौथे वरीय अब्दुल्लाह हफीज को 15-13, 11-4, 11-3 से शिकस्त दी और अब सेमीफाइनल में उनका सामना मिस्र के दूसरे वरीय यासिन शोहदी से होगा। वहीं तन्वी ने जापान की आठवीं वरीयता प्राप्त जो फू के खिलाफ एक गेम गंवाया लेकिन 11-6, 11-7, 8-11, 11-6 से जीत दर्ज करने में सफल रहीं। सेमीफाइनल में तन्वी का सामना जापान की छठी वरीय अकारी मिद्रोरिकावा से होगा।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता/डीजल, उत्तर रेलवे, डीजल लोको शेड, तुगलकाबाद के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा केवल निर्धारित निविदा दस्तावेज में ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएगी।

कार्य विवरण	तुगलकाबाद डीज़ल शेड में डीज़ल और इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की PU पेंटिंग – 03 साल के लिए।
काम की जगह	डीजल शेड, तुगलकाबाद, नई दिल्ली–110044
समापन की अवधि	3 साल
अनुमानित लागत राशि	₹90,75,594.19/- GST सहित (नभे लाख पिच्तर हज़ार पाँच सौ चोरान्बे और उन्नीस पैसे मात्र, GST सहित)
बयाना राशि	₹1,81,500/- (एक लाख इक्यासी हज़ार पाँच सौ मात्र)
तकनिकी योग्यता मापदंड	तकनिकी योग्यता मापदंड का विवरण निविदा फॉर्म के दूसरी शीट के खंड 10 पर दिया गया है।
वित्तीय योग्यता मापदंड	वित्तीय योग्यता मापदंड का विवरण निविदा फॉर्म के दूसरी शीट के खंड 10 पर दिया गया है।
समरूप कार्य की परिभाषा	**समरूपकार्य की अनुमोदित परिभाषा है:** "PU पेंटिंग का काम ट्रांसपोर्ट सेक्टर में किया जाता है, जैसे कि इंडियन रेलवे में रेल ट्रांसपोर्ट (EMU/MEMU/DEMU/लोकोमोटिव/वैगन, MCF/ICF/RCF/मेट्रो कोच), रोड ट्रांसपोर्ट (पब्लिक कैरियर बसें) और सिविल एविएशन (हवाई जहाज़/हेलीकॉप्टर)।"
ई-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने व अपलोड करने की वेबसाइट	www.ireps.gov.in
ई-निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय	23-07-2026 को 12:00 बजे तक।
ई-निविदा खुलने की तिथि व समय	23-07-2026 को 12:00 बजे के बाद।
निविदा की वैधता	निविदा खुलने से 60 दिन
विनिधान	05-0511-32

निविदा प्रपत्र भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तृत कार्य विवरण, कार्य अनुभव और नियम व शर्तों के लिए कृपया निविदा प्रपत्र का अवलोकन करें।

निविदा सूचना सं- डीजल-टी.के.डी- पी.यू. पेंट-ओ.टी-2026 दिनांक 01.07.2026 2265/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

श्रीकांत रिटायर हुए : अकर्षी, तान्या कनाडा ओपन के दूसरे दौर में

एजेंसी ▶▶| मार्खम (कनाडा)

भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत ने फिटनेस संबंधी परेशानी के कारण कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने पहले दौर का मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया तो वहीं महिला एकल में तान्या हेमनाथ और आकर्षि कश्यप दूसरे दौर में पहुंचने वाली भारत की चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे। पिछले रविवार को यूएस ओपन 300 में उपविजेता रहे 33 साल के श्रीकांत पुरुष एकल के पहले दौर में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ली जी जिया के खिलाफ 10-11 से पिछड़ रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कोच बी. साई प्रणीत से चर्चा के बाद मैच से हटने का फैसला किया।

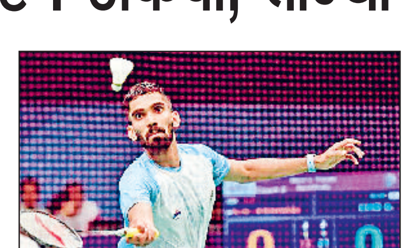

अब झांग व गुंजी से मुकाबला

महिला एकल में आकर्षि कश्यप ने फ्रांस की अन्ना तात्रानोवा को 21-14, 21-12 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका सामना अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त बेईवेन झांग से होगा। दूसरी ओर तान्या हेमनाथ ने अमेरिका की दिशा गुप्ता को 21-16, 21-18 से शिकस्त दी और अब उनका मुकाबला जापान की रिको गुंजी से होगा।

नौ खिलाड़ियों में से 7 पहले दौर में बाहर

भारतीय खिलाड़ियों के लिए कुल मिलाकर दिन निराशाजनक रहा। बुधवार को उतरे नौ भारतीय खिलाड़ियों में से सात पहले ही दौर में बाहर हो गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग चीनी ताइपे की तुंग सिउ-तोंग से 14-21, 15-21 से हार गईं। कनाडा की रेचल चान के खिलाफ रक्षिता रामराज ने कड़ा संघर्ष लेकिन 15-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं। इस साल अबू धाबी में अल ऐन मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने वाली श्रियंशी वालिशेट्टी को चीनी ताइपे की हुआंग चिंग पी के हाथों 9-21, 18-21 से पराजय झेलनी पड़ी। अनमोल खरब ने शीर्ष वरीयता प्राप्त मेजबान खिलाड़ी मिशेल ली को कड़ी टक्कर दी, लेकिन 6-21, 26-24, 13-21 से मुकाबला गंवा बैठीं।

पुरुष खिलाड़ियों का प्रदर्शन

पुरुष एकल में सनीत दयानंद और शंकर सुब्रमण्यन भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सके। सनीत को जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो ने 21-7, 21-11 से हराया, जबकि शंकर को दक्षिण कोरिया के यू ते-बिन ने 19-21, 21-15, 21-15 से मात दी। पुरुष युगल में भारत की एकमात्र जोड़ी अच्युतादित्य राव दोड्डावरापु और अर्जुन रेड्डी पोचाना भी शुरुआती दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर दी है

खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ईरान जाएंगे हसनैन और मार्गेरिटा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को आधिकारिक रूप से यह ऐलान किया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भाग लेने के लिए शुक्रवार (3 जुलाई) को भारत से दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ईरान जाएगा।

जिसमें बिहार के राज्यपाल और पूर्व वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा शामिल होंगे। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमले में खामेनेई की इस साल 28 फरवरी को मौत हो गई थी। जिसके बाद लगातार कई वजहों से उनका अंतिम संस्कार नहीं हो सका था। जिसे अब ईरान ने पूरे सम्मान के साथ पूरा करने का निर्णय लिया है और इसके लिए दुनियाभर के दिग्गज नेताओं को आमंत्रित किया गया है। वहीं, यहां एक ध्यान देने वाली बात यह भी है कि मंत्रालय का यह बयान सामने आने के बाद अब उन तमाम कयासों पर भी एक प्रकार से पूर्ण विराम लग गया है। जिनमें हालिया समय में ईरान द्वारा भारत के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुखों, पार्टी अध्यक्ष और अन्य नेताओं को खामेनेई को अंतिम विदाई देने के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित करने की जानकारी सामने आ रही थी।

विदेश यात्राओं के चलते नहीं जाएंगे पीएम

ज्ञात हो कि बीते दिनों ईरान ने अपने शीर्ष नेता के 4 से 9 जुलाई तक चलने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया था। लेकिन इसी समय अवधि में पीएम की तीन देशों के विदेश यात्रा के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम की वजह से वह ईरान नहीं जा सकेंगे और अब भारत ने यह निर्णय लिया है कि उसकी तरफ से दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ईरान जाएगा।

यह है भारत की भागीदारी का अर्थ

अंतिम संस्कार समारोह में भारत द्वारा एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल को भेजा जाना दोनों देशों के बीच मौजूद सभ्यता कालीन संबंधों जैसे लोगों और दोनों देशों के बीच स्थापित संपर्क को दर्शाता है। साथ ही यह राजनीतिक और आर्थिक गतिविधियों को लेकर एक मजबूत नींव का भी प्रमाणप्रस्तुत करता है।

गंभीर सुरक्षा चिंताओं के कारण

पिता के जनाजे में शामिल नहीं होंगे मोजतबा खामेनेई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि अयातुल्ला हकीम इलाही ने कहा है कि गंभीर सुरक्षा चिंताओं के कारण मोजतबा खामेनेई पिता के अंतिम संस्कार में सार्वजनिक रूप से उपस्थित होने की संभावना काफी कम है। इलाही ने कहा कि यह निर्णय सुरक्षा चिंताओं से प्रेरित था क्योंकि राजकीय अंत्येष्टि से पहले इजरायल के साथ तनाव अभी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं पिछले हफ्ते ईरान में था और वहां अपने कुछ दोस्तों से मिला, जो उनसे (खामेनेई) मिले थे। उन्होंने बताया कि वह बाहर आना चाहते हैं। वह लोगों से मिलना चाहते हैं लेकिन सुरक्षा एजेंसियां उन्हें आने की इजाजत नहीं दे रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने उनसे कहा है कि यह बहुत खतरनाक है और हम उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकते। मुझे लगता है कि वह बाहर नहीं आएंगे। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब दुनिया भर से हजारों शोक संतप्त और गणमान्य लोग अयातुल्ला अली खामेनेई को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए तेहरान पहुंच रहे हैं।

खबर संक्षेप

ईयू कोर्ट में गूगल पर 4.1 लाख करोड़ की पेनाल्टी

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ (ईयू) की सबसे बड़ी अदालत ने एंड्रॉयड से जुड़े एंटीट्रस्ट मामले में गूगल की अपील खारिज कर दी है। इसके साथ ही कंपनी पर लगाया गया 4.1 अरब यूरो (करीब 4.10 लाख करोड़ रुपए) का रिकॉर्ड जुर्माना बरकरार रहेगा। यह मामला पिछले आठ साल से चल रहा था। यह जुर्माना पहली बार 2018 में यूरोपीय आयोग ने लगाया था। आयोग का आरोप था कि गूगल ने एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम का इस्तेमाल करके अपने सर्च और क्रोम ब्राउज़र को बढ़ावा दिया और दूसरी कंपनियों के लिए कंपटीशन करना मुश्किल बना दिया।

रूस का कीव पर हमला 20 की मौत, 90 घायल

कीव। रूस ने गुरुवार की सुबह यूक्रेन की राजधानी पर मिसाइलों और ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमला किया। इसके कारण भीषण विस्फोट हुए। कीव शहर के सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर टकाचेंको ने बताया कि हमलों में आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे बच्चों समेत बड़ी संख्या में नागरिक प्रभावित हुए और कई इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा। हमले में 20 लोगों की मौत हो गई और 90 लोग घायल हो गए। बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन से हुए हमले ने नीप्रो नदी के दोनों किनारों पर स्थित शहर के सभी 10 जिलों को प्रभावित किया।

थाई भिक्षुओं के समूह को कुचला, 9 की मौत

बैंकॉक। थाईलैंड के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में एक पिकअप ट्रक चला रहे 11 वर्षीय लड़के ने तीर्थयात्रा पर जा रहे भिक्षुओं के समूह को कुचल दिया। इस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई। मुकदहन प्रांत के कुल 35 भिक्षु तीर्थयात्रा पर निकले थे। मुकदहन के गवर्नर वोरयान बूननारत के अनुसार, पांच भिक्षुओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार भिक्षुओं ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। 13 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से तीन भिक्षुओं की हालत गंभीर है। यह समूह उबोन रत्चाथानी प्रांत तक की 260 किमी लंबी पदयात्रा पर निकला था।

अस्पताल में भर्ती मरीजों का आंकड़ा 20 पर पहुंचा, जिन पर डॉक्टर रख रहे हैं निगरानी

सेना की मेडिकल टीम ने वेनेजुएला में किया 800 से अधिक मरीजों का इलाज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विनाशकारी भूकंप के प्रभावों से बुरी तरह से जूझ रहे दक्षिण-अमेरिकी देश वेनेजुएला के लिए भारतीय सेना की 60 पैरा फील्ड अस्पताल की मेडिकल टीम बहुत बड़ी मददगार बनकर उभरी है। अभी तक दल ने 800 से अधिक मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज किया है। सेना ने गुरुवार को बताया कि भारत ने ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत सेना के मेडिकल दस्ते की वेनेजुएला में तैनाती की है।

- भारतीय सेना की 60 पैरा फील्ड अस्पताल की मेडिकल टीम बहुत बड़ी मददगार बनकर उभरी

उन्होंने भूकंप प्रभावित क्षेत्र में एक फील्ड अस्पताल बनाया है और उसके जरिए ही बीते सप्ताह से मरीजों को लगातार जरूरी उपचार प्रदान किया जा रहा है। 2 जलाई तक टीम ने कुल 815 मरीजों का इलाज किया है। जो इस प्राकृतिक आपदा की चपेट में आए लोगों के सामने खड़ी उपचार सहायता का जरूरी प्रमाण प्रस्तुत करता है।

टीम ने की 65 सर्जरी

सेना की मेडिकल टीम ने अब तक कुल 65 सर्जरी की हैं। साथ ही आपदा में गंभीर रूप से प्रभावित हुए लोगों को एडवांस चिकित्सा सुविधाएं भी प्रदान की है। अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या 20 तक जा पहुंची है। जिन्हें अभी इलाज के साथ-साथ देखभाल की भी जरूरत है। सेना के डॉक्टर इन सभी पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं।

बल के मुताबिक, आपातकालीन ट्रामा देखभाल से इतर मेडिकल टीम ने कई प्रकार की विशेषज्ञता वाली चिकित्सा सुविधाएं वेनेजुएला के आम लोगों तक पहुंचाई हैं। जिसमें 233 डेंटल जांच, 1836 प्रयोगशाला जांच और 253 एक्स-रे शामिल हैं।

समय पर इलाज मुहैया कराना है लक्ष्य

भारत ने अमिस्ताद अभियान के जरिए वायुसेना के दो सी-17 विमानों के जरिए मेडिकल टीम, फील्ड अस्पताल को स्थापित करने के लिए उपकरण और अन्य जरूरी राहत सामग्री की बड़ी खेप वेनेजुएला भेजी है। सेना की मेडिकल टीम स्थानीय अधिकारियों, प्रशासन के साथ बेहद करीबी समन्वय के माध्यम से अपने कार्य को समय पर पूरा करने में जुटी हुई है। आम वेनेजुएला वासियों और वहां के सरकारी प्रतिनिधियों ने भी मुश्किल की इस घड़ी में भारतीय थलसेना द्वारा किए जा रहे तमाम प्रयासों की सराहना की है।

चीनी नागरिकों के पास 18.95 लाख कहां

सीआईएसएफ ने दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा, कस्टम कर रही है पड़ताल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सतर्कता का परिचय देते हुए तीन चीनी नागरिकों के पास से 18.95 लाख रुपये की अघोषित भारतीय मुद्रा बरामद की है। तीनों यात्री शंघाई जाने वाली उड़ान से यात्रा करने वाले थे। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें कस्टम्स विभाग के हवाले कर दिया गया है।

सीआईएसएफ के अनुसार, गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे सुरक्षा जांच के दौरान स्क्रीनिंग ड्यूटी पर तैनात जवानों को एक यात्री के हैंड बैगेज में संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। जांच करने पर उसके बैग से 6 लाख रुपये की भारतीय नकदी बरामद हुई। यात्री के पास इतनी बड़ी नकदी रखने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर उसे तुरंत कस्टम्स अधिकारियों के पास भेज दिया गया। कस्टम्स द्वारा पूछताछ के दौरान पता चला कि उक्त यात्री के साथ दो अन्य चीनी नागरिक भी यात्रा कर रहे थे। इसके बाद उनके हैंड बैगेज और चेक-इन सामान की भी विस्तृत तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान तीनों के पास से कुल 18 लाख 95 हजार 300 रुपये की भारतीय मुद्रा बरामद हुई। अधिकारियों के अनुसार, तीनों यात्री बरामद नकदी के संबंध में कोई संतोषजनक दस्तावेज या वैध स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद उन्हें निर्धारित उड़ान से ऑफलोड कर दिया गया और आगे की जांच तथा कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम्स विभाग के हवाले कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में भारतीय मुद्रा उनके पास कैसे आई और इसका उद्देश्य क्या था। मामले की विस्तृत जांच कस्टम्स विभाग कर रहा है।

यूएस में आग में जलने से गुजरात के एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य के वुस्टर शहर स्थित इकोनो लॉज मोटल में लगी भीषण आग में गुजरात के खेड़ा जिले के नडियाद निवासी एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान हितेशभाई सुथार, उनकी पत्नी हिनाबेन सुथार और 20 वर्षीय बेटी ईशानी सुथार के रूप में हुई है। हितेशभाई उसी इकोनो लॉज मोटल में काम करते थे और उनका परिवार भी मोटल परिसर में ही रहता था। रविवार देर रात करीब 1:30 बजे मोटल में अचानक आग लग गई।

अदन की खाड़ी में भारत के लिए माल लेकर बढ़ रहे एमवी गोल्डन आर्सेनल जहाज से जुड़ा है यह मामला

नौसेना के त्रिकंद युद्धपोत ने नाकाम की समुद्री डाकुओं के हमले की कोशिश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना ने एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में अपनी तत्परता और साहस का परिचय दिया है। मामला बीते बुधवार, 1 जुलाई का है, जिसमें अदन की खाड़ी में एमवी गोल्डन आर्सेनल नामक एक मालवाहक जहाज पर समुद्री डाकुओं ने अचानक हमला कर दिया था। जहाज की तरफ से नौसेना से मदद की गुहार लगाई गई और फिर नौसेना ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। आईएनएस त्रिकंद युद्धपोत को तैनात किया गया और फिर डकैती के इस प्रयास को विफल किया गया। नौसेना के जंगी युद्धपोत को करीब आता देख समुद्री डाकू मालवाहक जहाज को छोड़कर भाग निकले।

वहीं, इस अभियान के दौरान ही त्रिकंद ने नौसेना के मार्कोज कमांडो को भी गोल्डन आर्सेनल जहाज पर उतारा। उन्होंने जहाज को सेनेटाइज कर उसे पूरी तरह से अपने नियंत्रण में लिया। इसके अलावा कमांडो ने समूचे समुद्री क्षेत्र को अपनी उपस्थिति से सुरक्षित होने का भी अहसास कराया। यह एक व्यापारिक जहाज था, जिसके चालक दल में एक भारतीय नागरिक भी सवार था। खास बात यह थी कि जहाज में भारत के लिए भी जरूरी सामान लदा हुआ था।

नौसेना को बर्दाश्त नहीं समुद्री डाकू, डकैती

यहां बता दें कि अदन की खाड़ी अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार से जुड़ा हुआ एक महत्वपूर्ण मार्ग है। त्रिकंद एक ऐसा आधुनिक युद्धपोत है। जो आवश्यकता पड़ने पर तीव्र गति से कार्रवाई करने में पूरी तरह से सक्षम है। नौसेना बीते काफी वक्त से हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री डकैती से निपटने के लिए युद्धस्तर पर अभियानों का संचालन कर रही है। बल की इस मामले में शून्य सहिष्णुता की नीति भी बनी हुई है। पिछले जून महीने में भी त्रिकंद युद्धपोत ने पश्चिमी हिंद महासागर के इलाके में एमवी फरीदा-फाइव नामक एक जहाज की ओर से मदद के लिए किए गए अनुरोध के दौरान भी तेजी से प्रतिक्रिया दी थी।

पाकिस्तानी हैंडलर के इशारे पर दिल्ली को दहलाने की साजिश

आईएसआई के 4 आतंकी गिरफ्तार, विदेशी हथियार बरामद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़े अंतरराज्यीय ऑपरेशन में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित आतंकी और हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में पंजाब और दिल्ली से 4 आंतकियों को गिरफ्तार किया है, जो पाकिस्तानी हैंडलर शाहजाद भट्टी के इशारे पर राजधानी को दहलाने की साजिश रच रहे थे। पकड़े गए आतंकियों के पास से तुर्की मेड जिगाना पिस्टल समेत दो विदेशी पिस्टल, नौ कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

दिल्ली में धार्मिक स्थलों की रेकी कर पाक भेज रहे थे थानों और मंदिरों के वीडियो

(बाएं से दाएं) आरोपी साजन उर्फ हनी, गगनप्रीत, रिषी, शुभदीप

पकड़े गए आरोपियों में से गगनप्रीत को पाकिस्तानी हैंडलर्स ने बेहद खतरनाक काम सौंपा था। वह दिल्ली में पुलिस स्टेशनों, पुलिस पिकेट्स (चौकियों) और प्रमुख धार्मिक स्थलों की रेकी कर चुका था और उनकी वीडियो बनाकर पाकिस्तान भेज रहा था। उसे दिल्ली में किसी जगह पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फैलाने का भी टास्क दिया गया था।

ड्रोन से हथियार व ड्रग्स रिसीव करते

सबसे पहले पंजाब के अमृतसर (मजीठा रोड) से शुभदीप सिंह उर्फ विशाल को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक सेमी-आटोमैटिक पिस्टल, पांच कारतूस और दो मोबाइल मिले। पूछताछ में उसने कुबूल किया कि वह शाहजाद भट्टी नेटवर्क के पाकिस्तानी हैंडलर्स के सीधे संपर्क में था और ड्रोन के जरिए हथियार व ड्रग्स की खेप रिसीव करता था।

युवाओं को जाल में फंसाया

स्पेशल सेल के डीसीपी प्रवीण कुमार त्रिपाठी के मुताबिक शुभदीप से मिली जानकारी के आधार पर पंजाब से उसके दो और साथियों गुरजंत सिंह उर्फ ऋषि और साजन सिंह उर्फ हनी को दबोच लिया गया। इनके पास से 'जिगाना पिस्टल' और चार कारतूस बरामद हुए। इसी कड़ी में आगे कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गगनप्रीत नाम के चौथे आतंकी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109